■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- एलडीएफ-यूडीएफ खेल रहे नूरा-कुश्ती

- 7

■ अतिरिक्त शुल्क से एक फरवरी से तंबाकू उत्पादक हो जाएंगे महंगे

- 10

■ कच्चा तेल : रूस के बाद वेनेजुएला पर भी ट्रंप सख्त भारत की बढ़ेगी मुश्किलें

- 11

■ क्या पंत को खेलने का मौका दिए बिना बाहर करेंगे चयनकर्ता

- 12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 06:53 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 2 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 333, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नववर्ष : अयोध्या में रामलला दरबार और मथुरा में श्री द्वारकाधीश मंदिर में उमड़ी भीड़

नए साल पर अयोध्या और मथुरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर अयोध्या के राम मंदिर में, जहां लाखों लोग रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे पूरे शहर में भारी जनसैलाब दिखा और प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा और व्यवस्था करनी पड़ी। **दाएं :** मथुरा में भी मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, श्री द्वारकाधीश मंदिर में उमड़े श्रद्धालु।

बांग्लादेश: एक और हिंदू को जिंदा जलाने की कोशिश

ढाका, एजेंसी

- धारदार हथियार से वार कर कारोबारी पर डाला पेट्रोल

बांग्लादेश के शरियतपुर जिले के दामुद्या इलाके में आधी रात बाजार से घर लौट रहे एक हिंदू कारोबारी की पहले बेरहमी से पिटाई की गई, फिर धारदार हथियार से वार किया गया और आखिर में शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। गंभीर हालत में कारोबारी को ढाका रेफर किया गया है।

कारोबारी की पहचान 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास के रूप में हुई है। वह केनश्वर यूनियन के केउरभंगा बाजार में दवा और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात दुकान बंद कर वह ऑटो से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने ऑटो रुकवाया और उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले खोकन चंद्र दास की पिटाई की। इसके बाद उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। यहीं नहीं रुके हमलावर, बल्कि उन्होंने खोकन के सिर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। जान बचाने के लिए खोकन चंद्र दास सड़क किनारे स्थित एक तालाब में कूद गए। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए।

ब्रीफ न्यूज

एक फरवरी से फास्टैग के लिए केवाईवी प्रोसेस होगा बंद

नई दिल्ली। एनएचएआई ने एक फरवरी से जारी नए फास्टैग वाली कार, जीप, वैन श्रेणी के लिए 'नो योर व्हीकल-केवाईवी' प्रक्रिया बंद कर दी है। यह सुधार सड़क का उपयोग करने वाले उन लाखों लोगों को राहत देगा, जिन्हें वाहनों के मान्य दस्तावेज और फास्टैग सक्रिय होने के बावजूद केवाईवी में देरी जैसी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मौजूदा फास्टैग को लेकर स्पष्ट किया गया है कि यदि इसमें किसी तरह की शिकायत नहीं है, तो केवाईवी रूटीन जरूरत के तौर पर अनिवार्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नाम का दुरुपयोग करने के आरोप में मामला दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करीबी बताने वाले दक्षिण दिल्ली की एक पॉश कॉलोनी के निवासी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी व्यक्ति ने सरकारी स्वामित्व वाली रक्षा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों व वैज्ञानिकों, अनुसंधान निकायों और यहां तक कि अमेरिकी नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी को कई ईमेल किए थे। आरोपी ने ईमेल के जरिये भारत के लिए लड़ाकू विमान का इंजन विकसित करने की इच्छा जताई थी। वसंत कुंज निवासी निशीथ कोहली ने पीएमओ तक विशेषाधिकार प्राप्त पहुंच का दावा किया था।

स्विट्जरलैंड में नए साल के जश्न के दौरान लगी आग, 40 की मौत

मरने वालों में कई विदेशी नागरिक, 115 से ज्यादा लोग घायल

- बुधवार रात 1.30 बजे क्रांस मोंटाना में स्विस स्की रिजार्ट में धमाके के साथ लगी आग

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड), एजेंसी

स्विट्जरलैंड के एक अल्पाइन रिसॉर्ट के एक बार में नव वर्ष समारोह के दौरान धमाके के साथ लगी आग में 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई। हादसे में 115 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

क्रांस-मोंटाना रिसॉर्ट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्की और गोल्फ के लिए प्रसिद्ध है। बुधवार को रातोंरात, इसका भीड़भाड़ वाला 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार स्विट्जरलैंड की सबसे भयानक त्रासदियों में से एक का स्थल बन गया। वैलेस कैंटन के पुलिस कमांडर फ्रेडरिक गिस्लर ने कहा कि बार में 40 लोगों की मौत हो गई। गिस्लर ने कहा, पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिवारों को सूचित करने का काम जारी है, लेकिन इसमें समय लगेगा और फिलहाल, आपको अधिक सटीक आंकड़ा देना जल्दबाजी होगी। जान गंवाने वालों में कई विदेशी नागरिक भी है। वैलिस कैंटन के अटॉर्नी जनरल बीट्रिस पिलोड ने कहा कि आग के कारणों के बारे में कोई भी दावा करना अभी जल्दबाजी होगी।

विशेषज्ञ अभी तक मलबे के अंदर नहीं जा पाए हैं। पीड़ितों की सहायता के लिए हेलीकॉप्टर और एम्बुलेंस घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे। दो महिलाओं ने बताया कि वे बार के अंदर थीं जब उन्होंने एक 'बारमेड' के हाथ में एक जलती हुई मोमबत्ती थी जो बोतल में रखी थी और उसी से लकड़ी की छत में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि आग तेजी से फैल गई और छत गिर गई। एक महिला ने बताया कि कैसे भीड़ उमड़ पड़ी और लोग घबराकर एक तहखाने में स्थित नाइटक्लब से निकलने के लिए संकरी सीढ़ियों से होते हुए एक संकरे दरवाजे से भागने की कोशिश करने लगे। वैलिस कैंटन की क्षेत्रीय सरकार के प्रमुख मैथियास रेनार्ड ने कहा, आज शाम जश्न और एकजुटता का पल होना चाहिए था, लेकिन यह एक बुरे सपने में बदल गया। रेनार्ड के अनुसार, घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि क्षेत्रीय अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई और ऑपरेशन थिएटर जल्द ही पूरी तरह से भर गए। स्विट्जरलैंड में इटली के राजदूत जियान लोरेंजो कोर्नाडो ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि बार के अंदर पटाखे छोड़ने से बार की छत में आग लगी थी।

अल्पाइन स्की रिसॉर्ट में लगी आग। **दाएं :** मौके पर पहुंची एंबुलेंस।

10 हेलिकॉप्टर, 40 एंबुलेंस और 150 राहतकर्मी बचाव में जुटे

स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट में आग की घटना के बाद रातभर में 10 हेलिकॉप्टर, 40 एंबुलेंस और 150 आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं को घटनास्थल पर भेजा गया था। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसे आतंकवादी हमला नहीं माना जा रहा है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होगा उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य आयोजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने 24 से 26 जनवरी तक होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा
- मुख्यमंत्री योगी ने कहा- सभी जिलों समेत अन्य प्रदेशों व विदेश में भी करेंगे आयोजन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम 24 से 26 जनवरी तक होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्य आयोजन लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जाए। नोएडा शिल्पग्राम गौतमबुद्ध नगर समेत इसका आयोजन सभी जिलों, देश के अन्य राज्यों व उन देशों में भी भव्य रूप से हो, जहां बड़ी संख्या में प्रदेश के निवासी रहते हैं। आयोजनों में वल्लभ भाई पटेल, अटल बिहारी वाजपेयी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, वंदे मातरम्, आनंद मठ से जुड़ी नाट्य प्रस्तुतियों समेत अन्य कार्यक्रम किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने 12 जनवरी को युवा दिवस, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस, 25 जनवरी राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/मतदाता जागरूकता दिवस व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस पर ब्लॉक, नगर व जनपद स्तर पर गायन, वादन, नृत्य, नाट्य प्रतियोगिताएं कराई जाएं। यहां प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को मंडल स्तर पर मौका दिया जाए, फिर यहां तीन स्थान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट कलाकारों को लखनऊ में होने वाले मुख्य समारोह में प्रस्तुति का अवसर दें और उन्हें पुरस्कृत करें।

गैर प्रदेशों में भी किया जाएगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के प्रवासी नागरिक रहते हैं। इन राज्यों में भी उत्तर प्रदेश दिवस पर भव्य आयोजन कराया जाए। इसमें वहां के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश से जुड़े लोगों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों में रहने वाले उत्तर प्रदेश के जिन लोगों ने उद्यमिता, व्यापार, इनोवेशन, शिक्षा, कला, विज्ञान, प्रशासन आदि क्षेत्रों में अच्छा कार्य किया है। ऐसे तीन से पांच लोगों को सम्मानित भी किया जाए।

जनसुनवाई पर सख्त निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने 3 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हो रहे माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुव्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। पार्किंग, शौचालय, सीसीटीवी निगरानी, नाविकों के लिए लाइफ जैकेट, श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क न लिए जाने और मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नियमित जनसुनवाई करने, जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने और फील्ड में मेरिट के आधार पर तैनाती के निर्देश दिए।

शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नई अधिकतम किराया सीमा तय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी दफ्तरों के किराये को लेकर वित्तीय अधिकारों में संशोधन

अमृत विचार : राज्य सरकार ने सरकारी कार्यालयों के लिए किराये पर लिए जाने वाले भवनों से जुड़े वित्तीय अधिकारों में बड़ा संशोधन करते हुए नया शासनादेश जारी किया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत विभागाध्यक्षों और मंडलायुक्तों को भवन किराया स्वीकृत करने के अधिकारों में आंशिक बदलाव किया गया है। शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नई अधिकतम किराया सीमा तय हुई है। यह संशोधित व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार के जारी शासनादेश के अनुसार, राज्यपाल की स्वीकृति से वित्तीय नियम संग्रह खंड-1 में निहित वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन में संशोधन किया गया है। इसके तहत महानगरों, मंडल मुख्यालयों, अन्य नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग अधिकतम किराया सीमा तय की गई है। गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, कानपुर और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों में अनावासीय प्रयोजनों के लिए किराये पर लिए जाने वाले भवनों का अधिकतम किराया 40 रुपये प्रति वर्ग फुट तय किया गया है, जिसमें प्रति माह अधिकतम सीमा एक लाख रुपये होगी। मंडल मुख्यालय वाले जिलों में यह दर 20 रुपये प्रति वर्ग फुट और अधिकतम 80 हजार प्रतिमाह निर्धारित की गई है। एक लाख से अधिक आबादी वाले अन्य नगरों में 16 रुपये प्रति वर्ग फुट (अधिकतम 50 हजार रुपये प्रतिमाह) और एक लाख से कम आबादी वाले नगरों में 12 रुपये प्रति वर्ग फुट (अधिकतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह) की सीमा तय की गई है।

किराये पर भवन लेने की प्रक्रिया भी की गई स्पष्ट

शासनादेश में यह भी कहा गया है कि निजी भवनों को सरकारी कार्यालय के लिए किराये पर लेने से पहले स्थानीय स्तर पर समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद गठित समिति भवनों का निरीक्षण कर उपयुक्त भवन का चयन करेगी और जिलाधिकारी द्वारा किराये के औचित्य का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। बिना जिलाधिकारी के प्रमाण-पत्र के किराया स्वीकृत नहीं किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इस संशोधन से सरकारी खर्चों में पारदर्शिता आएगी, किराये की दरों पर नियंत्रण होगा और वित्तीय अनुशासन को मजबूती मिलेगी।

खेलते वक्त छात्रा की गर्दन में फंसी रस्सी, मौत

- गर्दन चीर कर हड्डी में फंसी रस्सी, छठी क्लास में थी छात्रा

हल्द्वानी। साल के आखिरी दिन एक परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में खेलते वक्त लटकी रस्सी मासूम बच्ची के गले में कस गई। रस्सी गले में इतनी जोर से कसी कि गर्दन चीरकर हड्डी में फंस गई। यह नजारा देख घर में कोहराम मच गया। आनन-फानन में परिजन बच्ची को लेकर डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय (एसटीएच) पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टीपीनगर क्षेत्र निवासी एक बैंक कर्मी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 13 साल की बेटी शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय में छठवीं की छात्रा थी। बताया जाता है कि बुधवार रात बच्ची घर में उछल-कूद कर रही थी। जहां वह खेल रही थी, वहीं एक रस्सी लटकी थी। उछल-कूद के दौरान अचानक ही बच्ची की गला रस्सी में फंस गया। रस्सी उसके गले में बुरी तरह जकड़ गई और वो चीख भी नहीं पाई। रस्सी गले में इस कदर जकड़ी कि ऊपरी त्वचा को काटती हुई हड्डी में जकड़ गई। परिवार के सदस्य जब पहुंचे तो देर चुकी थी। फौरन बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

गुवाहाटी-कोलकाता के बीच दौड़ेगी पहली स्लीपर वंदेभारत

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन असम के गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलाई जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी 17 या 18 जनवरी को ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उनकी अनुमति मिलते तिथि घोषित कर दी जाएगी। बंगाल के हावड़ा और असम के गुवाहाटी के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया हवाई यात्रा की तुलना में कम होगा।

कॉमर्शियल सिलेंडर 111 रुपये महंगा

- एटीएफ की कीमतें 7.3 प्रतिशत तक घटाई गईं

नई दिल्ली। विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत में 7.3 प्रतिशत की कटौती की गई जबकि वाणिज्यिक एलपीजी 111 रुपये प्रति सिलेंडर महंगा किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक ईंधन मानकों के अनुरूप अपने मासिक मूल्य संशोधन को लागू किया। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ की कीमत 7,353.75 रुपये प्रति किलोलीटर या 7.3 प्रतिशत की कटौती के साथ 92,323.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। इस नवीनतम कटौती से विमानन कंपनियों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही दिल्ली में होटल व रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए 111 रुपये की वृद्धि की गई है जिससे इसकी कीमत बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई है।

विस्तार : यूपी कैडर में आईएएस के 27 पद बढ़े, कुल संख्या हुई 683

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीओपीटी के कैडर रिव्यू के बाद स्टेट कैडर में 9 नए पद स्वीकृत
- 2026 में पीसीएस से आईएएस बनने वाले अफसरों की संख्या 30

अमृत विचार: केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत करते हुए आईएएस कैडर में बड़ा विस्तार किया है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने कैडर रिव्यू के बाद यूपी में आईएएस अधिकारियों के 27 अतिरिक्त पद बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रदेश में आईएएस अधिकारियों की कुल स्वीकृत संख्या 683 हो गई है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं।

कैडर रिव्यू के तहत डीओपीटी ने यूपी स्टेट कैडर में भी 9 नए आईएएस पद बढ़ाए हैं। माना जा रहा है कि इससे शासन-प्रशासन में अधिकारियों की उपलब्धता बढ़ेगी और विकास, कानून-व्यवस्था व योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। लंबे समय से लंबित पदोन्नतियों और कार्यभार के दबाव को कम करने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है।

कैडर विस्तार का सीधा लाभ पीसीएस अधिकारियों को मिलेगा। वर्ष 2026 में पीसीएस से आईएएस पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। प्रस्तावित सूची में 2010 और 2011 बैच के कई वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी शामिल हैं, जो वर्तमान में मंडल, जनपद और प्राधिकरण स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

संभावित पदोन्नति सूची में शामिल अधिकारी

- *डॉ. विश्राम (2010) – अपर आयुक्त, मिर्जापुर
- *अशोक कुमार कनौजिया (2010) – जॉइंट डायरेक्टर, युवा कल्याण, लखनऊ
- *पुष्पराज सिंह (2010) – सचिव, गोरखपुर विकास प्राधिकरण
- *संजय कुमार सिंह (2010) – एडीएम (ई), मुजफ्फरनगर
- *राज कुमार द्विवेदी (2010) – अपर आयुक्त, मिर्जापुर
- *राकेश कुमार पटेल (2010) – अपर आयुक्त, लखनऊ
- *सुशीला (2010) – अपर आयुक्त, कानपुर
- *आलोक कुमार (2010) – एडीएम (एफआर), गोंडा
- *वैभव मिश्रा (2011) – एडीएम (एफआर), कुशीनगर
- *विवेक श्रीवास्तव (2011) – सचिव, एलडीए, लखनऊ
- *योगानन्द पांडेय (2011) – एडीएम सिटी, अयोध्या
- *प्रदीप कुमार यादव (2011) – एडीएम, सहारनपुर
- *अमित कुमार (2011) – अपर आयुक्त, मेरठ मंडल
- *पूनम निगम (2011) – डिप्टी सेक्रेटरी, यूपीपीएससी, प्रयागराज
- *डॉ. नितिन मदान (2011) – एडीएम (ई), रामपुर
- *हर्ष देव पांडेय (2011) – परीक्षा नियंत्रक, यूपीपीएससी
- *शैलेंद्र कुमार सिंह (2011) – ओएसडी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण
- *नरेंद्र बहादुर सिंह (2011) – एडीएम (एफआर), लखीमपुर खीरी
- *संतोष बहादुर सिंह (2011) – एडीएम (ई), सहारनपुर
- *पंकज वर्मा (2011) – सचिव, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण
- *विजय कुमार सिंह (2011) – सीआरओ, देवरिया
- *अतुल कुमार (2011) – अपर नगर आयुक्त, मुरादाबाद
- *अमित सिंह (2011) – डिप्टी चीफ इलेक्शन ऑफिसर, लखनऊ
- *प्रियंका सिंह (2011) – एडीएम (एफआर), हरदोई
- *अमित कुमार (2011) – एडीएम (ई), कानपुर देहात
- *डॉ. सुनील कुमार वर्मा (2011) – एडिशनल कमिश्नर, जीएसटी, लखनऊ
- *गरिमा स्वरूप (2011) – ओएसडी, चुनाव आयोग, लखनऊ
- *संदीप कुमार (2011) – एडीएम (एफआर), हापुड़ राकेश कुमार सिंह – एडीएम (एफआर), लखनऊ
- *डॉ. वैभव शर्मा – एडीएम (एफआर), बदायूं

न्यूज ब्रीफ

सचिवालय पास की वैधता 31 तक बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने सचिवालय आने-जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य अधिकृत व्यक्तियों को राहत देते हुए एक अहम शासनादेश जारी किया है। इसके तहत वर्ष 2025 (दिसंबर 2025 तक मान्य) में जारी किए गए सचिवालय निजी प्रवेश पत्रों एवं वाहन प्रवेश पत्रों की वैधता 31 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय शासकीय कार्यहित में लिया गया है। शासनादेश में बताया गया है कि वर्ष 2026 के लिए जारी किए जाने वाले नए सचिवालय निजी प्रवेश पत्रों और वाहन प्रवेश पत्रों से संबंधित प्रस्ताव कुछ विभागों द्वारा समय पर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इस कारण सचिवालय प्रशासन विभाग ने मौजूदा पासों की वैधता अवधि बढ़ाने का फैसला किया, ताकि शासकीय कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए।

ब्रिज कोर्स में 19 तक आवेदन का मौका

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा प्रस्तावित ब्रिज कोर्स में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 19 जनवरी कर दी गयी है। अंतिम तिथि बढ़ने से आवेदन से वंचित शिक्षकों को मौका मिल गया है। मालूम हो कि प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में बीएड योग्यता के आधार पर नियुक्त शिक्षकों के लिए छह माह का ब्रिज कोर्स करना अनिवार्य हो चुका है। इसके लिए एनआईओएस द्वारा यह कोर्स 25 हजार रुपये शुल्क में ऑनलाइन कराया जा रहा है। पहले ब्रिज कोर्स के लिए आवेदन की तिथि 25 दिसंबर निर्धारित थी, लेकिन बड़ी संख्या में शिक्षक अब तक ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे थे। तकनीकी दिक्कतों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया गया है।

बहराइच मेडिकल कॉलेज में बनेगा शवगृह

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच स्थित महाराज सुहेल देव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में नया शवगृह निर्मित किया जाएगा। यह शवगृह आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, इसके लिए राज्य सरकार ने चार करोड़ रुपये स्वीकृत कर, एक करोड़ 57 लाख रुपये की पहली किश्त भी जारी कर दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के उप सचिव चंद्र शेखर मिश्र ने स्वीकृत धनराशि संबंधी आदेश चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक को जारी कर दिया है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों से बढ़ रहा पूंजी निवेश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से अधिक से अधिक पूंजी निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उप्र. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के अंतर्गत स्थापित इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्यवाही, अनापत्ति प्रमाण पत्र शीघ्र दिलाने और सब्सिडी प्रकरणों की नियमित समीक्षा पर जोर दिया है। उप मुख्यमंत्री ने गुरुवार को उद्यान विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रदेश में निवेश, रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मेजर की बीमार बेटी को योगी ने दिलाया मकान पर कब्जा, दो गिरफ्तार

चंदौली के आरोपी ने हड़प ली थी लखनऊ में करोड़ों की जमीन और मकान, बुधवार को शिकायत गुरुवार को मिल गया न्याय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: दबंगों की प्रताड़ना की शिकार एक मेजर की बेटी अंजना के लिए नये साल 2026 का पहला दिन ढेर सारी खुशियां लेकर आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर सिर्फ 24 घंटे के अंदर पुलिस ने उसका करोड़ों का मकान उसे दिलाकर दो भूमाफिया को गिरफ्तार कर लिया है।

अंजना के पिता स्व. विपिन चंद्र भट्ट सेना में मेजर थे। उनका इंदिरा नगर में ए-418 नंबर का मकान है। मेजर का निधन 1994 में हो गया। मेजर भट्ट के एक पुत्र व दो पुत्रियां थीं। उनके बेटे व एक बेटी का निधन हो चुका है। परिवार में सिर्फ अंजना ही है, जो सीजोफ्रेनिया से पीड़ित होने पर 2016 में निर्वाण रिहैब सेंटर में रह रही थी। अंजना बुधवार को मुख्यमंत्री से मिलीं और बताया कि चंदौली के बलवंत यादव ने फर्जी दस्तावेज लगाकर मकान पर कब्जा कर लिया है। बलवंत कुमार का बोर्ड भी लगा दिया गया है। उन्होंने 6 दिसंबर को स्थानीय थाने पर प्रार्थना पत्र देकर इसे खाली कराने का आग्रह किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अंजना की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के बाद पुलिस-प्रशासन की टीम सक्रिय हुई। एसीपी गाजीपुर अनिंद्य विक्रम सिंह ने बताया कि मामले में आरोपी बलवंत कुमार यादव उर्फ बब्लू पुत्र रामदुलारे यादव निवासी ग्राम नारायणपुर, सैयदराजा-चंदौली व मनोज कुमार यादव पुत्र स्व. उमाशंकर यादव निवासी दाउदपुर- थाना कोतवाली, चंदौली को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपनी समस्या बताती पीड़िता अंजना भट्ट, साथ में निर्वाण संस्था के अध्यक्ष डॉ. एसएस धपोला।

पीड़िता बोली- थैंक्यू योगी अंकल !

पुलिस व सेना के अधिकारी की मौजूदगी में गुरुवार को अंजना जैसे ही घर के भीतर पहुंचीं, उनके आंख से आंसू छलक पड़े। हर कमरे में गईं, वहां की दीवारों को चूमा। फिर बाहर आकर नारियल फोड़ा, दीप प्रज्वलित किया और पुष्प रखकर अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया। पड़ोस की महिलाओं से लिपटकर वे रोने लगीं और बचपन के संस्मरण भी सुनाने लगीं। अपने घर में प्रवेश के बाद भाव विह्वल अंजना की आंखों में खुशी के आंसू थे। उनके दिल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए आभार निकला। उन्होंने कहा, योगी अंकल महान हैं। उन्होंने दुख में हमारी सहायता की।

तीन एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : ओवरलोड वाहनों को रिश्वत लेकर बिना रोकटोक आवागमन की अनुमति देने के आरोपों में लखनऊ, रायबरेली और फतेहपुर के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) प्रवर्तन को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में तीनों अधिकारियों को मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। साथ ही प्रकरण की विभागीय जांच झांसी के उप परिवहन आयुक्त केडी सिंह गौर को सौंपी गई है। परिवहन विभाग के विशेष सचिव केपी सिंह द्वारा गुरुवार को जारी आदेश में लखनऊ के एआरटीओ प्रवर्तन राजीव कुमार बंसल, रायबरेली के एआरटीओ अंबुज और फतेहपुर की एआरटीओ पुष्पांजलि मित्रा को निलंबित किया गया है।

विवाह के बाद महिलाओं का यूनिट जुड़ेगा ससुराल के राशन कार्ड में

प्रदेश सरकार के फैसले से दोहरे कार्ड पर लगेगी रोक, शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रमुख सचिव ने जिलाधिकारियों को कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: विवाह के बाद खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित महिलाओं को राहत देते हुए योगी सरकार ने उनके यूनिट को ससुराल के राशन कार्ड में स्थानांतरित करने के निर्देश जारी किए हैं। खाद्य एवं रसद विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया से जुड़े लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए।

शासनादेश के अनुसार, विवाह के कारण अन्य जिले या उसी जिले के किसी अन्य क्षेत्र में निवास करने वाली महिलाओं का यूनिट, ससुराल में प्रचलित राशन कार्ड में स्थानांतरित किया जाएगा। यदि ससुराल में राशन कार्ड पहले से मौजूद है तो यूनिट स्थानांतरण केवल ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से किया जाएगा। ऑफलाइन आवेदनों के आधार पर

यूनिट निरस्त नहीं की जाएगी। यदि ससुराल में राशन कार्ड नहीं है और संबंधित परिवार पात्रता श्रेणी में आता है तो नया राशन कार्ड जारी किया जाएगा। इसके बाद नवविवाहित महिला का यूनिट उसी नए राशन कार्ड में जोड़ा जाएगा। वहीं, यदि ससुराल का परिवार पात्र नहीं पाया जाता है तो महिला का यूनिट मायके के राशन कार्ड से निरस्त कर दिया जाएगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि महिला का यूनिट ससुराल के राशन कार्ड में स्थानांतरित होने से पहले मूल राशन कार्ड का विभाजन नहीं किया जाएगा। सभी जिलों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि महिलाओं को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कुष्ठ रोगियों को मिलेगा खाद्य सुरक्षा का अधिकार

प्रदेश सरकार ने कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के दायरे में लाते हुए उनके राशन कार्ड प्राथमिकता से जारी करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य एवं रसद विभाग ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। यह आदेश उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं पर पारित आदेश (12 नवंबर 2025) के अनुपालन में जारी किया गया है। शासनादेश के अनुसार, कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवारों को इन्क्लूजन क्राइटेरिया के अंतर्गत माना जाएगा, बशर्ते वे एक्सक्लूजन श्रेणी में न आते हों। शासन ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में मार्च 2016 से लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अंत्योदय और पात्र गृहस्थी दो श्रेणियों के राशन कार्ड प्रचलित हैं। पूर्व में जारी शासनादेश (7 अक्टूबर 2014) में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए तय मानकों के अनुसार कुष्ठ रोग से प्रभावित/एड्स पीड़ित परिवारों को पात्रता में शामिल किया गया है। इसी आधार पर अब सभी जिलों में कुष्ठ रोगियों के राशन कार्ड प्राथमिकता से निर्गत किए जाएंगे। खाद्य एवं रसद विभाग ने निर्देश दिए हैं कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी या लापरवाही न हो और सभी संबंधित अधिकारी कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

खेतों की मिट्टी में आर्गेनिक कार्बन और नाइट्रोजन काफी कम, रिपोर्ट में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- खरीफ फसल में एकत्र किए गए थे मिट्टी के सैंपल
- लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर व लखीमपुर में पोषक तत्वों की कमी

अमृत विचार : खेतों में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से खरीफ सीजन में लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और उन्नाव की मिट्टी में आर्गेनिक कार्बन 84 फीसद और नाइट्रोजन 94 फीसद तक कम मिला है। मृदा परीक्षण में अन्य पोषक तत्वों की मात्रा भी कम निकली है। इससे कहीं मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर हो रही तो कहीं पोषक तत्व न मिलने से फसलों की गुणवत्ता और पैदावार घट रही है।

कृषि विभाग ने खरीफ सीजन में विशेष अभियान चलाकर खेतों की मिट्टी के लखनऊ में 15 हजार, सीतापुर 38 हजार, लखीमपुर खीरी 30 हजार व उन्नाव में 32 हजार सैंपल एकत्र किए थे। सभी सैंपल का आलमबाग स्थित प्रयोगशाला में परीक्षण कराया गया। इनमें ऑर्गेनिक कार्बन और नाइट्रोजन सबसे कम निकला। यह सभी तत्व पौधों के बढ़ने में सहायक होते हैं।

सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर लखनऊ मंडल डॉ. मनमोहन लाल ने बताया कि मुख्य वजह किसानों द्वारा अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल करना है। सुधार के लिए प्राकृतिक संसाधन जैसे खेतों में गोबर की खाद, कूड़ा, वर्मी कम्पोस्ट, फसल अवशेष जमीन पर निस्तारित करके पोषक तत्व बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को मृदा रिपोर्ट कार्ड वितरित किए हैं।

इन सामग्री से बढ़ाएंगे ऑर्गेनिक कार्बन

पौधों के अवशेष, सड़ी-गली पत्तियां, टहनियां, और फसल के डंठल, गोबर और अन्य पशुधन अपशिष्ट, मिट्टी में रहने वाले बैक्टीरिया, खाद, कंपोस्ट, और अन्य कार्बनिक सामग्री

देश संवैधानिक मूल्यों पर चलेगा तो ही बनेगा विश्वगुरु

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने लोगों को नये साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देशभर में नफरती तनाव व हिंसा का माहौल बनाने का जो षड्यंत्र जारी है, उसका अंत हो। नये साल में लोगों को नया बदलाव भी महसूस हो। उन्होंने कहा कि देश अगर संवैधानिक मूल्यों पर चलेगा तो ही विश्वगुरु बनकर पथ प्रदर्शक होगा।

बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर

गुरुवार को पोस्ट करते हुए कहा कि सरकारों को कानून के राज की स्थापना के लिए नफरती हिंसा करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध बिना किसी पक्षपात के सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

नए बजट के लिए मांगी उपलब्धियां और योजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार ने शुरू की वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी
- वित्त मंत्री के भाषण के लिए विभागों से मांगी गई पुख्ता सामग्री

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक (बजट) को लेकर योगी सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वित्त विभाग ने शासनादेश जारी कर सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे वित्त मंत्री के बजट भाषण के लिए आवश्यक सामग्री समयबद्ध, संक्षिप्त और गुणवत्ता-युक्त रूप में उपलब्ध कराएं।

शासनादेश में कहा गया है कि बजट भाषण सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विजन को प्रस्तुत करने का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, इसी आधार पर बजट का व्यापक विश्लेषण किया जाता है। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, कई विभागों द्वारा अब तक बजट भाषण के लिए सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई है, जबकि कुछ विभागों ने अत्यधिक लंबी और गुणात्मक रूप से कमजोर सामग्री भेजी है। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिया है कि प्रत्येक विभाग अधिकतम दो पृष्ठों में सारगर्भित सामग्री स्वयं तैयार कर 8 जनवरी तक अनिवार्य रूप से वित्त विभाग को उपलब्ध कराए। इसमें रोजगार सृजन, विकास, नवाचार, आधुनिक तकनीक के उपयोग, शोध को बढ़ावा और अवस्थापना विकास से जुड़े कार्यक्रमों का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर

शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बजट सामग्री में महिला, युवा, किसान और कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने के लक्ष्य से संबंधित विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों को विशेष रूप से शामिल किया जाए। यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि राज्यपाल के अभिभाषण और वित्त मंत्री के बजट भाषण की सामग्री में किसी प्रकार की तथ्यात्मक विसंगति न हो।

पुलिस की लघु फिल्म करेगी 'डिजिटल अरेस्ट' को लेकर जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की नई लघु फिल्म लोगों को डिजिटल अरेस्ट और साइबर अपराध से बचने के प्रति जागरूक करेगी। मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर अभिनीत इस लघु फिल्म में कानपुर की एक वास्तविक घटना पर आधारित है। जिसमें एक सजग नागरिक ने "डिजिटल अरेस्ट" के नाम पर की जा रही साइबर ठगी की कोशिश को सूझबूझ से नाकाम कर दिया था।

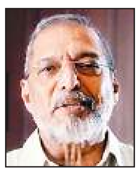

मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने साइबर अपराध की रोकथाम और जन-जागरूकता को शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उनके मार्गदर्शन में प्रदेशभर में लगातार साइबर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। डीजीपी स्वयं 11 परिक्षेत्रीय साइबर जागरूकता कार्यशालाओं में ऑनलाइन प्रतिभाग कर चुके हैं।

नववर्ष पर सपा मुख्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलते पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव। अमृत विचार

आंबेडकर, लोहिया और मुलायम सिंह के विचारों पर चलने का संकल्प लें : अखिलेश

- नववर्ष पर सपा प्रमुख से मिले कार्यकर्ता

अमृत विचार, लखनऊ : नववर्ष 2026 के अवसर पर बधाई देने आए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि नए वर्ष में हमें बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव के विचारों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना पार्टी का लक्ष्य है।

सपा प्रमुख से गुरुवार को बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पार्टी मुख्यालय में मुलाकात कर बधाई दी। अखिलेश यादव ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए उज्ज्वल भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, सांसद आरके चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नववर्ष के अवसर पर प्रदेश मुख्यालय में बाटी-चोखा सहभोज का आयोजन भी किया गया।

64 सीएचसी में लगेंगी डिजिटल एक्स-रे मशीन

अमृत विचार, लखनऊ : नए साल के पहले दिन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश में 24 जिलों के 64 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में डिजिटल एक्सरे मशीनें खरीदने की वित्तीय स्वीकृति दे दी है। उप मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बताया कि बीमारी की सटीक पहचान के लिए सीएचसी में डिजिटल एक्सरे मशीन स्थापित की जाएगी। करीब 12.10 करोड़ रुपये से डिजिटल एक्सरे मशीन लगाई जाएंगी। इसमें एक मशीन की कीमत लगभग 18.91 लाख रुपये है।

अलीगढ़ सीएचसी में तीन, कन्नौज में दो, आजमगढ़ व इटावा में चार-चार एक्सरे मशीन लगेंगी। कानपुर नगर में 3, लखनऊ में 16, मऊ में 4 डिजिटल एक्सरे मशीन। मुरादाबाद के 2, रायबरेली के 5, सम्भल के 3 सीएचसी में मशीन लगेगी। सोनभद्र में 2, सुल्तानपुर के 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी लगेंगी डिजिटल एक्सरे मशीन लगेंगी। देवरिया, रामपुर, प्रयागराज, पीलीभीत, मेरठ, महराजगंज, महोबा, कौशाम्बी, हरदोई, बस्ती, बरेली एवं बलिया सीएचसी में एक-एक डिजिटल एक्सरे मशीन स्थापित की जाएगी।

राजनीतिक मुद्दा

केंद्रीय योजनाओं के इर्द-गिर्द सिमटती दिख रही ग्रामीण वोटबैंक की राजनीति

पंचायत चुनाव : 'मनरेगा' बनाम 'जी राम जी' की होगी परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 100 दिन रोजगार को 125 दिन करने को चुनावी मुद्दा बनाने में पूरी ताकत झोंकेगी भाजपा सरकार

अमृत विचार: प्रदेश में पंचायत चुनाव की सरगर्मी बढ़ते ही गांवों की चर्चा फिर योजनाओं पर टिक गई है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार बहस किसी सड़क, नाली या हैंडपंप की नहीं, बल्कि रोजगार की पहचान की है। एक ओर वर्षों से गांव की अर्थव्यवस्था का परिचित चेहरा रही मनरेगा है, दूसरी ओर सरकार की नई पेशकश 'विकसित भारत-जी-राम-जी (ग्रामीण)'। यही टकराव अब पंचायत चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है।

मनरेगा गांव के लिए सिर्फ काम की योजना नहीं रही, बल्कि संकट के समय सहारा बनती आई है। सूखा हो या महामारी, यही योजना गांव में नकद आय का भरोसा देती रही। इसलिए जब इसके नाम और ढांचे में बदलाव की बात आई, तो विपक्ष को सियासी मौका दिख गया। कांग्रेस इसे सीधे गरीबों के अधिकार पर चोट के रूप में पेश कर रही है। पार्टी का तर्क है कि रोजगार का अधिकार कानून से निकलकर अगर मिशन में बदला गया तो जवाबदेही कमजोर होगी। कांग्रेस की रणनीति पिछले लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने के मुद्दे जैसा इसे भी भावनात्मक बनाना है। गांधी के नाम से जुड़ी योजना को बचाने का नारा, गांव-गांव अभियान और पंचायत चुनाव के जरिए खोई हुई जमीन तलाशने की कोशिश शुरू हो गई है। इसके उलट, सरकार और भारतीय जनता पार्टी का फोकस बेहतर विकल्प के प्रचार पर है। योगी सरकार कह रही है कि नई योजना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दायरा बढ़ाना है। 100 की जगह 125 दिन का काम, कौशल प्रशिक्षण, आजीविका से जोड़ने की बात, यानी मजदूरी से आगे बढ़कर रोजगार का मॉडल। गांवों में विशेष ग्राम सभाएं, चौपालें और प्रशासनिक सक्रियता यह बताती है कि सरकार इसे चुनावी मुद्दे के तौर पर हल्के में नहीं ले रही।

असल में यह बहस नाम बनाम भरोसे की है। मनरेगा एक जाना-पहचाना नाम है, जिस पर ग्रामीणों का विश्वास बना हुआ है। वहीं जी-राम-जी सरकार के लिए विकास का नया नैरेटिव गढ़ने का जरिया है। भाजपा को भरोसा है कि अगर काम के दिन बढ़े और भुगतान समय पर हुआ, तो गांव का मतदाता बदलाव को स्वीकार कर लेगा। पंचायत चुनाव की प्रकृति ही ऐसी है कि यहां बड़े भाषणों से ज्यादा असर रोजमर्रा के अनुभव का होता है। जिसने काम पाया, मजदूरी मिली, वही गांव में चर्चा तय करता है। इसलिए यह लड़ाई पोस्टर और बयानों से ज्यादा जमीन पर परिणामों की है। अगर नई योजना शुरुआती दौर में ही भ्रम या देरी का शिकार हुई तो विपक्ष को धार मिलेगी। लेकिन अगर लाभ साफ दिखा, तो विरोध की हवा निकल सकती है।

भाजपा की रणनीति

- 'जी राम जी' योजना का आक्रामक प्रचार
- रोजगार के दिन 125 करने का दावा
- ग्रामसभाओं और चौपालों के जरिए संवाद
- योजनाओं को चुनावी नैरेटिव में बदलने की कोशिश

कांग्रेस का नैरेटिव

- मनरेगा का अर्थ अधिकार आधारित कानून
- नाम और ढांचे में बदलाव से गरीबों के हक पर हमला
- 5 जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान'

तय होगी 2027 की सियासत की दिशा

पंचायत चुनाव से पहले यह जंग और तेज होगी। नतीजे तय करेंगे कि यूपी के गांव विकास के नए वादे के साथ खड़े होते हैं या परिचित अधिकार के पक्ष में। यही संकेत 2027 की सियासत की दिशा भी तय करेगा। पंचायत चुनाव में 12 करोड़ से ज्यादा मतदाता 8 लाख से अधिक पदों पर वोट देते हैं। 2021 के चुनावों में भाजपा ने यह साबित कर दिया कि वह बिना आधिकारिक पार्टी सिंबल के भी अपने समर्थित उम्मीदवारों को जितवा सकती है। महामारी के बावजूद संगठनात्मक ताकत और सरकारी योजनाओं की पहुंच ने बढ़त दिलाई। जिला पंचायत की 75 में से 67 सीटों पर भाजपा का कब्जा रहा, समाजवादी पार्टी को पांच और कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

417 करोड़ की सात परियोजनाएं मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रेरा ने लखनऊ, बरेली, नोएडा, मथुरा और मेरठ में दी स्वीकृति
- बनेंगी आवासीय एवं व्यावसायिक 1,024 इकाइयां

अमृत विचार : उप्र. रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने गुरुवार को 192वीं अथॉरिटी बैठक में लखनऊ, बरेली, नोएडा, मथुरा और मेरठ में सात परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन शहरों में 416.94 करोड़ की लागत से बिल्डरों द्वारा 1,024 आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयां विकसित करके फ्लैट, कॉम्पलेक्स, दुकानें, विला, रो-हाउस आदि बनाकर बेचे जाएंगे।

शहर के न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय में अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कई आवासीय व व्यावसायिक इकाइयां निर्मित करने के प्रस्ताव रखे गए। इस दौरान नोएडा में 181.36 करोड़ लागत की दो व्यावसायिक श्रेणी की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें 298 इकाइयां निर्मित की जाएंगी। इसी अलावा मथुरा में 154.92 करोड़ की लागत वाली दो आवासीय परियोजनाओं में 565 आवासीय इकाइयां, लखनऊ में 27.65 करोड़ लागत की एक व्यावसायिक परियोजना में 30 इकाइयां व बरेली में 24.56 करोड़ की लागत वाली एक आवासीय परियोजना में कुल 106 इकाइयां निर्मित करने की अनुमति दी गई। मेरठ में 28.45 करोड़ लागत की परियोजना को मंजूरी दी गई।

न्यूज ब्रीफ

नटवाडीह टीला के सौंदर्यीकरण की मांग

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर क्षेत्र के गोड़वा गांव निवासी भाजपा अनुसूचित जाति–जनजाति मोर्चा अवध प्रांत क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य सुभाष पासी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मिलकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। सुभाष ने योगी को श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री से महाराजा बिजली पासी के पिता महाराजा नथावन से जुड़े ऐतिहासिक नटवाडीह टीला के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की मांग की। बताया कि 14.03 एकड़ क्षेत्रफल लखनऊ का ये प्राचीन स्थल पुरातत्व विभाग में दर्ज है। झाड़ियों और कटीले बबूल से घिरे इस स्थल पर खनन माफिया और भूमाफिया कब्जे की कोशिशें कर रहे हैं। सुभाष ने पत्र देकर किले के चारों ओर बाउंड्रीवॉल, सौंदर्यीकरण कराकर महाराजा नथावन की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

किशोर ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : इटौंजा के किशुनपुर गांव में लिंटर की सरिया में रस्सी बांधकर किशोर ने गुरुवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर मार्कंडेय यादव ने बताया कि सचिन (14) वर्ष पुत्र रामगोपाल बीमारी से परेशान रहता था। जिससे गुरुवार को उसने घर के पीछे के कमरे में गया। घर के कमरे के लिंटर की सरिया में रस्सी डालकर गले में फंदा लगाकर जान दे दी। उसके पिता रामगोपाल मवेशियों का भूसा लेने गए तो उनको आत्महत्या की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

छेड़छाड़ पीड़िता रेलवे ट्रैक किनारे घायल मिली

अमृत विचार काकोरी : थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम करीब 4 :30 बजे रहमानखेड़ा स्थित रेलवे ट्रैक के किनारे छेड़छाड़ पीड़िता गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल युवती को सीएचसी काकोरी लेकर गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सभी बिंदुओं पर जांच की जाएगी। इंस्पेक्टर ने बताया कि घायल 29 वर्षीय युवती ठाकुरगंज की रहने वाली है। वह हरदोई के बाल विकास पुष्टाहार में तैनात है। गुरुवार सुबह 8 :30 बजे आलमनगर स्टेशन से बरेली एक्सप्रेस के जरिए हरदोई के लिए निकली थीं।

खेत में लगे सोलर पैनल चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में चोरों ने किसान के खेत में लगे सोलर पैनलों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परवर पूरब स्थित बहादुर खेड़ा निवासी किसान बृजेश कुमार यादव ने बताया कि घर के सामने स्थित खेत में 5 किलोवाट क्षमता के कुल नौ सोलर पैनल लगे थे। जिसमें से 27 और 28 दिसंबर की रात अज्ञात चोर आठ सोलर पैनल चोरी कर ले गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच कर रही है।

सोलर पैनल लगाने के नाम पर 80 हजार ठगे

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित एक निर्माणाधीन मकान पर सोलर पैनल लगाने के नाम पर जालसाजों ने महिला से 80 हजार रुपये ऐंठ लिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मूल रूप से इंदिरानगर निवासी प्रियंका यादव पुलिस मुख्यालय के पास एमार गोमती ग्रीन्स में रहती हैं। उन्होंने बताया कि एमार गोमती ग्रीन्स स्थित अपने निर्माणाधीन भवन पर सोलर पैनल लगाए जाने के लिए आमिर निवासी कल्याण अपार्टमेंट गाजीपुर से बात की थी। पति संतोष यादव को कुशकान्त तिवारी निवासी विकासनगर से मिलवाया। आमिर ने बताया कि अनिकेत की एजीएस इंडस्ट्रीज के नाम से फर्म है। आरोपियों ने पंजीकरण व अन्य मदों के नाम पर दंपति से 80 हजार रुपये ऐंठ लिए।

सड़क हादसों में महिला समेत तीन की मौत

बीकेटी में मंदिर जा रही महिला को अज्ञात वाहन ने रौंदा, गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में हुई दो दुर्घटनाएं

संवाददाता, बख्शी का तालाब/गोसाईंगंज

अमृत विचार: नए साल पर बीकेटी के 51 शक्ति पीठ मंदिर में दर्शन जा रही महिला को सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गयी। वहीं, गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में अलग-अलग हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई।

मूल रूप से जौनपुर के नई कॉलोनी नईगंज पोस्ट मुरादगंज के लाइन बाजार निवासी इंदु दास (47) बख्शी का तालाब के रुद्र नगर निवासी भाई रमेश दास के घर एक हफ्ते पहले आई थी। गुरुवार को नव वर्ष के अवसर पर वह रिश्तेदारों के साथ पैदल सीतापुर रोड स्थित नन्दना में 51 शक्ति पीठ मंदिर में दर्शन करने जा रही थी। अस्ती क्रासिंग के पास हाइवे पार करते समय अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गई। चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने इंदु को सौ शैया अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, मूल रूप से प्रतापगढ़ के कंधई निवासी अमर सिंह (55) अपने दोस्तों के साथ डीसीएम से लखनऊ आ रहे थे। गोसाईंगंज पहुंचने पर एसएमएस कालेज के पास एक होटल पर भोजन करने के लिए रुके। खाना खाने के बाद जब अमर सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच बेकाबू बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोसाईंगंज पुलिस ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईंगंज पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाई राजन ने बताया कि अमर सिंह किसी काम से दोस्तों के साथ लखनऊ आ रहे थे। अमर सिंह किसानी करते थे। पुलिस बाइक सवार की तलाश की जा रही है।

वहीं, सदरपुर करोरा निवासी राकेश (52) की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि राकेश मानसिक रूप से बीमार थे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पास घूम रहे थे। देर रात किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के पिता रामाधीन रावत ने बताया कि राकेश मानसिक रूप से बीमार थे।

न्यू ईयर पार्टी में धक्का लगने पर मारा चाकू

- बाराबिरवा स्थित होटल के रूफटॉप पर चल रही थी पार्टी

संवाददाता, आलमबाग

अमृत विचार: कृष्णानगर के बाराबिरवा स्थित एक होटल के रूफटॉप पर बुधवार को आयोजित न्यू ईयर पार्टी दौरान दो युवकों में धक्का मुक्की को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर दबंग युवक ने चाकू लेकर दूसरे युवक पर ताबड़तोड़ कई वार कर लहूलुहान कर दिया। आनन-फानन में दोस्तों ने घायल को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच शुरु कर दी है।

होटल के टॉप फ्लोर पर बुधवार को नए साल को लेकर पार्टी आयोजित थी। रात करीब 9:30 बजे माती बिजनौर निवासी अभिषेक सिंह पुत्र अविनाश सिंह अपने तीन दोस्तों रजनीश, अनुभव और युगांश संग पार्टी में आया था।

पार्टी में देर रात्रि न्यू ईयर जश्न के दौरान डीजे पर युवक युवती झूम रहे थे। इस दौरान अभिषेक से एक दूसरे युवक को धक्का लग गया। नशे में धुत्त युवक ने धक्के को लेकर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान दबंग ने चाकू से अभिषेक के सीने पर कई वार कर दिए। जिससे वह खून से लथपथ लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि रात में हुई इस घटना की जानकारी सुबह परिजन द्वारा पुलिस को मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर हमलावर की तलाश की जा रही है।

केजीएमयू के रेजिडेंट की गिरफ्तारी को वारंट जारी

- पीड़ित महिला रेजिडेंट के दर्ज किए गए कलमबंद बयान
- चौक पुलिस व सर्विलांस समेत पांच टीमें गिरफ्तारी को लगीं

अमृत विचार Follow UP

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केजीएमयू में महिला रेजिडेंट से यौन शोषण व मतांतरण का दबाव बनाने वाले आरोपी जूनियर रेजिडेंट डा. रमीज उद्दीन नायक के खिलाफ गुरुवार को गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी पर इनाम घोषित कर दिया जाएगा। वहीं, पुलिस ने पीड़िता के मजिस्ट्रेट के सामने कलमबंद बयान दर्ज करा दिए हैं।

पीड़िता के बयान का अवलोकन करने के बाद पुलिस की पांच टीमें आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। आरोपी का कुछ पता न चलने पर केजीएमयू को नोटिस जारी की गई थी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद की स्वीकृति से डीन एकेडमिक्स प्रो. वीरेंद्र आतम ने निलंबित करने के दौरान डाक्टर को मुख्यालय में रहकर सहयोग करने के लिए कहा था, लेकिन बिना किसी को जानकारी दिए वह फरार हो गया। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि लापरवाही जानने के लिए केजीएमयू को नोटिस जारी की गई है।पुलिस सूत्रों ने बताया कि रमीज पर सप्ताह के आखिर तक इनाम घोषित कर दिया जाएगा। गिरफ्तारी न होने के कारण रमीज की संपत्ति को चिन्हित किया गया है।

चंद्रिका देवी मंदिर में लगी भक्तों की लाइन।

चंद्रिका देवी के दर्शन को उमड़ी भीड़

- सुबह चार बजे से ही लग गई थीं लंबी-लंबी लाइनें

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : नव वर्ष के पहले दिन कठवारा गांव स्थित चंद्रिका देवी मंदिर में हजारों भक्तों ने दर्शन कर मां से नया वर्ष मंगलमयी होने की कामना की। मंदिर कमेंटी और मेला कमेटी ने दो लाख से अधिक भक्तों ने मंदिर पहुंचने का दावा किया है।

मंदिर के पुजारी नरेश सैनी ने बताया कि गुरुवार सुबह 4 बजे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए थे। उसी समय भी मंदिर के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी थीं। दोपहर में भीड़ और बढ़ गई। शाम तक दर्शन और पूजन का सिलसिला चलता रहा।

मेला कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश सिंह चौहान ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक भक्त दर्शन पहुंचे। दोपहर में अच्छी धूप निकलने से आसपास के भक्तों की संख्या और बढ़ गई। भक्तों की भीड़ के कारण दिन भर लंबा जाम भी लगा रहा। जाम के कारण दूर से आए भक्त गांवों और जंगलों में वाहन खड़ा कर बड़ी संख्या में भक्त पैदल ही मंदिर तक पहुंचे। मेला कमेटी के ओर से मंदिर परिसर में तहरी भोज का आयोजन भी किया गया। इसमें भक्तों ने प्रसाद चखा।

महिला का मकान बेचने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर: महिला का मकान धोखाधड़ी से बेचने के आरोप में बिजनौर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी अतुल कुमार अवस्थी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फर्जीवाड़े में एक महिला को पूर्व में जेल भेज चुकी है।इंस्पेक्टर कपिल गौतम ने बताया कि राजाजीपुरम निवासी विकेशिका अवस्थी ने 10 अगस्त को बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रायबरेली रोड स्थित आराधना उद्यान निवासी सचिन सचदेवा, अमित सचदेवा, आशियाना थाना क्षेत्र के एलडीए कॉलोनी निवासी अतुल कुमार अवस्थी ने एक अज्ञात महिला की मिलीभगत कर उसका आशियाना के रक्षा खंड, शारदा नगर स्थित मकान फर्जी तरीके से बेच दिया। रजिस्ट्री 30 अप्रैल 2025 को सरोजनी नगर उपनिबंधक कार्यालय में कराई गई।

ट्रॉफी और प्रमाणपत्रों के साथ क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता जीसीआरजी टीम के खिलाड़ी।

क्रिकेट में जीसीआरजी टीम बनी विजेता

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार,: बख्शी का तालाब क्षेत्र के कठवारा गांव में हुई केदारनाथ सिंह की स्मृति क्रिकेट प्रतियोगीता में जीसीआरजी स्कूल की टीम चैंपियन बनी। फाइनल मेच में उसने विवेकानंद मॉडर्न अकादमी को हराया। 5 मैचों में छह विकेट और 162 रन बनाने वाले जावेद अंसारी को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। विवेकानंद मॉडर्न अकादमी ने प्रतियोगिता का आयोजन कराया। जिसमें पांच स्कूलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी अभिजीत सिन्हा, जीसीआरजी के संस्थापक ओमकार यादव और विवेकानंद मॉर्डन एकेडमी के संचालक उमेश कुमार सिंह मौजूद रहे।

गोसाईगंज के लाला महादेव महाविद्यालय में प्रतिभागी को सम्मानित करते एनसीसी के प्रमुख ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव।

ग्रुप कमांडर ने किया कैंप का निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : सीएटीसी-230 कैंप गोसाईगंज के लाला महादेव महाविद्यालय में लगाए गए कैंप का गुरुवार को एनसीसी के प्रमुख ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण करते हुए कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया और विकसित भारत <bha>@</bha>2047 थीम पर आयोजित रंगोली, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का जजमेंट करके प्रशंसा की। मुस्कान खत्री व उनके ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और कैडेट महक एवं कैडेट पलक ने रैयामिक योग की प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्रबंधक अंबिका प्रसाद वर्मा ने भी संगीत प्रस्तुत किया।

कैंप कमांडेंट कर्नल दिनेश कुमार पाठक व डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल कविता रामपुत्रा के साथ सूबेदार मेजर बाल बहादुर राणा, सूबेदार मेजर ओम प्रकाश यादव, कैंप एजुडेंट लेफ्टिनेंट प्रतिमा शर्मा, लेफ्टिनेंट स्तुति बाजपेई, सहित लगभग 20 पी-1 स्टाफ, सिविल स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

होटल की मैनेजर के बाल खींचकर पीटा, रुपये लूटे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विभूतिखंड स्थित एक होटल की महिला मैनेजर से विवाद के बाद कुछ लोगों ने जमकर पीटा। बाल पकड़कर खींचे और फिर जमीन पर गिराकर छेड़छाड़ की। पीड़िता ने हमलावरों पर 22 हजार लूटने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने एक नामजद समेत 26 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीड़िता द्वारा दी गयी तहरीर में बताया कि वह 20 दिसंबर को होटल में थी। इस बीच सुबह करीब 10 बजे अलीगंज कपूरथला निवासी अवनीश जायसवाल 20-25 साथियों के साथ होटल पहुंचे। उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। कर्मचारियों पर होटल खाली करने का दबाव बनाने लगे। पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करने की कोशिश की तो आरोपियों ने मोबाइल छीन लिया। रिसेप्शन पर लगा फोन पटक दिया। मारपीट करते हुए बाल पकड़कर खींचा। विरोध पर छेड़छाड़ करते हुए कैश काउंटर में रखे 22 हजार रुपये लूट लिए। होटल मालिक को भी धमकी दी। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में दो टीमें दबिश दे रही हैं।

आयोजन

लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने किया पैरामेडिकल स्टॉफ को संबोधित

संस्थान की पहचान कर्मियों की निष्ठा से : निदेशक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल पेशा मानवता और समाज की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। किसी भी संस्थान की पहचान केवल भव्य भवनों या आधुनिक संरचना से नहीं होता। बल्कि वहां के कर्मचारियों की निष्ठा, समर्पण और सेवाभाव से होता है। वहीं संस्थान को जीवंत रखता है। यह बातें लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कही।

यूट्यूब चैनल लॉन्च

- संस्थान ने अपना अधिकारिक यूट्यूब चैनल भी लांच किया। इसका उद्घाटन निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने किया। यूट्यूब चैनल पर निदेशक का संबोधन अपलोड किया गया। इस चैनल के माध्यम से आमजन को संस्थान से संबंधित सामान्य जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक विषयों एवं व्याख्यानों को साझा किया जाएगा, जिससे मेडिकल छात्रों को अपने ज्ञानवर्धन में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में डॉ. श्रीकेस सिंह, सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह समेत अन्य डॉक्टर मौजूद रहे।

संस्थान के प्रेक्षागृह में गुरुवार को निदेशक डॉ. सीएम सिंह डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को संबोधित किया। उन्होंने संस्थागत कार्य संस्कृति के सुदृढ़ क्रियान्वयन पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज भले ही स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सामान्य हो, लेकिन मरीज के लिए अस्पताल में बिताया गया समय जीवन भर का अनुभव बन जाता है।

ऐसे में मरीजों के प्रति व्यवहार, संवेदनशीलता और इलाज की गुणवत्ता ही उनके अच्छे या बुरे अनुभव का आधार बनती है। डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि संकाय सदस्यों से ही संस्थान की प्रगति होती है। नए संकाय सदस्यों से शोध कार्यों में सक्रिय सहभागिता करने, बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं प्राप्त करने तथा शोध गतिविधियों को सुदृढ़ करने को कहा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रॉमा में शुरुआती जांचें होंगी मुफ्त

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती मरीजों की शुरुआती पैथोलॉजी जांचें मुफ्त होंगी। इसमें रेडियोलॉजी व पैथोलॉजी की जांचें भी शामिल हैं। सबकुछ ठीकठाक रहा तो जनवरी के अंत तक मरीजों को मुफ्त जांच की सुविधा मिल सकती है। इसे लेकर केजीएमयू प्रशासन ने पांच सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। ट्रॉमा सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि कमेटी मरीजों की संख्या, जांच पर आने वाला खर्च व दूसरे संसाधनों का आकलन कर रही है।

रबी फसलों में रोग का खतरा बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में तापमान में लगातार गिरावट और आर्द्रता में वृद्धि के चलते रबी फसलों में कीट एवं रोगों के प्रकोप की संभावना बढ़ गई है। राजधानी के जिला कृषि रक्षा अधिकारी महेश चन्द्र ने किसानों को सतर्क रहने और समय रहते बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी गुरुवार को किसानों को उत्तम खेती से अधिक आय अर्जित करने के संबन्ध में आयोजित कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे। ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यशाला में उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती वाले खरपतवार जैसे गुल्ली डंडा, जंगली जई, बथुआ और हिरनखुरी की समस्या देखी जा रही है। इनके नियंत्रण के लिए प्रथम सिंचाई के 25-30 दिन बाद अनुशंसित खरपतवारनाशकों का छिड़काव करना चाहिए।

संस्कृत बोर्ड परीक्षाएं 19 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ने संस्कृत बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारणी जारी कर दी है। परीक्षाएं 19 फरवरी से 28 फरवरी तक दो पालियों में होंगी। पूर्व मध्यमा द्वितीय से उत्तर मध्यमा द्वितीय तक की कक्षाओं के 56 हजार से अधिक छात्र 1102 विद्यालयों से शामिल होंगे। लगभग 250 परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। 22 फरवरी को रविवार होने के कारण उस दिन कोई परीक्षा नहीं होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

प्रदेशीय सीनियर जूडो टीम घोषित

अमृत विचार, अयोध्या : उप्र खेल निदेशालय के तत्वावधान में चार से छह जनवरी तक आगरा में होने वाली प्रदेशीय समन्वय सीनियर महिला व पुरुष जूडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली मंडलीय टीम गुरुवार को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना की ओर से घोषित कर दी गई।

गंगा एक्सप्रेस-वे को फरवरी तक पूरा करें : मुख्य सचिव

प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक में दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल ने परियोजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग और समयबद्ध पूर्णता को प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। कहा कि हर हाल में फरवरी तक गंगा एक्सप्रेस-वे को पूरा करें।

वे गुरुवार को प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रहे थे। बैठक में गंगा एक्सप्रेस-वे, उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी), बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडा), मेडिकल डिवाइस पार्क-गौतमबुद्ध नगर और फार्मा पार्क-ललितपुर परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं प्रदेश

- भूमि अधिग्रहण तेज करने समेत मेडिकल डिवाइस पार्क व फार्मा पार्क की समयबद्धता-गुणवत्ता पर जोर

के औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की धुरी हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने शेष कार्यों को 15 फरवरी 2025 से पहले पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एक्सप्रेस-वे के कुल 1497 स्ट्रक्चर (मेजर ब्रिज, आरओबी, माइनर ब्रिज, फ्लाईओवर आदि) का निर्माण पूरा हो चुका है। 578.03 किमी कैरिज-वे में से 567.53 किमी कार्य पूर्ण है, जबकि शेष कार्य 31 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। सर्विस रोड 730.850 किमी में से 547.478 किमी पूर्ण हो चुकी है और अर्थवर्क पूरा है। वे-साइड एमेनिटीज और स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सहित शेष कार्य 15 फरवरी तक पूरे होंगे।

यूपीडीआईसी के लिए 5136.31 हेक्टेयर के सापेक्ष 4304.79 हेक्टेयर (83.8%) भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। कॉरिडोर में 62 उद्योगों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जबकि 113 उद्योगों के लिए प्रक्रिया चल रही है। 15 उद्योगों ने सेटअप शुरू कर दिया है और 9 उद्योग उत्पादन में आ चुके हैं। बीडा के तहत शेष भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने, बीडा महायोजना-2045 के जोनल व सेक्टर प्लानिंग कार्य 31 मार्च 2025 तक पूरा करने, एक्टिवेशन एरिया में जल व विद्युत आपूर्ति के वर्क ऑर्डर इसी माह जारी करने और 60 मीटर आर्टिरियल रोड का निर्माण शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए गए।

प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल। अमृत विचार

मुख्यमंत्री योगी से मिलने को लगी रही कतार

नए साल पर मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, संगठनों और अधिकारियों ने की भेंट

नव वर्ष पर मुख्यमंत्री योगी से उनके आवास पर भेंट करते मंत्री जयवीर सिंह।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान उन्हें मूर्ति भेंट करते मंत्री नंद गोपाल नंदी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नए साल के पहले ही दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट करने वालों की लंबी कतार देखने को मिली। प्रदेश सरकार के कई कैबिनेट व राज्य मंत्री, विधायक, पूर्व सांसद, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थानों के पदाधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', राकेश सचान, सूर्य प्रताप शाही, धर्मपाल सिंह और जयवीर सिंह शामिल रहे। राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने भी मुख्यमंत्री से भेंट की। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, प्रयागराज पश्चिमी से विधायक एवं पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, पूर्व सांसद रीना चौधरी और आरके सिंह पटेल ने भी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, श्रावस्ती से विधायक राम फेरन पाण्डेय, फतेहपुर के अयाह शाह से विधायक विकास गुप्ता तथा भदोही के जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

संगठनात्मक गतिविधियों से अवगत कराया

वनवासी कल्याण आश्रम, उत्तर प्रदेश के सह संगठन मंत्री आनंद, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य दिनेश त्रिपाठी एवं प्रचार प्रमुख शार्दूल विक्रम हीरेश ने मुख्यमंत्री से भेंट कर संगठनात्मक गतिविधियों से अवगत कराया।

प्रशासनिक व संस्थागत प्रतिनिधियों ने भी की भेंट

आईसीएआर-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली के कुलपति एवं निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त, लखनऊ विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के सचिव इन्द्र विक्रम सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की।

नववर्ष के अवसर पर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करते डीजीपी राजीव कृष्ण।

बहराइच के एसबीआई मैनेजर ने सरयू नदी में कूदकर दी जान

- पहले मां से फोन पर की बात, फिर पत्नी को भेजी थी लास्ट लोकेशन
- 8 घंटे बाद मिला शव, पीठ पर टंगे बैग में मिले कागजात से हुई पहचान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : बहराइच में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर के पद पर तैनात एक व्यक्ति ने पहले मां से फोन पर बात की, उसके बाद पत्नी को मोबाइल की लास्ट लोकेशन भेजी। इसके बाद नदी में छलांग लगा दी। घटना अयोध्या सरयू तट पर बुधवार की दोपहर 12 बजे की है। रेस्क्यू कर रही टीम ने रात करीब आठ बजे शव नदी से बरामद किया। पुलिस के अनुसार मृतक बीमारी के चलते अवसाद में था।

बुधवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के उत्सव के चलते सरयू पुल पर भी भीड़ थी। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें नदी में कूदते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद जल पुलिस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू शुरू किया। रात करीब 8 बजे मैनेजर का शव मिला। पीठ पर टंगे पिट्ठू बैग में मिले कागजों से उनकी शिनाख्त राम बाबू सोनी (38) पुत्र स्व विश्वनाथ सोनी निवासी मनकापुर जनपद गोंडा के रूप में हुई। वह बहराइच जनपद में एसबीआई में ब्रांच मैनेजर के पद पर तैनात थे। पुलिस के अनुसार वह जूते-मौजे पहने हुए थे। बैग से मोबाइल फोन, ढेर सारी दवाएं

रामबाबू सोनी

व कागजात भी मिले। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंचे परिवार के लोगों ने बताया कि वह 31 दिसंबर को बैंक नहीं गए थे। सुबह घर से दवा लेने के लिए अयोध्या निकले थे। दोपहर करीब 12 बजे उन्होंने मां शोभा देवी से फोन पर बात की। फिर पत्नी को लास्ट लोकेशन भेजी। इसके बाद फोन स्विच ऑफ करके नदी में कूद गए। छोटे भाई ओम बाबू ने बताया उन्हें सिरदर्द रहता था। वह दवा भी खाते थे। बुधवार को घर से दवा लेने की बात कहकर निकले थे।

15 दिसंबर को मनाया था 38वां जन्मदिन

मृतक रामबाबू की 2011 में सिद्धार्थ नगर जिले के बांसी की निवासी ऐश्वर्या लक्ष्मी से विवाह हुआ था। उनकी दो बेटियां हैं, बड़ी बेटी ओजस्वी (13) व छोटी बेटी अन्वी (10) है। पत्नी गृहणी हैं। पत्नी ने बताया कि 15 दिसंबर को उन्होंने परिवार के साथ अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। पिता विश्वनाथ सोनी की 2001 में मौत हो गई थी। भाई ने बताया उन्हें पहली पोस्टिंग असम एसबीआई में फील्ड अफसर के पद पर हुई थी। उसके बाद यूपी में ट्रांसफर करा लिया था। पहले बस्ती में आरबीओ थे। 25 दिन पहले ही बहराइच में ट्रांसफर हुआ था। बैग में मोबाइल फोन व ढेर सारी दवाइयां भी मिली हैं। उनके परिवारवालों के अनुसार बीमारी के चलते वह अवसाद में थे। परिवार में कोई तनाव भी नहीं था। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवारवालों को सौंप दिया गया है।

- पंकज सिंह, कोतवाल अयोध्या

पूर्व सांसद धनंजय सिंह और ब्लॉक प्रमुख पति के दर्ज होंगे बयान

पुलिस जारी करेगी नोटिस, पुलिस ने एलडीए से किया संपर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अहिमामऊ स्वास्तिका सिटी में जमीन कब्जे के लिए, दीवार खड़ी कर रास्ता कब्जाने के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस पूर्व सांसद धनंजय सिंह और जौनपुर के ब्लाक प्रमुख पति विनय सिंह को नोटिस जारी करेगी। बयान होने के बाद ही पुलिस सोसाइटी के अन्य प्लाटों की भी पैमाइश पुलिस कराएगी। पुलिस ने कब्जेदारों के बारे में जानकारी करने के लिए एलडीए से भी संपर्क किया है। पुलिस पूर्व सांसद धनंजय

- स्वास्तिका सिटी में जमीन कब्जे का मामला

सिंह की भूमिका की जांच कर रही है। आरोपी विनय सिंह की कॉल डिटेल्स आने के बाद स्थिति और साफ हो पाएगी।

पुलिस ने ब्लाक प्रमुख पति विनय सिंह के गनर के बारे में भी जांच कर रही है। इस संबंध जौनपुर जिला प्रशासन और पुलिस को पत्राचार किया है। यह पुष्टि की जा रही है कि विनय सिंह जो गनर लेकर चल रहे थे वह उनकी पत्नी मांडवी सिंह का है या उन्हें मिला है। अगर पत्नी का गनर है तो उसे साथ क्यों था? अगर विनय सिंह को जारी हुआ तो किस कारण से? पुलिस सीसी फुटेज और वायरल वीडियो से बवाल के दौरान गनर की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अगर गनर की भूमिका मिली तो उसके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई भी की जाएगी। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के आदेश के बाद पुलिस लगातार गश्त कर रही है। ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो सके। इसके साथ ही दीवार का निर्माण कार्य बंद है।

चारबाग के होटलों की चेकिंग में मिली लापरवाही, 10 के लाइसेंस होंगे रद

अमृत विचार, लखनऊ: चारबाग इलाके में गुरुवार को 80 से ज्यादा होटल की चेकिंग की गई। जांच के दौरान 15 होटलों में बड़ी लापरवाही मिली है। उक्त होटलों को नोटिस जारी की गई। वहीं, दस होटल में नियम पूरे नहीं होने पर उनका लाइसेंस रद करने के लिए पत्राचार करने की तैयारी नाका पुलिस ने कर ली है।

डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि 80 से अधिक होटलों की जांच की गई। होटलों में लगे सीसीटीवी कैमरों और एंट्री रजिस्टर को देखा गया। इस दौरान करीब 15 से अधिक ऐसे होटल मिले, जहां न तो रजिस्टर में इंट्री थी और कैमरे लगे

मानकों को दरकिनार कर चारबाग में चलाए जा रहे होटल। अमृत विचार

हुए थे। इसके चलते पुलिस ने होटल मालिक को नोटिस जारी किया। वहीं, दस होटल ऐसे भी पाए गए, जहां किसी भी तरह के मानक संबंधी कोई इंतजाम नहीं थे। ऐसे में इनका रजिस्ट्रेशन रद करने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान डीसीपी मध्य विक्रांत वीर, एडीसीपी पश्चिम धनंजय कुशवाहा समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बड़ा फेरबदल : 21 आईएएस अफसरों को नई तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 21 आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव कर दिया है। इसमें सचिव से प्रमुख सचिव और विशेष सचिव से सचिव पद पर पदोन्नत हुए अधिकारियों को भी नई तैनाती दी गई है। शासनादेश के अनुसार यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

शासन के मुताबिक अपर्णा यू को सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा के पद से हटाकर प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग बनाया गया है। वहीं एसवीएस रंगाराव को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद एवं निदेशक भूमि

- पदोन्नति पाने वालों में प्रमुख सचिव व सचिव को भी मिली नई जिम्मेदारी

अध्याप्ति के पद से प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय, राष्ट्रीय एकीकरण तथा सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

इसी क्रम में अखंड प्रताप सिंह को विशेष सचिव निर्वाचन आयोग से सचिव, निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश बनाया गया है। नेहा शर्मा को प्रभारी महानिरीक्षक निबंधन से महानिरीक्षक निबंधन नियुक्त किया गया है। मोनिका रानी को प्रभारी महानिदेशक स्कूल शिक्षा से महानिदेशक, स्कूल शिक्षा बनाया गया है। योगेश कुमार को प्रभारी आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समितियां से आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता बनाया गया है।

डॉ. सारिका मोहन को सचिव, वित्त विभाग से सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा नियुक्त किया गया है। नवीन कुमार जीएस को सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग से सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद एवं निदेशक भूमि अध्याप्ति बनाया गया है। इसके अलावा भवानी सिंह खंगारोत को विशेष सचिव, राजस्व परिषद से सचिव, वित्त विभाग और अरुण प्रकाश को विशेष सचिव, नगर विकास से विशेष सचिव, राजस्व विभाग नियुक्त किया गया है। रविंद्र कुमार प्रथम को विशेष सचिव कृषि विभाग से सचिव, नगर विकास, राज्य मिशन निदेशक (अमृत) तथा प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) बनाया गया है।

शासनादेश के अनुसार, दिव्य प्रकाश गिरी को विशेष सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति से सचिव, लोक निर्माण विभाग, कृष्ण कुमार को विशेष सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन से सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग और सुधा वर्मा को विशेष सचिव महिला कल्याण से सचिव, राजस्व विभाग बनाया गया है। रेनू तिवारी को सचिव, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग से विशेष सचिव, महिला कल्याण एवं सचिव, राज्य महिला आयोग नियुक्त किया गया है। राजेंद्र सिंह द्वितीय को विशेष सचिव समाज कल्याण के पद पर रहते हुए सचिव, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह संजीव सिंह को विशेष सचिव वित्त से निदेशक, समाज कल्याण एवं प्रबंध निदेशक, यूपी सिडको, डॉ. वंदना वर्मा को निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण से निदेशक, महिला कल्याण एवं प्रबंध निदेशक, महिला कल्याण निगम बनाया गया है।

उमेश प्रताप सिंह को विशेष सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण के पद पर रहते हुए निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं प्रबंध निदेशक पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा कुमार प्रशांत को निदेशक समाज कल्याण से सचिव, गृह विभाग तथा संदीप कौर को निदेशक महिला कल्याण से सचिव, वित्त विभाग नियुक्त किया गया है।

बढ़ते कदम

900 मेगावाट क्षमता और 8 डेटा सेंटर पार्क का विजन, निवेशकों का भरोसा बढ़ा

डेटा सेंटर नीति से यूपी बना डिजिटल निवेश का नया ठिकाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार की डेटा सेंटर नीति ने प्रदेश को देश के तेजी से उभरते डिजिटल हब के रूप में स्थापित कर दिया है। दूरदर्शी और निवेश अनुकूल नीतियों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश डिजिटल आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। संशोधित नीति के तहत अब तीन के स्थान पर आठ डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही लगभग 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है।

- 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश को मंजूरी, 6 डेटा सेंटर पार्क भी स्वीकृत

प्रदेश सरकार ने जनवरी 2021 में डेटा सेंटर नीति को अधिसूचित किया था। इस नीति का उद्देश्य निजी क्षेत्र की भागीदारी से आधुनिक डेटा सेंटर पार्कों का विकास करना और आईटी व डिजिटल सेवाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करना था। प्रारंभिक चरण में तीन डेटा सेंटर पार्क और 250 मेगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसे सरकार ने पहले ही वर्ष में प्राप्त कर लिया। लक्ष्यों की समय से पहले प्राप्ति के बाद सरकार ने नीति को और अधिक व्यावहारिक व निवेश अनुकूल बनाते हुए इसमें संशोधन किया। संशोधित नीति के तहत अब तीन के स्थान पर आठ डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही लगभग 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है।

निवेश के लिए सुरक्षित बना प्रदेश

योगी सरकार की स्पष्ट नीति, पारदर्शी शासन व्यवस्था और मजबूत कानून-व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को निवेशकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद गंतव्य बनाया है। पूंजी और अत्याधुनिक तकनीक आधारित डेटा सेंटर सेक्टर में बढ़ता निवेश इस बात का प्रमाण है कि सरकारी नीतियां प्रभावी ढंग से जमीन पर उतर रही हैं।

ग्लोबल मंच पर दिखी निवेश क्षमता

फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने प्रदेश की निवेश क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। समिट के दौरान 1,36,124 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं के लिए 29 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसे नई अर्थव्यवस्था और डिजिटल भविष्य की ओर उत्तर प्रदेश का मजबूत कदम माना जा रहा है।

प्रदेश में अब तक करीब 21,343 करोड़ रुपये के निवेश को स्वीकृति दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत 6 डेटा सेंटर पार्क और 40 मेगावाट से कम क्षमता वाली 2 डेटा सेंटर इकाइयों को मंजूरी मिली है। इनमें से 7 परियोजनाएं पूरी तरह संचालित हो चुकी हैं, जिससे प्रदेश की डिजिटल क्षमता और डेटा होस्टिंग सामर्थ्य को नई मजबूती मिली है।

गांव-गांव पहुंचेगी मॉडर्न फार्मिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में खेती की तस्वीर अब तेजी से बदलने जा रही है। 26,373 कृषि आजीविका सखियां योगी सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए गांव-गांव सक्रिय हो चुकी हैं। ये सखियां न सिर्फ किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ रही हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और कृषि सुधार को एक साथ आगे बढ़ाते हुए प्रदेश को आत्मनिर्भर कृषि मॉडल की दिशा में ले जा रही हैं।

प्रदेश के 75 जिलों के 826 विकास खंडों में कार्यरत कृषि आजीविका सखियां किसानों को पारंपरिक खेती से निकालकर

- 26 हजार कृषि आजीविका सखियां बदल रहीं खेती के तरीके
- 75 जिलों के 826 ब्लाकों में महिलाएं सीख रहीं आधुनिक खेती

वैज्ञानिक, टिकाऊ और कम लागत वाली खेती के तौर-तरीकों से परिचित करा रही हैं। मिट्टी की जांच, जैविक खाद निर्माण, प्राकृतिक कीट नियंत्रण और उन्नत बीज चयन जैसी तकनीकों के जरिए उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने पर जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब सिर्फ फसल उत्पादन ही नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण पशुपालन, मुर्गी पालन और बकरी पालन जैसे वैकल्पिक आजीविका साधनों को भी मजबूती दी जा रही है। इससे किसानों की आमदनी के स्रोत बढ़ रहे हैं और वे आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन रहे हैं।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन के अनुसार, कृषि आजीविका सखियां खेत-खलिहानों में बदलाव की असली ताकत बन चुकी हैं। ये महिलाएं किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं से भी जोड़ रही हैं, ताकि लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचे।

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर नकदी व जेवर उड़ाए

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : चिलौकी में बुधवार की रात चोरों ने एक घर से नकदी व जेवरात चोरी कर लिए। राहुल कुमार ने बताया कि 30 दिसंबर की रात घर के सभी सदस्य सो रहे थे। इसी दौरान चोर कमरे में रखी अलमारी व बक्से से चेन, अंगूठी, मांगबेदी समेत काफी जेवर व 15 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। रात करीब ढाई बजे जब राहुल कुमार लघुशंका के लिए उठे तो कमरे में सामान बिखरा पड़ा देखकर घटना का पता चला। घटना की सूचना तत्काल पीआरवी को दी गई। सूचना पर पहुंची पीआरवी व स्थानीय पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया।

दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : समाजसेवी शौर्य प्रताप सिंह ने अपना जन्मदिन ग्रामोदय दिव्यांग स्कूल के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के बीच सादगी से मनाया। उन्होंने बच्चों को स्वेटर और मिठाई वितरित कर की। स्कूल के प्रबंधक देवी प्रसाद यादव और शिक्षकों ने उनकी सराहना की।

किशोरी बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : लोनीकटरा क्षेत्र के एक गांव से किशोरी को बहला फुसला कर भगा ले जाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया। एसओ अभय कुमार मौर्य ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव से एक सप्ताह पूर्व एक 17 वर्षीया लड़की को सज्जन अपने दोस्त हरिराम के सहयोग से ले गया था। पिता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद किशोरी बरामद कर मेडिकल के लिए भेज दिया, वहीं आरोपी दो युवकों को गुरुवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

एक ट्रक ने मारी टक्कर, फिर दूसरे ने मामा-भांजे को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वरूप नगर में जीटी रोड हैलट नहरिया के पास बाइक सवार मामा-भांजे को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। सड़क पर दोनों के गिरते पीछे से आए दूसरे ट्रक ने रौंद दिया। सूचना पर पुलिस ने हैलट पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मामा-भांजे बाइक से बेकरी का सामान लेने आए थे।

घाटमपुर के शीतलपुर भदरस निवासी 25 वर्षीय शिवाकांत अपने भांजे शिवली के कंजटी निवासी 27 वर्षीय शिवम के साथ बुधवार रात शहर आए थे। दोनों बाइक से जरीब चौकी जा रहे थे, तभी हैलट नहरिया के पास पीछे से आए ट्रक ने उनकी बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे। इसी बीच पीछे से आए दूसरे ट्रक ने दोनों को रौंद दिया। आसपास के दुकानदारों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हैलट भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शिवम के पिता छोटे लाल की मौत हो चुकी है। परिवार में मां सुनीता, भाई सत्यम व बहन सलोनी है।

2027 में सपा का सूपड़ा होगा साफ, भाजपा की लगेगी हैट्रिक

- राजपुर में लोकार्पण कार्यक्रम में बोले डिप्टी सीएम केशव मौर्य

संवाददाता, राजपुर, कानपुर देहात

अमृत विचारः उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा और पीडीए को परिवार डवलपमेंट एजेंसी पार्टी बताते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सपा सैफई के लिए प्रस्थान कर जाएगी। प्रदेश में भाजपा की लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद चार राज्यों में भाजपा का कमल खिल चुका है। पश्चिम बंगाल में कमल खिलने जा रहा है। कांग्रेस पार्टी को तुष्टिकरण करने वाली पार्टी बताते हुए भाजपा को गरीबवाद और विकासवाद

डिप्टी सीएम को गदा भेंट करते चेयरमैन अंशू त्रिपाठी। अमृत विचार

की पार्टी बताया। विकसित भारत और विकसित प्रदेश बनाने के लिए उन्होंने लोगों से एसआईआर में हिस्सा लेकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाकर 2027 में भाजपा सरकार बनाने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्या गुरुवार को राजपुर नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का लोकार्पण करने आये थे इस दौरान उन्होंने पंडित दीनदयाल आर्दश नगर पंचायत, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, अमृत .2 और वंदन योजना के तहत कराए साढ़े दस करोड़ के विकास कार्यों लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान गरीब निराश्रित लोगों को कंबल भी वितरण किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में राशन का भाषण देते थे राशन नहीं देते थे अपनी तिजोरियां भर लेते थे। केंद्र की मोदी सरकार ने समाज के हर तबके तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब देश की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभाली थी तब देश की अर्थव्यवस्था 11वे नंबर पर थी अब देश की अर्थव्यवस्था चौथे नंबर पर हो गई है।

दुनिया के चौथे सबसे अमीर देशों में भारत की गिनती हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा गरीबों का भला नही कर सकती है।

वृद्धा की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या

पांच साल पूर्व से था जमीनी विवाद, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुसाफिरखाना, अमेठी

अमृत विचार। पूरे मोहम्मद नवाज में जमीन विवाद के दौरान शिवपता की पिटाई से मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूरे मोहम्मद नवाज निवासी सुनीता कोरी के अनुसार बुधवार शाम करीब छह बजे जमीन को लेकर परिवार का गांव के कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर जयवर्धन कोरी और हर्षवर्धन कोरी के कहने पर गांव के ही एक

शिवपता। फाइल फोटो

व्यक्ति ने उनकी सास शिवपता पत्नी स्व. छोटेलाल को जमीन से संबंधित बातचीत के बहाने प्रधान के फार्म पर बुलाया। परिजनों ने वृद्ध महिला को वहां जाने से रोका लेकिन वह बातचीत करने के लिए निकल पड़ीं। सुनीता कोरी भी उनके साथ चल दीं। बताया गया कि जब दोनों रास्ते में केशवराम की दुकान से आगे कुछ दूरी पर पहुंचीं, तभी पहले से मौजूद लोगों ने लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से शिवपता पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वृद्ध महिला सड़क पर गिर पड़ीं। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुकी थीं।

हमले के बाद आरोपी मौके से चले गए। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर जिला चिकित्सालय गौरीगंज रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने घटना को पूर्व नियोजित बताते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाल प्रभारी विवेक सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है आरोपी के गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर दी गई है।

ट्रक की चपेट में आने से बालक की मौत

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली बिसवां क्षेत्र के बिसवां–सिधौली रोड पर दर्दनाक हादसा हो गया। सामने से आ रहे सीएनजी लदे ट्रक ने साइकिल सवार को कुचल दिया। हादसे में इलाके के जफराबाद निवासी बालक की मौत हो गई।

बिसवां कोतवाली क्षेत्र का जफराबाद निवासी आयुष (12) पुत्र कृष्णपाल घर से साइकिल लेकर निकला था। इसी दौरान अचानक ट्रक की चपेट में आ गया। हादसे में बालक की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर जमा भीड़ ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कृभको में नए राज्य प्रबंधक की नियुक्ति

कार्यभार ग्रहण करते राज्य प्रबंधक। • अमृत विचार

लखनऊ, अमृत विचार : कृषक भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है। श्री ऋषिपाल सिंह राठौर किसान परिवार ग्राम सांपला बेगमपुर जिला सहारनपुर से निकलकर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं।

प्रेम प्रसंग और नशे की लत में दो युवकों ने दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में पार्टी में डीजे लगाकर लौटे युवक ने घर पर आत्महत्या कर ली। शव फंदे से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं बिठूर में प्राइवेट कर्मी युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी।

सचेंड कस्बा निवासी विनोद पासवान का 28 वर्षीय बेटा आकाश शटरिंग का काम करने के साथ शादी-समारोह में डीजे भी लगाता था। परिवार में मा शिवदेवी, बड़ा भाई नीसू है। नीसू के अनुसार 31 दिसंबर की पार्टी में आकाश का डीजे बुक था। बुधवार शाम वह डीजे लगाकर घर लौट आया था। चाय पीने के बाद वह दूसरे कमरे में आराम करने चला गया। इसी बीच उसने गले में चादर बांधकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद परिजन कमरे में गए तो उसका शव लटका देखकर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा। पुलिस के अनुसार युवक का प्रेम प्रसंग था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है।

उधर, बिठूर के लवकुशनगर में 19 वर्षीय नितिन राजपूत ने फांसी लगाकर जान दे दी। नितिन के पिता सुधीर प्राइवेट नौकरी करते हैं।

पेड़ से लटका मिला युवती का शव

निन्दूरा, बाराबंकी

रहस्य गहराया

- परिजनों ने लगाया सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या का आरोप

अमृत विचार : घुंघटेर थाना क्षेत्र में खेत में लगे पेड़ से एक युवती का शव लटकता मिला। परिजनों का आरोप है कि युवती को घर से अगवा कर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इसके बाद आरोपियों ने घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव रस्सी के फंदे से लटका दिया। गुरुवार को शव मिलने की जगह भी अनहोनी का संकेत दे गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मृतका के पिता ने गांव के ही छह लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

घटना घुंघटेर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। गुरुवार की सुबह गांव से करीब सौ मीटर दूर एक खेत में लगे पेड़ से फंदे से एक युवती का शव लटका मिला। खबर मिलते ही युवती की तलाश कर रहे परिजन भी मौके पर पहुंच गए और शव की पहचान की। मौके से युवती की नाक का बूंदा व उसका मोबाइल गायब था। वहीं शरीर पर मिट्टी लगी होने के साथ ही जमीन की मिट्टी उथली थी। जिससे संघर्ष व यहां पहुंचकर शव लटकाने के संकेत मिले। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के अनुसार, बुधवार की रात युवती ने परिवारवालों को भोजन परोसा। इसके बाद उसने खुद भोजन किया। इसके बाद वह सो गई। रात में किसी समय वह लापता हो गयी। गुरुवार सुबह युवती की तलाश शुरू की तो उसका शव मिलने की खबर मिली। मृतका के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के ही छह लोगों ने उसकी पुत्री को अगवा करने के बाद रात भर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद अपराध छिपाने के लिए हत्या कर शव फंदे से लटका दिया। इस बारे में क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम कनौजिया ने बताया कि तहरीर मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

ममता हत्याकांड में कुल्हाड़ी समेत धरे गए दंपति

बाराबंकी, अमृत विचार : 17 दिन पहले बाराबंकी में हुए ममता हत्याकांड के बाद से छिपते फिर रहे मुख्य आरोपी दंपति आखिर पुलिस के हत्थे चढ़ ही गए। इनके पास से कुल्हाड़ी भी बरामद हुई, जिससे ममता की हत्या की गई थी। बताते चलें कि गत 15 दिसंबर को अपने प्रेमी से मिलने मसौली थाना क्षेत्र के कस्बा शहाबपुर आई ममता का शव रक्तरंजित दशा में दूसरे दिन सोमवार को प्रेमी के घर में मिला था। घर पर मिले प्रेमी संदीप ने परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया था। घटना के दूसरे दिन मृतका के भाई ने परिवार के सभी सदस्यों पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने मृतका के प्रेमी संदीप, उसकी चार बहनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जबकि संदीप के फरार पिता कमलेश कुमार व माता संतोष कुमारी की तलाश में जुट गई। घटना के 16 दिन बाद पुलिस को माता–पिता आखिर मिल ही गए। पुलिस ने इनके पास कुल्हाड़ी भी बरामद की और दोनों को जेल भेज दिया। ममता हत्याकांड के सभी आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। भले ही घटना के सभी पहलू सामने आ गए हों पर यह रहस्य अभी तक कायम है कि किन हालातों में हत्या की इस घटना को अंजाम देना पड़ा। एएसपी उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी का कहना है कि ममता हत्याकांड में घटनाक्रम स्पष्ट हो चुका है और सभी आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

सो रहे बच्चे पर जंगली बिल्ली ने किया हमला

हरदोई, अमृत विचार : दुधमुंहे बच्चे को बरामदे में सुला कर उसकी मां शौच चली गई, उसी बीच वहां पहुंची जंगली बिल्ली ने उसके ऊपर हमला कर दिया,बच्चे के चीखने की आवाज़ सुनकर उसकी मां दौड़ती हुई पहुंची और बिल्ली को भगाया, दुधमुंहे बच्चे के चेहरे पर ज़ख्म देखते ही वह चिल्लाने लगी,बच्चे को लखनऊ रिफर कर दिया गया है। जोगापुरवा निवासी आधार कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह आधार की पत्नी वंदना ने अपने दुधमुंहे बच्चे को दूध देने के बाद उसे सुला दिया। कुछ ही देर में उसे बच्चे के चीखने की आवाज़ सुनाई दी, वह पहुंची तो देखा जंगली बिल्ली बच्चे पर हमला कर रही थी।

500 कैमरे खंगाले, हत्थे चढ़ा लुटेरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : सीसामऊ पुलिस ने करीब 500 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद महिला सिपाही का पर्स लूटने वाले एक लुटेरे को दबोच लिया है। पुलिस की इस गिरफ्तारी में आपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरे भी मददगार साबित हुए। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्कूटी, महिला सिपाही का आधार व आई कार्ड आरोपी के कब्जे से बरामद किया है। आरोपी को जेल भेजने के बाद पुलिस उसके साथी की तलाश में जुटी है।

महिला थाने में तैनात कंप्यूटर आपरेटर पिंकी पाल 28 दिसंबर को ड्यूटी खत्म कर चमनगंज अपने आवास जा रही थी। रास्ते में प्रेमनगर स्कूल के पास स्कूटी सवार दो युवक सिपाही का पर्स लूटकर भाग निकले। पिंकी पाल के अनुसार पर्स में 10 हजार नकद, ब्लूटूथ डिवाइस व जरूरी कागजात थे। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर लुटेरों की तलाश में करीब 500 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। इस दौरान बुधवार देर रात प्रेमनगर चौराहा पर वाहन चेकिंग के दौरान कंघी मोहाल निवासी मारूफ को पकड़ा। पुलिस ने उसके पास से लूट में इस्तेमाल स्कूटी, महिला सिपाही का आधार व आई कार्ड बरामद किया। आरोपी ने लूट में शामिल आने साथी की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है। उस पर करीब पांच मुकदमे दर्ज है। आरोपी को जेल भेजने के बाद पुलिस उसके साथी की तलाश में जुटी है।

शराब उतरी तो फिर पीने के लिए की लूट

पुलिस के अनुसार आरोपी 27 दिसंबर की रात शराब पीकर घूम रहे थे। नशा कम होने पर फिर पीने की इच्छा हुई, लेकिन पास में रुपये नहीं थे। इस पर लूट की योजना बनाई। दोनों रातभर चमनगंज, बेकनगंज, मूलगंज में घूमते हुए घंटाघर पहुंचे जहां से एक महिला का पीछा किया और उस पर नजर रखते हुए सीसामऊ थाने तक पहुंचे। महिला फजलगंज की ओर मुड़ी तो दोनों लूट नहीं पाए। आरोपी पीरोड की तरफ मुड़ गए। इस दौरान लुटेरों को महिला सिपाही पीरोड पर आटो से उतरकर पैदल जाते दिखी। इस पर सिपाही का पीछा कर प्रेमनगर चौराहा के पास सन्नाटा पाकर पर्स लूट लिया।

विवाहिता की मौत हत्या का आरोप

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मनकापुर निवासी कय्यूम ने अपनी सगी बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला जनपद खीरी के थाना नीमगांव अंतर्गत ग्राम बेहजम का है, जहां विवाहिता की मौत के पीछे लगातार प्रताड़ना और दहेज की मांग को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। कय्यूम ने आरोप लगाया कि उसकी बहन तबस्सुम की शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग लगातार की जाती रही। परिवार का दावा है कि पति लुकमान, देवर मेहरबान, ननद रेशमा और बहनोई हारून मिलकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे।

सिटी डायरी

सम्मानित होते प्रबंधक हर्षित। अमृत विचार

रक्तदान में उत्कृष्टता के लिए मिला सम्मान

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नरौली गांव स्थित एसबीएस पब्लिक इंटर कालेज के प्रबंधक हर्षित राजकुमार सिंह को डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के ब्लड बैंक विभागाध्यक्ष डा. सुब्रत चंदा ने गुरुवार को सम्मानित किया। यह सम्मान हर साल अक्टूबर माह में रक्तदान के लिए दिया जाता है। हर्षित ने सम्मान मिलने पर डा. सुब्रत चंदा को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उनके छोटे भाई अमरेंद्र भी मौजूद रहे। इससे पहले यह सम्मान संस्था के संस्थापक स्व. अशोक कुमार सिंह को दिया जाता था।

ब्लॉक प्रमुख को जन्मदिन की बधाई देते समर्थक। अमृत विचार

धूमधाम से मना ब्लॉक प्रमुख का जन्मदिन

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : विकास खण्ड देवा के ब्लॉक रमुख धर्मेन्द्र सिंह यादव का जन्मदिन गुरुवार को क्षेत्र में उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। उन्होंने अपने जीवन के 52 वर्ष पूर्ण किए। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने केक काटकर ब्लॉक प्रमुख का जन्मदिन मनाया और फूल–मालाओं व बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रधान आनंद कुमार, शान बहादुर सिंह, पुष्पेंद्र यादव, देशराज सिंह सहित कई ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे। सभी ने ब्लॉक प्रमुख को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। ब्लॉक प्रमुख धर्मेन्द्र सिंह यादव ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया और विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

कंबल वितरित करते गौरीकांत दीक्षित। अमृत विचार

गायत्री यज्ञ में उमड़े श्रद्धालु

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : अमोली कला स्थित प्राचीन मतन ताल परिसर में गुरुवार को गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यज्ञ के उपरांत आयोजित भंडारे में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक गौरीकांत दीक्षित ने मानव सेवा को सर्वोपरि बताते हुए जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए, जिससे ठंड के मौसम में उन्हें राहत मिली। इसके साथ ही समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों और समाजसेवियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। धार्मिक आयोजन महंत अर्चना गिरी, जूना अखाड़ा के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

कलश यात्रा निकाली

मसौली, बाराबंकी : अमृत विचार : भूलीगंज स्थित मां शक्ति काली पीठ मंदिर में गुरुवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। शुरुआत कलश यात्रा से हुई, जो बाबा राम शरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर, मसौली बाजार दुर्गा मंदिर, शिव मंदिर, खरैला कुआं ज्वालामाई मंदिर होते हुए पुन: मां शक्ति काली पीठ मंदिर पहुंची। रसूलपुर से आए संत उदय दास और सहयोगी प्रीति यादव ने कथा स्थल पर कलश स्थापित किया।

कार्यक्रम

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ, डीएम-एसपी ने बाइक जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

नियमों के पालन से ही रुकेंगे सड़क हादसे : डीएम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को रोकने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर डीएम शशांक त्रिपाठी ने अधिकारियों, कर्मचारियों और उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन एवं सुरक्षित यात्रा की शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने कहा कि देश में प्रतिदिन सैकड़ों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर साल हजारों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इन

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते डीएम व एसपी। • अमृत विचार

हादसों को रोकने के लिए सरकार ने यातायात से जुड़े कई नियम बनाए हैं, जिनका पालन प्रत्येक वाहन चालक के लिए अनिवार्य है। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने संयुक्त रूप से बाइक जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों पटेल तिराहा, बस अड्डा, कंपनीबाग चौराहा,छाया चौराहा, नेवलेट तिराहा, लैया मंडी, धनोखर चौराहा, खोया मंडी और नाका सतरिख चौराहा होते हुए रामनगर तिराहा पर जाकर संपन्न हुई। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने कहा कि दूसरों की सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी अपनी। यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित घर लौटना ही असली समझदारी है। सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति किसी न किसी परिवार की उम्मीद होता है। सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को रोकने के लिए परिवहन एवं यातायात विभाग लगातार अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करेगा।

न्यूज ब्रीफ

सड़क सुरक्षा जागरूकता वैन को दिखाई हरी झण्डी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नये वर्ष शुभारम्भ पर गुरुवार को अपर जिलाधिकारी गौरव शुक्ला ने 05 सड़क सुरक्षा प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर परिवहन विभाग, पुलिस विभाग व अन्य स्टेकहोल्डर्स विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हेलमेट व सीटबेल्ट जागरूकता सम्बन्धित स्टीकर भी वाहनों पर लगाये गए तथा सड़क सुरक्षा शपथ भी दिलाई गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में नववर्ष के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बढ़नी और नौगढ़ में कुल 35 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर जांच की गई। इस दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने व मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न करने के लिए जागरूक किया गया।

बार भवन परिसर में अखंड रामायण पाठ

सिद्धार्थनगर। नव वर्ष के पावन अवसर पर आदर्श बार एसोसिएशन डुमरियागंज द्वारा गुरुवार को बार भवन परिसर में अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति के उपरांत आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा।

युवक की हत्या के बाद सांप्रदायिक तनाव

सामुदायिक विशेष के लोगों ने बुधवार को दिनदहाड़े चाकू घोंपकर की थी युवक की हत्या

संवाददाता कुशीनगर

चौराहे पर युवक का शव रखकर प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार: कसया थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक की चाकू घोंप कर हत्या के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम होकर आने पर अंतिम संस्कार करने से इनकार करते हुए नैका छपरा चौराहे पर शव रखकर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। लोग आरोपियों के घर पर बुलडोजर और एनकाउंटर की मांग करने लगे। विशेष समुदाय के लोगों द्वारा दिन दहाड़े हुई निशांत की हत्या ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है। बताया जाता है कि हत्यारों ने हत्या से पूर्व धार्मिक उन्माद के नारे भी लगाये। मौत के बाद परिवार और ग्रामीणों में गुस्सा भड़क गया। लोगों ने निशांत का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया और प्रदर्शन करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के बाद अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा व अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने सहित

- हत्यारोपियों का एनकाउंटर करने व बुलडोजर की कार्रवाई की मांग
- तनाव को देखते हुए 5 थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद समझाकर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1आरोपी नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी फैजल की तलाश में पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि पुरानी रंजिश के कारण यह हत्या हुई है। निशांत की मां और परिजनों ने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर व एनकाउंटर की मांग की। तनाव को देखते हुए 5 थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात की गई है। नैका छपरा अमरपुर गांव के रहने वाले संतोष सिंह के इकलौते बेटे 22 वर्षीय शक्तिमान की दिनदहाड़े हुई इस निर्मम हत्या से पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, हिंदूवादी नेता रामबचन सिंह, बंटी राय, जिले के तमाम संगठनों और सामाजिक लोगों ने जिला प्रशासन से सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद से गहमा गहमी का माहौल कायम है। लोगों ने कार्रवाई की मांग की है।

नये साल पर भारतीय पर्यटकों की पहली पसंद बना नेपाल

निज़ाम जिलानी, ककरहवा, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नये साल का आगमन होते ही देशभर में सैर-सपाटे की तैयारियां तेज़ हो जाती हैं। 2026 के स्वागत के साथ ही भारतीय पर्यटकों की पहली पसंद बनी नेपाल सीमित बजट, आसान यात्रा, सांस्कृतिक समानता और प्राकृतिक सौंदर्य इन सभी कारणों ने नेपाल को इस नववर्ष पर भारतीय यात्रियों के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बना दिया है। हिमालय की गोद में बसा यह देश अब सिर्फ धार्मिक या रोमांचकारी यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि आरामदायक रिसॉर्ट्स, और 'सॉफ्ट एडवेंचर' जैसे अनुभवों का आदान-प्रदान स्थल बन गया है। दिलचस्प बात ये है कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों के लोग खासतौर पर अब नेपाल को अपनी छुट्टियों की लिस्ट में टॉप पर रख रहे हैं और इसके पीछे कई खास वजह है।

बता दें, जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच नेपाल की यात्रा करने वाले पर्यटकों में भारतीय सैलानियों की संख्या सबसे अधिक रही है कुल 1.55 लाख यानी लगभग 23 प्रतिशत पर्यटक भारत से नेपाल पहुंचे हैं। इससे पहले साल 2024 में भी भारत नेपाल के लिए सबसे बड़ा टूरिज़्म मार्केट बना रहा, जब पूरे साल में कुल 11.47 लाख पर्यटक नेपाल पहुंचे, जिनमें से 3.17 लाख भारतीय थे।यह आंकड़ा 2023 की तुलना में सबसे ज्यादा था।

नेपाल की सुंदर पहाड़ियां मानो प्रकृति का सुंदर चित्र हैं। हिमालय की बर्फ़ से ढकी चोटियां, हरियाली, बादलों से बातें करते रास्ते यह सब मिलकर पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव कराता है। बुटवल, पालपा, पोखरा, नागरकोट और मुस्तांग जैसे स्थानों पर सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य नये साल की पहली सुबह को अविस्मरणीय बना देते हैं। शहरों की चकाचौंध से दूर, इन पहाड़ों में सुकून का एहसास मिलता है।

दंगल में नामी पहलवानों ने दिखाया दमखम

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

कोचरी में चल रहे विराट कुश्ती दंगल में आए पहलवानों का हाथ मिलवाकर कुश्ती का शुभारंभ करते धनघटा विधायक गणेश चंद्र चौहान व अन्य ।

अमृत विचार। धनघटा क्षेत्र के कोचरी गांव स्थित एक महाविद्यालय परिसर में गुरुवार को विराट कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में सैकड़ों पहलवानों ने अपने शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। इनमें कई इनामी कुश्तियां बराबरी पर छूटी। जबकि, दंगल में हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने कुश्ती के रोमांच का भरपूर आनंद लिया। स्थानीय पहलवानों के साथ-साथ गोरखपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, मिर्जापुर, फिरोजाबाद, गाजीपुर, दिल्ली और ग्वालियर सहित देश के विभिन्न जनपदों से आए नामी-गिरामी पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया।

दंगल से पूर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं कोचरी ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि महेन्द्र यादव ने अतिथियों का साफा बांधकर एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। दंगल की सबसे रोमांचक कुश्ती भारत केसरी दिल्ली के शमशाद पहलवान और ग्वालियर के जीतू पहलवान के बीच हुई। जिस पर आयोजकों द्वारा दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। करीब 15 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकल सका और रेफरी ने कुश्ती को बराबरी पर समाप्त घोषित किया। इसी तरह डेढ़ लाख रुपये की इनामी कुश्ती गाजीपुर के रितेश पहलवान और गुज्जर के भारत केसरी हरेंद्र पहलवान के बीच भी बराबरी पर रही।

ज्वेलरी शॉप में हुई लूट का आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के लोहरौली ठाकुरई बाजार स्थित ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े करीब ढाई लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को बंगाली रोड, लोहरौली के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, सोने के चार जोड़ी कान के झाले तथा एक बाइक बरामद की है। 31 दिसंबर को लोहरौली ठाकुरई बाजार निवासी मीना वर्मा पत्नी स्व. ओम प्रकाश वर्मा ने तहरीर दी थी। गुरुवार को पुलिस टीम ने बदमाश को को बंगाली रोड लोहरौली के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान दुधारा थाना क्षेत्र के ढोढ़या गांव निवासी परवेज के रूप में हुई है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता / टीआरडी / हजरतगंज, मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई निविदा सूचना संख्या	टीआरडी–20–सीनि० डी०ई०– लखनऊ–25
2.	कार्य का नाम	फाफामऊ स्टेशन पर लाइन संख्या 4 और 5 के दोनों सिरों पर ट्रैक और टर्न आउट में गड़बड़ी को ठीक करने के कारण ओएचई का संशोधन कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रू. 47,13,101.91
4.	बयाना राशि	रू. 94,300.00/-
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
6.	निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 23.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7.	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।
9.	पत्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: निविदाकर्ता अपने ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के **वैध** लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज / खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं०: टीआरडी–20–सीनि०डी०ई०–लखनऊ–25 दिनाँक 31.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 4036/25

डीआईजी ने एसपी का एसएसपी के पद पर पदोन्नति होने पर स्टार लगाया

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

एसपी से एसएसपी के पद पर पदोन्नत होने पर डॉ0 अभिषेक महाजन को स्टार लगाते डीआईजी रेंज बस्ती संजीव त्यागी।

अमृत विचार। नये बर्ष 2026 के शुभारम्भ में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन को उनके उत्कृष्ट सेवा एवं कार्यों के फलस्वरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस पदोन्नति के अवसर पर उपमहानिरीक्षक, परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय बस्ती पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन को एक अतिरिक्त स्टार श्वेत धातु लगाकर सम्मानित किया गया। वहीं उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी ने एसएसपी के उज्ज्वल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के पदोन्नत होने पर जिले के अधिकारियों ने बधाई दी है।

पुलिस ने नारी सुरक्षा सम्मान व स्वालम्बन की दी जानकारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। क्षेत्राधिकारी इटवा प्रवीन प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक इटवा रविन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति 5 .0 कार्यक्रम के तहत थाना इटवा मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के गलादेवी मंदिर मे जाकर लड़कियों और महिलाओं को एकत्रित करके मिशन शक्ति 5 .0 के सम्बन्ध में जाकर बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में जानकारी दी गई।

गुवाहाटी व हावड़ा के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली के रेल भवन में आयोजित बैठक में नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए घोषणा की कि असम के गुवाहाटी और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का संचालन शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का संपूर्ण परीक्षण, जांच और प्रमाणीकरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। जनवरी माह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मार्ग पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय रेल, राष्ट्र और रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वाहन की टक्कर से कारपेंटर की मौत, दो साथी घायल

जिला संवाददाता संतकबीरनगर

अमृत विचार। लखनऊ–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मीरगंज के पास गुरुवार शाम तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक कारपेंटर की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के औरंगाबाद गांव निवासी हरिश्चंद्र (26) पुत्र शिवपूजन, अभिनंदन (25) पुत्र ईश्वरी प्रसाद तथा उमिला (कांटे) गांव निवासी 30 वर्षीय अक्षय पुत्र रघुनाथ कारपेंटर का काम करते थे। गुरुवार को तीनों कांटे क्षेत्र में काम करने गए थे और शाम करीब चार बजे एक ही बाइक से लौट रहे थे। मीरगंज के पास हाईवे पर पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में हरिश्चंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अभिनंदन और अक्षय गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर कांटे चौकी इंचार्ज राम वशिष्ठ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खलीलाबाद ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में दोनों घायलों का उपचार जारी है।

अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचालन अब अयोध्या कैंट तक

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा 13 से 22 जनवरी, 2026 तक तक प्रतिदिन (16 जनवरी को छोड़कर) तथा अयोध्या धाम से 14 से 23 जनवरी तक प्रतिदिन (17 जनवरी को छोड़कर) 09 फेरों के लिये चलने के लिए पूर्व में अधिसूचित 05078/05077 गोंडा-अयोध्या धाम-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचालन अब अयोध्या कैंट तक किया जायेगा। 05078 गोंडा-अयोध्या कैंट अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 13 से 22 जनवरी तक गोंडा से 21.40 बजे प्रस्थान करेगी। अयोध्या धाम जं. से 23.45 बजे छूटकर दूसरे दिन अयोध्या कैंट 00.05 बजे पहुंचेगी। 05077 अयोध्या कैंट-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 14 से 23 जनवरी तक अयोध्या कैंट से 00.25 बजे प्रस्थान कर करेगी। मोतीगंज से 03.04 बजे तथा बरुआचक से 03.15 बजे छूटकर गोंडा 03.30 बजे पहुंचेगी। यह गाड़ी डेमू रेक से चलाई जायेगी।

रेलवे अधिकारियों ने नव वर्ष के पहले दिन किया पौधरोपण

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के नेतृत्व तथा प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंघल के मार्गदर्शन में विद्युत लोको शेड, गोरखपुर द्वारा नव वर्ष–2026 के पहले दिन शेड परिसर में पौधरोपण अभियान से हुई। अभियान के दौरान उप मुख्य इंजीनियर/लोको अजितेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर अरविंद कुमार राय, मण्डल विद्युत इंजीनियर जया द्विवेदी तथा मण्डल विद्युत इंजीनियर अभिषेक मिश्रा सहित रेल अधिकारियों, सुपरवाइजरो तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा कुल 180 पौधे लगाए

गए। जिसमें अशोक के 40, महोगनी के 55, कनेर के 40, नीम के 40 तथा जामुन के 5 पौधे सम्मिलित थे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम JAVED AHMAD से बदल कर MOHD JAVED AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: MAQBOOL AHMAD R/O: 255/ 210/1 KUNDRI RAKAB GANJ RAJENDRA NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH - 226004**

सूचना

मैं मो0 जाहिद पुत्र बाबू निवासी सदर बाजार निकट कोतवाली तहसील करनैलगंज जिला गोण्डा उ0प्र0 हाल पता ग्राम गेट नं 1. अवध एन्क्लेव, हरदोई रोड, दुबग्गा, काकोरी, लखनऊ, उ0प्र0 अपने सगे भाई मो0 सादिक से हर तरह का सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ उनके गलत आचरण के कारण मेरा व मेरे परिवार का उनसे कोई सम्बन्ध नहीं रहा।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम ANIL KUMAR था से बदलकर ANIL KUMAR YADAV रख लिया है। अब मुझे ANIL KUMAR YADAV के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NANHOO RAM YADAV ADD-295 GAHRU ANSHIK SAROJINI NAGAR DIST-LUCKNOW-226008 (U.P.)

सूचना

मैंने अपना नाम RAJENDRA से बदल कर RAJENDRA KUMAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: KANHAIYALAL, R/O:109 GODATOLA MAU UNNAO UTTAR PRADESH -241501

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD RIZVAN से बदलकर MOHD RIZWAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-AMEEN UDDEEM ADD-KASIMPUR POST-KATRA KASIMPUR DIST-FATEHPUR-212656(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम ISHITA GARG से बदलकर ISHITA ACHARYA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। D/0-VIJAY ACHARYA ADD-217 EMPIRE ESTATE 20 MALL AVENUE DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

मैं जन्नतुन निशा पत्नी स्व. असलम अली नि. ग्राम पियरी बिजलीपुर सोरांव,जनपद प्रयागराज व हाल पता– अत्तानगर कुंडा, थाना – कोतवाली कुंडा, पो – कुंडा, तहसील – कुंडा, जनपद – प्रतापगढ़,अपने पुत्र मो.दानिश सुत स्व.असलम अली व पुत्र वधू नगमा बानो पत्नी मो. दानिश मेरे कहने सुनने में नहीं है। प्रायः मनमानी करते रहते हैं, जिसका कार्य,व्यवहार एवं चाल–चलन ठीक नही है। प्रायः अनायास हैरानी व परेशान उठानी पड़ती है। जिससे कि मैं तंग हो कर पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रही हूँ। इनके द्वारा किए गए कर्ज, सामाजिक,आर्थिक अथवा किसी भी प्रकार के विवाद से हमारा कोई भी वास्ता नहीं रहेगा।

सूचना

मैं अपने द्वितीय पुत्र गुलसार अली को चाल चलन व कार्य व्यवहार ठीक ना होने के कारण अपनी स्वेच्छा से अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।अब मेरा गुलसार अली तथा उसके द्वारा किए गए अनैतिक कार्यो से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **लियाकत अली पुत्र जोखू निवासी ग्राम पोस्ट गैजहवा, थाना कोतवाली देहात, परगना तहसील व जिला बलरामपुर**

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य / उ.रे.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14233-SLR-F2-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14210-SLR-R1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**20402-SLR-F2-LKO-BSB-23-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14216-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14210-SLR-F2- LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**24204-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:20 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**24204-SLR-F1- LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**20402-SLR-R1- LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14216-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 13:00 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14231-SLR-F1- PYGS-BST-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 13:10 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**14233-SLR-R1-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 13:20 hrs.
नीलामी सूची सं. / लॉट सं.	**24204-SLR-F2-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14.01.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.01.2026 at 13:30 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**

4038/25 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उद्घाटन — चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को सजगता से ड्यूटी करने का सुझाव

रेलवे चिकित्सालय में आईसीयू का उद्घाटन

संवाददाता, गोरखपुर

ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय गोरखपुर में आईसीयू का उद्घाटन करते महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की उपस्थिति में मुख्य नर्सिंग अधीक्षक मंजू टोप्पो ने गुरुवार को ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में नवीनीकृत गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, चिकित्सा निदेशक ए.ए. खान, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। महाप्रबन्धक ने आईसीयू में लगे जीवन रक्षक उपकरणों का गहनता से अवलोकन किया। लिनेन की सफाई एवं मरीज के साथ परिचारक की सुविधा का ध्यान रखने हेतु सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिये। चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को सजगता के साथ ड्यूटी करने का सुझाव दिया।

सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल का कार्यभार ग्रहण किया

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के महानिरीक्षक- सत्य प्रकाश ने गुरुवार को सह–प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व, चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (सी.एल.डब्ल्यू.) में प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल के पद पर कार्यरत थे। श्री सत्य प्रकाश ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डी.यू.) से सांइस एवं विधि में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। सत्य प्रकाश ने वर्ष 1998 में रेल सेवा में पदार्पण किया। रेल प्रबन्धन का गहन अनुभव है तथा रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच लोकप्रिय हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

मेढर में पाकिस्तानी आतंकियों के आका की संपत्ति कुर्क

पुंछ/जम्मू। पुलिस ने पुंछ जिले के मेंढर इलाके में प्रतिबंधित संगठनों के आतंकी संचालक और लॉन्च कमांडर की अचल संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत की गई है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इसमें नक्का मझरी क्षेत्र के नार गांव में स्थित चार मरला और दो सरसाई कृषि भूमि शामिल है। यह जमीन इलाके के निवासी रफीक नाई उर्फ सुल्तान की है। वह पाकिस्तान से गतिविधियां चला रहा है। नाई प्रतिबंधित तहरीक–उल–मुजाहिदीन और जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स के हैंडलर और लॉन्च कमांडर के रूप में कार्य करता है। नौ आपराधिक मामलों के सिलसिले में उसकी तलाश है।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीये 868 वाहन चालकों के कटे चालान

नई दिल्ली। दिल्ली यातायात पुलिस ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर वाहन चलाने पर 868 चालान काटे है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पिछले साल शराब पीकर वाहन चलाने पर 556 चालान हुए थे। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए यातायात और पुलिस के 20,000 जवान तैनात किए गए थे। अधिकारी के अनुसार नशे व तेज रफ्तार वाहन चलाने, बाइक से करतब दिखाने और अन्य उल्लंघनों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख सड़कों, रात्रि आयोजन स्थलों और आवासीय इलाकों में विशेष प्रवर्तन दल तैनात किए गए थे।

लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह बीआरओ महानिदेशक बने

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने गुरुवार को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 29वें महानिदेशक का पदभार संभाल लिया। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह को जून 1991 में कोर ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन मिला था। तीन दशकों से अधिक के अपने विशिष्ट सैन्य कार्यकाल के दौरान उन्होंने विविध परिचालन परिस्थितियों में कमान, स्टाफ और नेतृत्व से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। संगठन के प्रवक्ता ने बताया कि महानिदेशक सीमा सड़क संगठन का पदभार संभालने से पहले वह एक वरिष्ठ नेतृत्व पद पर कार्यरत थे।

कुल्लू में कार ट्रक से टकराई, तीन महिलाओं समेत चार की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बृहस्पतिवार को एक खड़े ट्रक से एक गाड़ी के टकरा जाने के कारण तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बृहस्पतिवार को तड़के तीन बजे चारों दोस्त कुल्लू लौट रहे थे, तभी उनकी गाड़ी सड़क किनारे एक चबूतरे से टकराकर एक खड़े ट्रक से जा भिड़ी। पुलिस ने कहा कि वे नव वर्ष की पूर्व संध्या और स्थानीय टैटू कलाकार सतपाल का जन्मदिन मनाने के लिए कसोल आए थे।

ग्राहकों को इंसानों के बजाय एआई से खिलाते थे रियल मनी गेम, 192 करोड़ की संपत्ति जब्त

ईडी ने बेंगलुरु में 700 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली कंपनी विनजो के खिलाफ की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु आंचलिक कार्यालय ने मोबाइल एप विनजो के माध्यम से ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेवाओं का कारोबार करने वाली फर्म मेसर्स विनजो प्राइवेट लिमिटेड के लिए लेखा कार्य करने वाली लेखा फर्म के कार्यालय परिसर में तलाशी अभियान में विनजो की एक अनुषंगी की 192 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति जब्त की है। ईडी के अनुसार आरोपी अपने ग्राहकों को इंसानों के बजाय एआई से गेम खिलवाते थे।

ईडी की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार विनजो के शत प्रतिशत नियंत्रण वाली अनुषंगी जो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड के पास मौजूद लगभग 192 करोड़ रुपये की बैंक जमाओं, सावधि जमा और म्यूचुअल फंड निवेश जब्त कर लिएगए हैं। एजेंसी के अनुसार ये परिसंपत्तियां अपराध से अर्जित आय की है। इससे पहले ईडी ने 11 नवंबर को विनजो के कार्यालय परिसरों तथा इसके निदेशक के आवासीय परिसरों पर तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई की थी। जांच एजेंसी के अनुसार तलाशी और जांच में प्राप्त साक्ष्यों से पता चला कि कंपनी आपराधिक गतिविधियों और अनैतिक प्रथाओं में संलिप्त थी। उसके ग्राहक इंसानों के बजाय बोट, एआई, एल्गोरिदम और सॉफ्टवेयर के साथ आलनाइन रीयल मनी गेम खेल खेलते थे और उन्हें इसका पता नहीं था।

उन्हें रियल मनी गेम्स में खेलने के लिए बाध्य किया गया। जांच के अनुसार विनजो ने ग्राहकों के वॉलेट में पड़ी धनराशि की निकासी को रोक दिया था या सीमित कर दिया था। कंपनी ने बोट और एआई जैसे माध्यमों के साथ वास्तविक खिलाड़ियों के बीच खेले गये मैचों से 'रेक कमीशन' के रूप में भी अपराध से अर्जित आय उत्पन्न की। ईडी का कहना है कि कंपनी ने मई 2024 से अगस्त 2025 की अवधि में बोटसे लगभग 177 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि अप्रैल 2022 से दिसंबर 2023 की अवधि में यह राशि लगभग 557 करोड़ रुपये रही। इसके अलावा, रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी कंपनी के पास उपयोगकर्ताओं की लगभग 43 करोड़ रुपये की धनराशि मौजूद पाई गई। जांच में अब तक लगभग 802 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित आय का पता लगा है। इसका कुछ हिस्सा विदेशी निवेश के नाम पर अमेरिका और सिंगापुर भेजा जा चुका है।

ईडी ने नई दिल्ली में भी एक घर पर छापा मारकर 8 .80 करोड़ के जेवरात जब्त किए।

शेयर में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी मामले में करोड़ों का सोना-चांदी और कैश जब्त किया

नई दिल्ली। ईडी की अहमदाबाद आंचलिक कार्यालय इकाई ने हिमांशु उर्फ पिंटू भावसार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में सोना चांदी और विदेशी मुद्रा और कुछ अन्य संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए हैं। एजेंसी शेयर बाजार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी से जुड़े मामले के धन शोधन के पहलुओं की पीएमएलए 2002 के तहत जांच कर रही है। ईडी के अनुसार इस कार्रवाई में संबंधित लोगों के ठिकानों से जब्त संपत्तियों में 2 .4 करोड़ रुपये मूल्य की 110 किलोग्राम चांदी की सिल्लियां, 1.7 करोड़ रुपये मूल्य के 1.296 किलो के सोने के बिस्कुट, लगभग 39 .7 किलोग्राम चांदी के आभूषण, 38 .8 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा, 10 .6 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा तथा कई तरह की संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

केकेआर के लिए बांग्लादेश के मुस्तफिजुर को खरीदकर विवादों में घिरे शाहरुख खान

नई दिल्ली, एजेंसी

- संगीत सोम, देवकीनंदन और रामभद्राचार्य ने की आलोचना

अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को खरीदकर बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान विवादों में घिर गए हैं। भाजपा नेता संगीत सोम, कथावाचक देवकीनंदन और संत रामभद्राचार्य समेत कई हस्तियों ने उनकी कड़ी आलोचना की है और कहा है कि उन्हें देश में रहने का हक नहीं है।

मेरठ के दौराला क्षेत्र में भाजपा नेता संगीत सोम ने एक कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को देश का गद्दार करार देते हुए आरोप लगाया कि शाहरुख ने आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटर को खरीदकर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। ऐसे लोगों को देश में रहने के हक नहीं हैं। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हिंसक व्यवहार किया जा रहा है। ऐसे में शाहरुख खान ने अपनी टीम के लिए बांग्लादेशी खिलाड़ी को खरीदकर देश के साथ धोखा किया है।

धर्मगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि शाहरुख का रवैया हमेशा से एक गद्दार जैसा रहा है।उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हुए हमलों की निंदा की और जोर देकर कहा कि भारत सरकार को ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए और इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों और उनकी सरकार को यह समझाया जाना चाहिए कि उनका देश हिंदुओं की मदद से अस्तित्व में आया था।

जम्मू कश्मीरः गांदरबल में आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गांदरबल जिले में आतंकियों से कथित संबंधों में दो मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और 8.40 लाख रुपये नकद बरामद किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों की पहचान गुलाम नबी मीर और शबनम नजीर के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों से बरामद की गई वस्तुओं में एक चीनी पिस्तौल, एक मैगजीन, चार गोलियां और दो हैंड ग्रेनेड भी शामिल हैं। इस संबंध में गांदरबल थाने में मामला दर्ज किया गया है।

नए साल की भीड़

नए साल का जश्न मनाने के लिए बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में हर तरफ भारी भीड़भाड़ का माहौल दिखाई दिया। इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पर इस दौरान जाम लगा तो मेट्रो स्टेशन पर हजारों लोग ट्रेन में सवार होने के लिए धक्कामुक्की करते रहे।

एलडीएफ और यूडीएफ खेल रहे हैं नूरा कुश्ती, अब होगा इसका अंत

मोदी ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा की जीत को बताया ऐतिहासिक

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गठबंधनों वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतान्त्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर नूरा-कुश्ती का खेल खेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की पहली जीत के बाद अब इस व्यवस्था का अंत होने जा रहा है। शहर के महापौर वीवी राजेश को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत ऐतिहासिक है। उन्होंने हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में केरल की राजधानी में पार्टी के सत्ता में आने पर राजेश और भाजपा नेताओं की सराहना की।

मोदी ने 30 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा कि महापौर और उपमहापौर जीएस आशा नाथ के शपथ ग्रहण के साथ ही तिरुवनंतपुरम में इतिहास रच गया है। तिरुवनंतपुरम में पार्टी की सफलता इस बात का संकेत है कि केरल के लोग, विशेषकर युवा और महिलाएं एक नए सूर्योदय के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार, भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जनता के लिए ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो बहिष्कार रहित राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार रहित विकास और तुष्टीकरण रहित शासन की अवधारणा पर आधारित है। दिल्ली में मित्र और केरल में प्रतिद्वंद्वी होने का एलडीएफ और यूडीएफ की नूरा-कुश्ती का खेल अब खत्म होने वाला है। केरल उनके अधूरे वादों से मुक्ति पाना चाहता है।

मोदी ने कहा कि दशकों से एलडीएफ और यूडीएफ के प्रभुत्व वाले केरल में भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी मेहनत करनी पड़ी है और इन मोर्चों का खराब शासन रिकॉर्ड सबके सामने है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए संघर्ष करने वाले पार्टी के कई नेता अब इस दुनिया में नहीं, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा। मोदी ने तिरुवनंतपुरम के अपने दौरे की यादें साझा करते हुए कहा कि केरल की राजधानी ने देश को कई नेता, समाज सुधारक, कलाकार, संगीतकार, कवि, सांस्कृतिक हस्तियां, संत और महापुरुष दिए हैं।

- प्रधानमंत्री ने की महापौर को लिखे पत्र में भाजपा नेताओं की सराहना

विकसित तिरुवनंतपुरम बनाना हमारा दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब ऐसा शहर हमारी पार्टी को आशीर्वाद देता है, तो यह अत्यंत गर्व करने वाला अनुभव है। विकसित तिरुवनंतपुरम बनाने का हमारा दृष्टिकोण समाज के सभी वर्गों में लोगों के साथ गूंजा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने केंद्र में भाजपा नीत सरकार के कामकाज और विभिन्न राज्यों में शहरी विकास के लिए किए गए प्रयासों को देखा है, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने पार्टी को समर्थन दिया। मोदी ने कहा कि मैं इस शहर के लोगों के स्नेह के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत से उन्हें अत्यंत खुशी और गर्व की अनुभूति हुई है। तिरुवनंतपुरम के लोगों के आशीर्वाद से जो कुछ हुआ है, वह ऐतिहासिक है। इसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा।

दूषित पेयजल : मृतकों की संख्या 13 हुई, मांगी रिपोर्ट

इंदौर, एजेंसी

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त के प्रकोप से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। गुरुवार को प्रशासन ने चार और मौतों की पुष्टी की है। वहीं, मौत मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सरकार से रिपोर्ट मांग ली है।

गुरुवार को तादाद को लेकर जारी विरोधाभास गुरुवार को भी कायम रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 13 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है, अधिकारियों के मुताबिक पहली नजर में लीकेज के कारण पेयजल की पाइपलाइन में ड्रेनेज का गंदा पानी मिलने के कारण भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त का प्रकोप फैला। भागीरथपुरा, राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 में आता है। विजयवर्गीय ने संवाददाताओं को बताया कि उल्टी-दस्त के प्रकोप से भागीरथपुरा में 1,400 से 1,500 लोग प्रभावित हुए जिनमें से लगभग 200 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि इन मरीजों की हालत खतरे से बाहर है और स्वस्थ होने पर लोगों को अस्पताल से लगातार छुट्टी दी जा रही है। विजयवर्गीय ने उल्टी-दस्त के प्रकोप से मरे लोगों के आंकड़े को लेकर जारी विरोधाभास पर कहा, हम इस सूचना की तसदीक करा लेंगे। संबंधित मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उधर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को दूषित पानी पीने से मौत होने और दर्जनों लोगों के बीमार पड़ने के मामले की मीडिया रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट तलब की है।

दिसंबर में बढ़ा जीएसटी संग्रह, 1.74 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। सकल जीएसटी संग्रह बीते माह दिसंबर में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। करों में कटौती के बाद घरेलू बिक्री से होने वाले राजस्व में वृद्धि सुस्त रहने से जीएसटी संग्रह की रफ्तार नरम पड़ी है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। दिसंबर 2024 में जीएसटी राजस्व 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। वहीं, नवंबर 2025 में जीएसटी दरें कम होने के बाद कुल संग्रह 1.70 लाख करोड़ रहा था।

एंजेल हत्याकांडः सीबीआई जांच कराई जाए, उत्तराखंड की पुलिस पर भरोसा नहीं

एजल, एजेंसी

- मिजोरम चकमा छात्र संघ ने की मांग, हत्या के नस्लीय मकसद को छिपाने के लगाए आरोप

मिजोरम चकमा स्टूडेंट्स यूनियन (सीएमसीएसयू) ने एक बार फिर मिजोर के छात्र एंजेल चकमा की उत्तराखंड में हुई मौत मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग दोहराते हुए आरोप लगाया है कि जांच में गंभीर लापरवाही की गई है, साथ ही इस अपराध के पीछे नस्लीय मकसद को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। सीएमसीएसयू ने कमला नगर में छात्र संगठन की ओर से आयोजित धरने के बाद अपनी यह मांग दोहराई।

इस प्रदर्शन में विद्यार्थियों के साथ नागरिक समाज के सदस्यों और सामुदायिक संगठनों ने भी हिस्सा लिया। घटना की कड़ी निंदा करते हुए सीएमसीएसयू ने देहरादून पुलिस की ओर से मामले को जिस तरह से संभाला गया, उस पर गहरा दुख व्यक्त किया। संगठन ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने में देरी की गई। इस दौरान सीएमसीएसयू हमले के नस्लीय स्वरूप को छिपाने की कोशिशों की ओर इशारा किया और कहा कि विश्वसनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जांच सीबीआई को सौंपी जाए।

सीएमसीएसयू नेताओं ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने करने के लिए मामले को नई दिल्ली स्थानांतरित करने की भी मांग की और कहा कि पीड़ित और उसके दुखी परिवार को निष्पक्ष न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एंजेल चकमा को सिर्फ उसके शारीरिक बनावट और चेहरे की विशेषताओं के कारण निशाना बनाया गया था, न कि किसी खास समुदाय से जुड़े होने के कारण। उन्होंने चेतावनी दी कि नस्लीय हिंसा कोई अलग-थलग घटना नहीं है और यह पूर्वोत्तर और भारत भर के अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों के लोगों के लिए एक गंभीर खतरा है। सीएमसीएसयू ने सभी आदिवासी समुदायों और पूर्वोत्तर के लोगों से नस्लीय भेदभाव और नफरत के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की और कहा कि चुप्पी अपराधियों को बढ़ावा देती है और न्याय में देरी करती है।

सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में हर समय रखनी होगी एआरवी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सार्वजनिक सूचना जारी कर सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे हर समय एंटी-रेबीज वैक्सीन (एआरवी) और रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन (आरआईजी) की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करें।

आयोग ने निर्देशों में सात नवंबर के उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला दिया जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंड/डिपो और रेलवे स्टेशन को आवारा कुत्तों के प्रवेश से सुरक्षित करने के लिए कड़े और समयबद्ध निर्देश जारी किए गए थे। एनएमसी ने कहा, सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को हर समय एंटी-रेबीज वैक्सीन (एआरवी) और इम्युनोग्लोबुलिन (आरआईजी) का अनिवार्य भंडार बनाए रखना होगा। नोटिस में कहा गया है, इसलिए, सभी चिकित्सा महाविद्यालयों / संस्थानों से अनुरोध है कि वे उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करें।

गुरु ग्रंथ साहिब की गुमशुदा प्रतियों के मामले में सीए को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने गुरु ग्रंथ साहिब की 328 गुमशुदा पवित्र प्रतियों के मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) सतिंदर सिंह कोहली को गिरफ्तार किया है। अमृतसर में एसजीपीसी के पूर्व मुख्य सचिव और सीए समेत 16 लोगों के खिलाफ 2020 में प्रतियों के लापता होने के संबंध में सात दिसंबर 2025 को मामला दर्ज किया गया था।

अमृतसर में एसजीपीसी के प्रकाशन केंद्र से स्वरूपों के गायब होने का मामला जून 2020 में सामने आया, जिससे उस समय एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। पिछले साल 29 दिसंबर को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि लापता प्रतियों को खोजने के लिए सिख संगठनों की गहन जांच की मांग के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कोहली की गिरफ्तारी पर आप की पंजाब इकाई के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि पुलिस जांच महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुकी है। इसी बीच, एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने 'आप' सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाया। कहा सरकार सिख भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। मान सरकार में धर्म के अपमान की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं।

दूषित पानी से मौतें

कैमरे के सामने आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग से राजनीतिक विवाद छिड़ा तो बाद में जताया खेद

विजयवर्गीय के बिगड़े बोल – फोकट का प्रश्न मत पूछो

इंदौर, एजेंसी

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में दूषित पेयजल संकट के बारे में पूछे जाने पर कैमरे के सामने आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग कर राजनीतिक विवाद छेड़ दिया है। यह घटना बुधवार देर रात उस समय हुई जब राज्य के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में फैले डायरिया के प्रकोप के संबंध में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। डायरिया मामले में आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या चार बताई गई है और 212 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, लेकिन प्रभावित क्षेत्र के निवासियों का दावा है कि अब तक 10 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

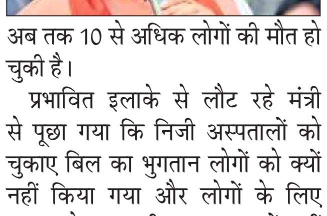

प्रभावित इलाके से लौट रहे मंत्री से पूछा गया कि निजी अस्पतालों को चुकाए बिल का भुगतान लोगों को क्यों नहीं किया गया और लोगों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था क्यों नहीं की गई है? अधिकारियों से घिरे मंत्री ने नाराजगी दिखाते हुए कहा कि छोड़ो यार, तुम फोकट प्रश्न मत पूछो। इसे लेकर पत्रकार और विजयवर्गीय में बहस हो गई, जिसके बाद मंत्री ने आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें मंत्री को पत्रकार के सवाल पर घंटा शब्द का इस्तेमाल करते हुए सुना जा सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद विजयवर्गीय ने बयान जारी करके खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, मैं और मेरी टीम दो दिन से बिना सोए प्रभावित क्षेत्र में स्थिति सुधारने में जुटी हुई है। दूषित पानी से मेरे लोग पीड़ित हैं और कुछ हमें छोड़कर चले गए। इस गहरे दुःख की स्थिति में मीडिया के प्रश्न पर मेरे मुंह से गलत शब्द निकल गए।

सरकार का मामले को छिपाना भी एक और त्रासदी

जालंधर/ इंदौर। राष्ट्रीय संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ. नरेश पुरोहित ने गुरुवार को कहा कि इंदौर में सीवेज और पीने के पानी के जानलेवा मिश्रण ने देश को हिला दिया है और भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा कर दिया है। जाने–माने महामारी विशेषज्ञ डॉ. पुरोहित ने कहा कि यह त्रासदी सिर्फ दूषित पानी के बारे में नहीं है, बल्कि यह ऐसी सरकार के बारे में है जिसने सच्चाई का सामना करने के बजाय उसे छिपाने का फैसला किया क्योंकि जांच में नागरिक बुनियादी ढांचे में चौंकाने वाली कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा, इस घटना ने प्रशासनिक विफलताओं और नागरिक कमियों को उजागर किया है। इस समय इंदौर के अस्पतालों में 100 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 13 लोगों की मौत हो गई है और 26 लोग आईसीयू में हैं।

महाराष्ट्र : छेड़खानी के आरोपी ने पीड़िता के पति को लगाई आग

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में छेड़खानी के मामले में जमानत पर रिहा हुए आरोपी ने अपने परिजनों के साथ पीड़िता के पति पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिसके कारण वह गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 29 दिसंबर की सुबह तड़के नाइगांव तहसील के बेंद्री गांव में हुई। संतोष माधवराव बेंद्रीकर के खिलाफ 22 दिसंबर को एक महिला से छेड़खानी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे कुछ ही समय बाद जमानत मिल गई थी। 29 दिसंबर को पीड़ित महिला का पति अपने घर के पास एक टिन की झोपड़ी में अपनी भैंसों को चारा देने गया था, तब आरोपी बेंद्रीकर, उसके पिता माधव और उसके भाई शिवकुमार ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भारत-पाकिस्तान में शांति कराने के चीनी दावे का जवाब दे भारत:ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष एवं हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के इस दावे को "हैरान करने वाला और अस्वीकार्य" बताया है कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच शंति के लिए मध्यस्थता की थी। ओवैसी ने एक्स पर कहा कि भारत सरकार को आधिकारिक तौर पर इस दावे का खंडन करना चाहिए और देश को आश्वस्त करना चाहिए कि भारत और पाकिस्तान से जुड़े मामलों में किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा, "एक तरफ, चीन पाकिस्तान को 81 प्रतिशत हथियार आपूर्ति करता है और कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रियल–टाइम इंटेलिजेंस भी दिया था। दूसरी तरफ वह मध्यस्थ होने का दावा करता है।

देश में जनवरी-मार्च अवधि के लिए औसत वर्षा का पूर्वानुमान : आईएमडी

नई दिल्ली। इस साल जनवरी से मार्च तक की अवधि में दक्षिण और मध्य भारत में अच्छी बारिश होने की संभावना है, जबकि पंजाब और हरियाणा सहित उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि देश के कुछ हिस्सों में औसत से कम बारिश के पूर्वानुमान का रबी की फसल पर असर पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि देश के उत्तर–पश्चिमी हिस्से में सिंचाई की अच्छी व्यवस्था है और मानसून की अच्छी बारिश के कारण जलाशय भरे हुए हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

अगर आपका मन साफ और पवित्र है, तो वही सबसे बड़ा तीर्थ है।

-संत रविदास

सफलता भरी शुरुआत

भारत के रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र ने नव वर्ष का आरंभ उपलब्धियां हासिल करके की हैं, ये मात्र तकनीकी सफलताएं नहीं, बल्कि देश की बदलती सामरिक सोच और आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत हैं। एक ओर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइलें दागकर अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने छोटे उपग्रह प्रक्षेपण के तीसरे चरण का सफल जमीनी परीक्षण कर अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई। रक्षा और अंतरिक्ष—दोनों मोर्चों पर यह साल का समापन भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रलय मिसाइल को एक ही लॉन्च में दो अलग-अलग लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने की क्षमता के कारण बेहद कारगर हथियार माना जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज 150 से 500 किलोमीटर के बीच है और यह उच्च सटीकता के साथ दुश्मन के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना सकती है। युद्ध की स्थिति में 'डबल अटैक' क्षमता दुश्मन के एयरबेस, बंकरों, कमांड सेंटर और लॉजिस्टिक हब को एक साथ पंगु बनाने में निर्णायक साबित हो सकती है।

जब एक जगह पर हमला होता है और उसी समय दूसरे स्थान पर भी हो, तो दुश्मन को संभलने का मौका नहीं मिलता। यह तकनीक उसके प्रतिक्रिया समय को घटाती है और उसे रणनीति बनाने का अवसर नहीं देती। इस मिसाइल की यह खूबी इसे युद्ध की स्थिति में 'गेम चेंजर' बनाती है। प्रलय जो एक क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है, यानी यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता बदल सकती है और दुश्मन के रडार व एयर-डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सकती है। चीन के पास डीएफ-सीरीज़ और पाकिस्तान के पास अब्दाली-नस्र जैसे हथियार हैं, लेकिन भारत की प्रलय आधुनिक युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित स्वदेशी प्रणाली है। लिक्विड या तरल नोदक भरने में समय लगता है। इसमें ठोस ईंधन यानी सॉलिड प्रोपेलेंट का उपयोग इसे 'रेडी-टू-फायर' बनाता है, जिससे बहुत कम समय में लॉन्च संभव होता है। लांचिंग की यह तीव्रता और विशेष तकनीकी इंटरसेप्ट करना कठिन बनाती है और इसे विश्व की प्रभावशाली मिसाइल प्रणालियों की कतार में खड़ा करती है। हालिया परीक्षण संकेत देता है कि यह प्रणाली सेना के बेड़े में शामिल होने के लिये तैयार है, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों की सामरिक ताकत बढ़ जाएगी।

यह उपलब्धि भारत की रक्षा नीति में एक सूक्ष्म, लेकिन स्पष्ट बदलाव का संकेत भी देती है। अब केवल रक्षात्मक क्षमता नहीं, बल्कि सटीक और सीमित आक्रामक प्रतिरोध पर जोर है। इसी कड़ी में इसरो द्वारा एसएसएलवी के तीसरे चरण का जमीनी परीक्षण भविष्य के लिए अत्यंत अहम है। एसएसएलवी भारत को छोटे उपग्रहों के त्वरित और किफायती प्रक्षेपण में वैश्विक बाजार का बड़ा खिलाड़ी बना सकता है। रक्षा, संचार और आपदा प्रबंधन के लिए छोटे उपग्रहों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह सफलता रणनीतिक भी है। नए वर्ष में डीआरडीओ से हाइपरसोनिक, ड्रोन-रोधी और उन्नत वायु-रक्षा प्रणालियों पर प्रगति की उम्मीद है, वहीं इसरो गगनयान, नए लॉन्च वाहनों और व्यावसायिक मिशनों में आगे बढ़ सकता है।

प्रसंगवश

हिंदी के दो लाख नए शब्द गढ़ने वाले आचार्य रघुवीर

वर्तमान समय में हिंदी की गणना विश्व की समृद्ध भाषाओं में की जाती है। हिंदी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने बाली तीसरी भाषा बन गई है। आज हिंदी पूरे विश्व में पढ़ी और पढ़ाई जाती है। हिंदी भाषा को इस महत्वपूर्ण स्थान तक पहुंचाने के लिए हिंदी के अनेक भाषाविदों ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आचार्य रघुवीर की गणना हिंदी के इन्ही अग्रणी विद्वानों और भाषाविदों में की जाती है। वे संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी के प्रकांड विद्वान थे।

संस्कृत भारत की ही नहीं, विश्व की समस्त भाषाओं की जननी है। इसे सप्रमाण सिद्ध करने वाले आचार्य रघुवीर की गणना संस्कृत और हिंदी के अग्रणी विद्वानों में की जाती है। उनका जन्म रावलपिंडी में हुआ था। वर्तमान समय में रावलपिंडी हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में है। इनके पिता मुंशी राम जी एक विद्यालय में प्राचार्य थे। उनकी माता जयावती एक धर्मपरायण महिला थीं। घर का वातावरण धार्मिक और सादगीपूर्ण था।

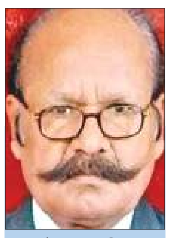

सुरेश बाबू मिश्रा

साहित्यकार

अपने छात्र जीवन से ही रघुवीर संस्कृत एवं अंग्रेजी में कविता लिखने लगे। सभी भाषाओं के बारे में अधिक से अधिक जानने की उनके मन में गहरी जिज्ञासा थी और वे हर भाषा के व्याकरण को गहराई से समझने का प्रयत्न करते थे। संस्कृत भाषा के विद्वान एवं व्याकरण के आचार्य पाणिनी का जन्म रावलपिंडी के निकट शालापुर ग्राम में हुआ था। रघुवीर जी का व्याकरण के प्रति अतिशय प्रेम देखकर इनके गुरुजन समझ गए कि यह बालक पाणिनी के कार्यों को ही आगे बढ़ाएगा। अगर आचार्य रघुवीर को आधुनिक पाणिनी कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

प्राथमिक शिक्षा के बाद रघुवीर जी ने लाहौर के डीएवी विद्यालय से संस्कृत में एमए किया। अब तक वे अंग्रेजी, हिंदी, अरबी, फारसी, मराठी, बंगला, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, रूसी तथा जापानी भाषा में अत्यंत निपुण हो चुके थे। अब अजमेर आकर उन्होंने महर्षि दयानंद की अष्टाध्यायी का संपादन किया। 1925 में आचार्य रघुवीर का विवाह हुआ। 1928 में लंदन विश्वविद्यालय से पीएचडी कर वे लाहौर में ही संस्कृत के प्राध्यापक हो गये। अध्यापन के साथ ही वे स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय हुए और 'हिंदू रक्षक संघ' की स्थापना की। 1942 में वे सीपी एंड बरार से संविधान सभा के सदस्य बने तथा 1949-50 तक इस पद पर रहे। उनकी योग्यता देखकर कांग्रेस ने 1952 से 62 तक उन्हें राज्यसभा में सांसद बनाया।

उन्होंने विश्व भर से अनेक भाषाओं में उपलब्ध महाभारत तथा रामायण ग्रंथों की पांडुलिपियों को एकत्र कर वृहत् शोध किया। उन्होंने इंडोनेशिया के जावा द्वीप में जोग्या नगर के पास स्थित मंदिरों पर उत्कीर्ण रामकथा के चित्रों को भी संकलित किया। विलुप्त हो चुके संस्कृत एवं भारतीय साहित्य को एकत्र करने के लिए उन्होंने 1934, 46 और 56 में क्रमशः लाहौर, नागपुर और दिल्ली में 'सरस्वती विहार' की स्थापना की।आचार्य जी ने हिंदी भाषा में दो लाख नये शब्द गढ़े। उनकी योजना 20 लाख नये शब्द बनाने की थी; पर उनके असमय निधन से यह काम रुक गया। उन्होंने जो शब्दकोश बनाया, वह आज भी हिंदी में मानक कोश माना जाता है।

1962 में चीन के आक्रमण के समय शासन की नीति से नाराज होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। इसके बाद वे भारतीय जनसंघ से जुड़े और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1963 में उपचुनाव के समय जब वे डॉ. राममनोहर लोहिया के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित कर लौट रहे थे, तो 14 मई को कानपुर के पास हुई वाहन दुर्घटना में उनका देहांत हो गया।

जब बेअसर हो जाए ग्रेप पाबंदी भी

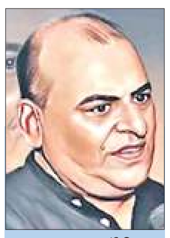

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

इसे स्वास्थ्य का आपातकाल कहा जा सकता है, 13 दिसंबर को ग्रेप-4 लागू हो गया, अर्थात अभी तक सांसों में जहर भरने के जो संभावित कारण कहे जाते थे, सभी पर सख्ती से पाबंदी, उसके बावजूद 31 दिसंबर की सुबह दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से पार था। जाहिर है कि या तो हम वायु प्रदूषण के असली कारणों का आकलन नहीं कर पा रहे या फिर ऐसे कड़े कदम उठाने से बच रहे हैं, जिससे हालात सुधारे जा सकें। बारीकी से देखें तो साफ होता है कि हमारा सारा ध्यान बढ़ गए प्रदूषण को काम करने में अधिक है, जबकि सारे तंत्र को प्रदूषण कम हो, इसके लिए काम करना होगा। दुर्भाग्य है कि सरकारी प्रक्रिया, ऊपर से नल खोल कर नीचे पोंछा लगा कर फर्श सुखाने की कवायद से अधिक नहीं है।

लगता है सब रस्म अदायगी है, दीवाली के साथ ही अदालत डांटने लगती है। सरकार विज्ञापन देने लगती है और अस्पतालों में बीमारों की भीड़ बढ़ जाती है। आंकड़ों कि बौछार होती है कि जहरीली हवा किस तरह सांस, दिल, हड्डी से ले कर मानसिक रोग तक का कारण बन रही है। हालांकि दिल्ली समग्र राजधानी क्षेत्र में बरसात के कुछ दिनों को छोड़ कर पूरे साल ही हवा में इतना जहर होता है कि न केवल इंसान की आयु रेखा छोटी होती है, बल्कि ढेर सारी बीमारियों के फेर में उसकी जेब में भी छेद होता है।

दिल्ली वायु प्रदूषण से निबटने के असफल प्रयोगों का स्मारक बन कर रह गई है। जैसे-जैसे इलाज तलाशते हैं मर्ज गहराता जाता है। समझ लें जब कोई कंटक 'सुरसा मुख' सा विशाल बन कर रास्ता रोके तो हनुमान को लघु रूप में ही उसका संहार करना होता है। सरकार बड़ी-बड़ी रिपोर्ट, वैज्ञानिक और मशीनों में हवा साफ करने का निदान तलाश रही है, जबकि असल में इससे पार पाने के लिए महज सशक्त इच्छा शक्ति ही चाहिए।

जिस दिन यह बात समझ आ जाएगी कि दिल्ली-एनसीआर को गैस चेंबर में तब्दील होने का सबसे बड़ा कारण सड़कों पर राज करते वाहन हैं और इसके पीछे यहां बढ़ती आबादी या दूरस्थ अंचलों से दिल्ली की तरफ हो रहे तेजी से पलायन है, समस्या के निदान का रास्ता खुल जाएगा। हम एक तरफ दिल्ली-एनसीआर का विस्तार करते जा रहे हैं, दूसरा, यहां नए-नए दफ्तर, उद्योग के लिए रास्ते खोल रहे हैं, तीसरा, बगैर मूलभूत सुविधा के सस्ते श्रम और मजबूरी के परिवहन की बस्तियां बढ़ा रहे है। फिर सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा संख्या से जाम लगता है, तो उत्सर्जित जहर और गहरा होता जाता है।

कोई दो दशक पहले दिल्ली को काले धुएं से निजात दिलवाने के लिए जिस सीएनजी को राम-बाण के रूप में स्थापित किया गया था, अब वही ईंधन से उपजी नाइट्रोजन ऑक्साइड सबसे अधिक प्रदूषण का कारक है। दिल्ली में कुल नाइट्रोजन ऑक्साइड प्रदूषण का लगभग 81% हिस्सा अकेले परिवहन क्षेत्र (वाहनों) से आता है। फिर सड़कों पर सम-विषम वाहन का प्रयोग हुआ। समर्थ लोगों ने दो-तीन गाड़ियां खरीद कर घर के बाहर जमा कर लीं। फिर वैज्ञानिकों ने भी बता दिया कि इसका कोई लाभ नहीं हुआ।

अगला साल था स्माग टॉवर के नाम। करोड़ों खर्च हुए। उसके 57 करोड़ के विज्ञापन छप गए, लेकिन कुछ ही महीनों में वे बेअसर कबाड़ बन गए। लाख मना करने के बावजूद दिल्ली पर नकली बरसात के प्रयोग पर खर्च किया गया। इस साल चुनिंदा सड़कों पर बिजली के खंभों पर पानी के फव्वारे लगा दिए गए। उनके संचालन की लागत का कोई हिसाब नहीं, लेकिन आंकड़े बानगी हैं कि जहर होती हवा पर इसका कोई खास असर नहीं है। अब वैज्ञानिकों की कमेटियां बन रही हैं, लेकिन समझना होगा कि वैज्ञानिक बढ़ रहे जहर से निजात के सुझाव दे सकते हैं, जबकि वास्तविक समस्या जहर बनने से रोकना या काम करना है।

आखिर इतने प्रयोग असफल क्यों होते हैं? इसे समझना कोई जटिल विज्ञान नहीं हैं। दिल्ली के सर्वाधिक जहरीले इलाके में से एक आनंद विहार रेलवे स्टेशन के सामने देखें। दिलशाद गार्डन की तरफ से कोई दो किलोमीटर लंबे फ्लाई ओवर से जब तेजी से आता ट्रैफिक, चार लेन की इस सड़क पर आता है, तो उनके लिए महज एक लेन बकाया रहती है। पटरी बाजार, तिपहिया, बैटरी रिक्शा और फिर बसें, सड़क पर ही डेरा डाले रहती हैं। फिर वहां एक वाहन पानी छिड़ता रहता है और वह यदि इस बची एक लेन में आ गया तो सारा यातायात ठप्प। समझ लें यह सब हर दिन के हजारों-लाखों की अवैध वसूली का परिणाम हैं कि यहां उपज रहे जहर के कारकों पर कोई हाथ नहीं डालता। दिल्ली के लगभग सभी मेट्रो स्टेशन के बाहर लगभग यही स्थिति रहती है।

दिल्ली में तो फिर भी कुछ कड़ाई है, लेकिन दिल्ली की सीमा से शून्य किलोमीटर दूर ज्ञानी बॉर्डर कहलाने वाली जीटी रोड पर सारे दिन कोई दस हजार ट्रक चलते रहते हैं। यहां सड़कें ही नहीं, पूरा आसमान धूल के गुबार से ढका रहता है। एम्स के आगे अरविंदो मार्ग पर गौतम नगर से ग्रीन पार्क तक सड़क पर ही अधिकृत पार्किंग की फीस वसूली जाती है। भले ही वाहनों के चलने के लिए सड़क बचे नहीं। रिंग रोड पर भीकाजी कामा पैलेस से सफदरजंग अस्पताल तक फ्लाई ओवर खत्म होते ही बस स्टैंड और हर बस का स्टैंड से कम से कम दस फुट दूर खड़ा होना पूरे दिन जाम उपजाता है।

बसंत कुंज में दो किलोमीटर के दायरे में कोई 45 स्कूल हैं, जहां बच्चे 300 से अधिक बसों और उससे दुगनी और तिगुनी निजी गाड़ियों से आते हैं। इन सभी स्कूल्स के खुलने और बंद होने का समय लगभग एक है। सो सुबह और दिन में कई-कई घंटे यहां यातायात की आपा-धापी आम बात है। यह थोड़े से उदाहरण हैं। गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद या गुरुग्राम में तो और बदतर हाल हैं। इस बार दिल्ली सरकार ने कार्यालयों के खुलने-बंद होने के समय में बदलाव का प्रयोग तो किया, लेकिन उसका वांछित प्रभाव दिखा नहीं।

31 दिसंबर की सुबह दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार था। जाहिर है कि या तो हम वायु प्रदूषण के असली कारणों का आकलन नहीं कर पा रहे या फिर ऐसे कड़े कदम उठाने से बच रहे हैं, जिससे हालात सुधारे जा सकें।

आमने सामने

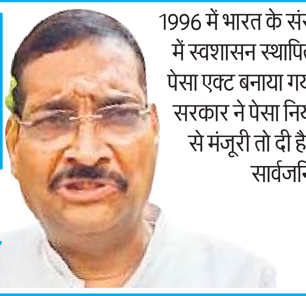

1996 में भारत के संसद से जनजाति क्षेत्र में स्वशासन स्थापित करने के उद्देश्य से पेसा एक्ट बनाया गया था। वर्तमान राज्य सरकार ने पेसा नियमावली को कैबिनेट से मंजूरी तो दी है, मगर इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया जाना उचित नहीं है।

-दीपक प्रकाश
बीजेपी सांसद

मैं पहले तो गठबंधन की पूरी सरकार को इस कानून के लिए बधाई देता हूं। कैबिनेट में जो चीजें पास हो जाती हैं, वह सार्वजनिक होता ही है। आखिर भाजपा को इतनी बेचैनी क्यों है? भाजपा इस मुद्दे पर लोगों में भ्रम और अफवाह फैला रही है।

-प्रदीप यादव
कांग्रेस के नेता

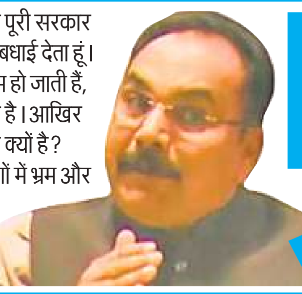

चिप मैन्युफैक्चरिंग और साइबर शक्ति में भारत

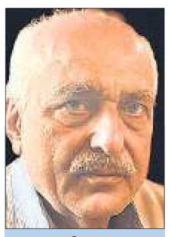

रनबीर सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

चीन की क्विड प्रो क्वो पॉलिसी, अर्थात इस हाथ ले और उस हाथ दे, जिसके तहत विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों को चीन में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को बढ़ावा देने के लिए जॉइंट वेंचर बनाने का आदेश दिया गया है, लंबे समय से यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका (यूएस)-चीन आर्थिक दुश्मनी के केंद्र में रही है। जॉइंट वेंचर की ऑनरशिप लोकल चीनी फर्मों और विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों के बीच बंटी हुई है, इसलिए चीनी पार्टनर मैनेजमेंट और फैसले लेने में शामिल होते हैं, जिससे फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट के दूसरे तरीकों की तुलना में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ज़्यादा असरदार तरीके से हो सकता है।

2001 में वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन में शामिल होने के बाद से चीन ने जॉइंट वेंचर को साफ तौर पर ज़रूरी नहीं बनाया है, फिर भी मल्टीनेशनल कंपनियों पर अंदर ही अंदर दबाव बना रहा। जैसा कि अमरीका के उच्च स्तर के कुछ अधिकारियों ने कहा, वॉलंटरी ही नई ज़रूरी चीज़ है। अमरीका के साइंस एंड टेक्नोलॉजी से संबंधित ऑफिस एवं नेशनल साइंस फाउंडेशन द्वारा कांग्रेस की समितियों के सामने सुनवाई की दो रिपोर्ट्स इस मामले में अमरीकी नजरिये को सही से पेश करती हैं।

स्ट्रेटेजिक उद्योगों के मामले में हरेक देश अपने तौर से एक एसेसमेंट करता है। भारत ने भी किया है। इनकी रिपोर्ट्स घोषणाओं के बाद से स्लो प्रोग्रेस दिखाने वाली अधिक प्रतीत हुई हैं। बढ़ती आर्थिक दुश्मनी के बीच, यूएस ने हाई-टेक इंडस्ट्रीज़ में चीन में बाहर जाने वाले फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट पर रोक लगा दी है। अमरीका 2022 का चिप्स और साइंस एक्ट इसका एक उदाहरण है, हालांकि यूएस फर्मों ने टेक्नोलॉजी लीक होने के खतरों के बावजूद, चीन के बड़े मार्केट और कम सैलरी तक पहुंचने के लिए अपनी मर्ज़ी से जॉइंट वेंचर किए। क्या जॉइंट वेंचर पर रोक लगाने का अभी भी कोई आर्थिक कारण है? अगर ऐसा है, तो क्या यूएस फर्मों ने सच में जॉइंट वेंचर के ज़रिए चीन को बहुत ज़्यादा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की?

इस बाबत की गई नई रिसर्च में मुख्य बात यह है कि यूएस मल्टीनेशनल कंपनियां अपने जॉइंट वेंचर फैसलों के दूसरी यूएस फर्मों पर पड़ने वाले बुरे असर की परवाह नहीं करतीं या उसे अपनाती नहीं हैं। अलग-अलग फर्मों के नज़रिए से, जॉइंट वेंचर बनाना फ़ायदेमंद है, क्योंकि उन्हें चीनी मार्केट तक पहुंच मिलती है और सैलरी कम होती है, हालांकि जॉइंट वेंचर के ज़रिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करके, वे अपने चीनी पार्टनर को ज़्यादा प्रोडक्टिव बनाते हैं और फैलने से दूसरी चीनी फर्मों को इनडायरेक्टली फ़ायदा पहुंचाते हैं। समय के साथ, ग्लोबल कॉम्पिटिशन बढ़ता है, जिससे दूसरी यूएस फर्मों को नुकसान होता है।

हाई टेक और सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी में अमरीकी फर्मों ने 1970 आदि दशक के बाद से जिस तरह से ताइवान में अपना कारोबार स्थापित किया और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हुआ, उससे ताइवान को जबरदस्त बढ़त अगले 20 सालों में मिली। इसकी बुनियाद पर ताईवानी फर्में अब सेमीकंडक्टर बिजनेस में अपना दबदबा पूरी दुनिया में कायम कर चुकी हैं। ये फर्में हज़ारों किस्म की चिप अरबों की संख्या में हर साल दुनिया भर में बेचती हैं।

इस परिदृश्य में भारत को अभी तक अमरीका ने उपेक्षित रखा और भारत ने भी इस उभरते स्ट्रेटेजिक उद्योग के प्रति ध्यान नहीं दिया। हम मुसीबत में नहीं हैं, परंतु बहुत पिछड़े हुए नज़र आते हैं। इस उद्योग में तीन से पांच साल से ही कुछ ध्यान गया है और नितांत स्वदेशी प्रयासों से हम अगले 10 वर्षों में शायद वर्ल्ड क्लास तो न हो पाएं, लेकिन कुछ मामलों में आत्मनिर्भर जरूर हो जाएंगे। फिर भी अति उन्नत चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग के स्तर पर इस टेक्नोलॉजी में हम उस समय तक पिछड़े रहेंगे, जब तक इस क्षेत्र में कम से कम 100 अरब रुपये का निवेश नहीं किया जाता।

ज्ञातव्य है कि चीन ने एक दशक पहले इसके लिए 19 खरब यूएस डॉलर का निवेश किया था। आज अमरीका की सिलिकॉन वैली, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और अमेरिकन माइक्रोडिवाइसेस जैसी कंपनियां चीन की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से डरने लगी हैं। इस उद्योग में खरबों रुपये का बिजनेस अब ताइवान, चीन, जापान और अमरीका के हाथ में है।

भारत इसमें शायद सौवें स्थान पर होगा। हमारे यहां सेमीकंडक्टर रिसर्च का स्तर अभी सौ में से बीसवें स्तर पर ही है। सिर्फ पॉलिसी बना कर ऊंची घोषणाएं करने और इस बाबत रिपोर्ट्स बनाने से काम नहीं चलता। सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक स्वस्थ ईको-सिस्टम बनाने से पहले डींग मारने के लिए अभी हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है, जिसका नोटिस विश्व की बड़ी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री या इन देशों के कॉमर्स विभाग ले पाएं। हम पहले से ही हाई टेक के ट्रांसफर के मामले में अमरीका की ट्रेड-वार्स से पीड़ित रहे हैं। सबसे बड़ी कमी है, रेयर अर्थ मैटेरियल्स को भारत में ढूंढना। इसे प्रॉसेस करना और हाई टेक प्लांट्स लगाना।

हमारे यहां सेमीकंडक्टर रिसर्च का स्तर अभी सौ में से बीसवें स्तर पर ही है। सिर्फ पॉलिसी बनाकर ऊंची घोषणाएं करने से काम नहीं चलता।

सोशल फोरम

बच्चों को चीजों की कीमत समझाने की जरूरत

बचपन में चित्रहार का इंतजार रहता था। पूरे सप्ताह दिन गिना करते थे। आज के ज़माने में, जब सब चीज़ें आपके मोबाइल और टीवी पर उपलब्ध हैं, तो किसी चीज़ का इंतजार करने की जरूरत ही नहीं रही, लेकिन उस इंतजार का एक अलग ही मज़ा था, उससे सीख भी मिलती थी और सहनशीलता (रेसिलिएंस) भी विकसित होती थी। पहले सब कुछ बहुत नेचुरल था। चीज़ें कम थीं, विकल्प बहुत ही सीमित थे, इसलिए ज़िंदगी बहुत ही सरल थी।

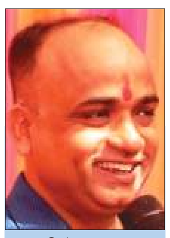

नीलेश गुप्ता

ब्लॉगर

डिप्रेशन, एंग्जायटी और मोटापा जैसी समस्याएं बच्चों में कभी देखने को नहीं मिलती थीं। आजकल हर चीज़ फिंगरटिप्स पर मौजूद है। यहां तक कि 10 मिनट डिलीवरी ऐप्स ने तो प्लानिंग की जरूरत भी खत्म कर दी है। जब चाहो, जहां चाहो, कुछ भी मंगवा सकते हो।

मोबाइल का असर सिर्फ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि बच्चों की सामाजिक दक्षताओं (सोशल स्किल्स) पर भी पड़ रहा है। पहले शादी-पार्टियों में बच्चे आपस में बातें करते या छोटे-मोटे काम में मदद करते दिखते थे, लेकिन अब वे सिर्फ मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। कई जगहों पर तो टेबल पर पिता मोबाइल पकड़े होते हैं और मां बच्चे के मुंह में खाना ठूंस रही होती हैं, जबकि बच्चा बिना ध्यान दिए बस मोबाइल स्क्रीन देखे जा रहा होता है। उसे तो यह भी नहीं पता कि वह क्या खा रहा है!

कुछ दिन पहले एक परिचित का फ़ोन आया। उनकी पोस्टिंग बाहर थी और उनकी पत्नी बच्चे की पढ़ाई की वजह से कोटा में रुकी हुई थीं। वे पत्नी को कुछ दिनों के लिए अपनी पोस्टिंग वाली जगह बुलाना चाहते थे, लेकिन एक महीने के लिए बच्चे की पढ़ाई नहीं छुड़वा सकते थे। निर्णय लिया गया कि बच्चा एक महीने के लिए एक सेंटर में रहेगा। उस सेंटर ने लाइव CCTV एक्सेस माता-पिता को उपलब्ध करा रखा था। वे रोज़ अपने बच्चे को खाना खाते हुए देखते थे और बहुत खुश होते थे कि वह बिना मोबाइल देखे खाना खा रहा था। उनका कहना था कि उन्होंने अपने बच्चे को कभी बिना मोबाइल के खाते हुए नहीं देखा था! हमें तो इसका अंदाज़ा भी नहीं हुआ और न ही बच्चे ने कोई नखरे दिखाए।

जब सब चीज़ें बिना मांगे और बिना किसी प्रयास के मिलने लगती हैं, तो उनकी कद्र ही खत्म हो जाती है। तभी तो कहा जाता है- चाहे आपके पास कितना भी पैसा हो, बच्चों को थोड़ा अभाव में पालिए।

सामयिकी

2026 रहेगा भारत का एआई इंपैक्ट वर्ष

भारत में एआई 2025 में तेज़ी से फैला। अब तक देश में एआई मार्केट लगभग 13 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है और 2030 तक 130 बिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। 2025 एआई का 'एक्सपेरिमेंटेशन' का साल था, जहां जनरेटिव एआई और चैटबॉट्स ने दुनिया को चौंकाया, लेकिन 2026 भारत में एआई का प्रोडक्शन, जवाबदेही और गवर्नेंस का साल होगा। एआई अब प्रयोगशाला से निकलकर क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, जो बिजली, पानी या इंटरनेट जैसी ज़रूरी चीजों से जुड़ जाएगा। साथ ही कंपनियों और संस्थाओं की जिम्मेदारी होगी कि इसे सही ढंग से अपनाएं। सुरक्षित और नैतिक रूप से इस्तेमाल करें और आगे बढ़ें।

सरकार की इंडिया एआई मिशन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित India एआई इंपैक्ट समिट इस बदलाव का केंद्रबिंदु है। फरवरी 2026 में नई दिल्ली में होने वाला यह समिट का थीम 'प्यूपल, प्लैनेट और प्रगति' (लोग, ग्रह, प्रगति) के साथ होगा, जिसे हिंदी में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के रूप में व्यक्त किया गया है। यह वैश्विक स्तर पर एआई को समावेशी, सुरक्षित और विकास-केंद्रित बनाने का मंच बनेगा, जहां G-20 देश, स्टार्टअप्स, नीति-निर्माता और शोधकर्ता मिलकर एआई की दिशा तय करेंगे। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वर्ष 2026 का दौर बहुत महत्वपूर्ण है। इंडिया एआई मिशन और आगामी इंडिया एआई इंपैक्ट समिट से सरकार ने एआई को समावेशी, सुरक्षित और विकास-केंद्रित बनाने का मजबूत लक्ष्य रखा है।

अंबिका अंबी

लेखिका

इंडिया एआई मिशन, भारत को वैश्विक एआई लीडर बनाने का मुख्य आधार है। इसका फोकस एआई को 'सभी के लिए' (एआई फॉर आल) बनाना है, खासकर स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और शासन जैसे क्षेत्रों में। मुख्य लक्ष्य इस प्रकार हैंः उच्च-स्तरीय कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना। जिसमें 34,000+ GPUs (और बढ़ते हुए) के साथ शक्तिशाली एआई कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराना, ताकि स्टार्टअप्स, रिसर्चर्स और MSMEs सस्ती दर पर एआई मॉडल ट्रेन कर सकें।

स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल्स का विकास कर भारत-केंद्रित Large Multimodal Models (LMMs) और इंडियन भाषाओं/संदर्भों पर आधारित एआई मॉडल बनाना। डेटा उपलब्धता बढ़ाना, ताकि इंडिया आई डेटा सेट्स प्लैटफार्म (एआई Kosh) के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले नॉन-पर्सनल डेटासेट्स आसानी से उपलब्ध हो सके। टैलेंट और स्किल डेवलपमेंट करना, जिससे एआई फ्यूचर स्किल्स और फ्यूचर स्किल्स प्राइम जैसे कार्यक्रमों से लाखों युवाओं को एआई ट्रेनिंग दी जाए। NASSCOM के अनुसार, एआई टैलेंट 2027 तक दोगुना (12.5 लाख+) होने की उम्मीद है।

सामाजिक प्रभाव वाले एआई एप्लिकेशन्स को 30 से अधिक एआई प्रोजेक्ट्स स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और क्लाइमेट में लागू करना। नैतिक और जिम्मेदार एआई हो, जो India AI Governance Guidelines-2025 के तहत सात सिद्धांतों पर केंद्रित है, जिसमें AI Safety Institute भी शामिल है। भारत वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगा। 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में होने वाला इंडिया एआई इंपैक्ट समिट G20 देशों, स्टार्टअप्स और नीति-निर्माताओं को एक मंच देगा। यह एआई को समावेशी और इंपैक्ट-फोकस्ड बनाने का वैश्विक केंद्र बनेगा। इन लक्ष्यों से एआई अब डिजिटल प्रयोग से आगे बढ़कर क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर (बिजली, पानी, इंटरनेट जैसा) बन रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

चांद के सफर में आपका नाम

20 जुलाई, 1969 को अपोलो 11 की चांद पर लैंडिंग और नील आर्मस्ट्रांग का 'एक छोटा कदम' वाला डायलॉग, अभी भी रोंगटे खड़े कर देता है। भारत के चंद्रयान-3 ने 2023 में सॉफ्ट लैंडिंग करके साबित कर दिया कि हम भी इस रेस में हैं और अब 2026 आते-आते नासा का आर्टेमिस मिशन चांद पर वापसी की तैयारी कर चुका है। आर्टेमिस द्वितीय ने क्रूड ऑरबिट टेस्ट किया और आर्टेमिस तृतीय का लैंडिंग मिशन बस कोने पर है। चांद को छूने की हसरत हर किसी की होती है। पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चांद, जिसका गुरुत्वाकर्षण समुद्र की लहरों को नियंत्रित करता है और जिसकी सतह पर पानी की खोज ने अंतरिक्ष अन्वेषण को नई दिशा दी है। आप भी अपना नाम भेजकर ऐतिहासिक पलों का हिस्सा बन सकते हैं। चंद्रमा पर अपना नाम भेजने का रोमांच तो वाकई अनोखा है। आइए, इस मिशन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

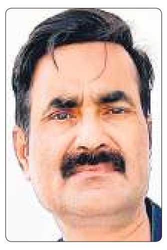

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

आर्टेमिस-द्वितीय मिशन

नासा की "अपना नाम चंद्रमा पर भेजो" पहल के तहत आर्टेमिस–द्वितीय मिशन के साथ आपका नाम ओरियन अंतरिक्ष यान पर एक डिजिटल चिप में चंद्रमा की यात्रा कर सकता है। यह एक तरह से आपकी मौजूदगी को चंद्रमा तक पहुंचाने का प्रतीकात्मक और रोमांचक तरीका है, भले ही आप शारीरिक रूप से वहां न जाएं। आपका नाम चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएगा, जो 1972 के बाद पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन है। यह एक ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने जैसा है। लाखों लोग दुनियाभर से अपने नाम भेज रहे हैं, जिससे यह एक वैश्विक उत्सव बन जाता है। आपका नाम उनमें शामिल होगा। खासकर बच्चों और युवाओं के लिए, यह अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति उत्साह जगाता है। सोचिए, आपका नाम गहरे अंतरिक्ष में, चंद्रमा के पास होगा। नासा का आर्टेमिस–द्वितीय मिशन चंद्रमा की ओर मानव अंतरिक्ष यात्रा को फिर से शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत यह दूसरा मिशन है, जो आर्टेमिस–प्रथम के बाद आता है, जो एक बिना चालक दल वाला परीक्षण उड़ान था। आर्टेमिस–द्वितीय पहला मानवयुक्त मिशन होगा, जो चंद्रमा के चारों ओर उड़ान भरेगा, लेकिन उतरेगा नहीं। यह मिशन नासा के स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की क्षमताओं को गहराई से अंतरिक्ष में परीक्षण करेगा।

भविष्य की योजनाएं

आर्टेमिस–द्वितीय चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव उपस्थिति स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह मिशन आर्टेमिस–तृतीय (2027 में चंद्रमा पर लैंडिंग) की नींव रखेगा, जहां दक्षिण ध्रुव पर दो अंतरिक्ष यात्री उतरेंगे। कार्यक्रम में वाणिज्यिक और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों (जैसे ईएसए का यूरोपीय सर्विस मॉड्यूल) की भूमिका महत्वपूर्ण है। आर्टेमिस मिशन रोबोटिक रोवर्स, हैबिटेशन मॉड्यूल्स और मंगल यात्रा की तैयारी को बढ़ावा देंगे। नासा का यह प्रयास न केवल वैज्ञानिक खोज को बढ़ावा देगा, बल्कि वैश्विक सहयोग को मजबूत करेगा।

रोमांचक क्षण

यह पहली क्रूड मिशन 50 साल बाद, जिसमें चार एस्ट्रोनॉट्स चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे, आप भी इस रोमांच हिस्सा बन सकते हैं। कल्पना कीजिए, आपका नाम चंद्रमा के चारों ओर 2,30,000 मील की दूरी तय कर रहा है। यह आपको अंतरिक्ष यात्री जैसा महसूस कराता है। नासा का कहना है कि यह आर्टेमिस जेनेरेशन को प्रेरित करने के लिए है यानी नई पीढ़ी को विज्ञान और खोज की ओर आकर्षित करना।

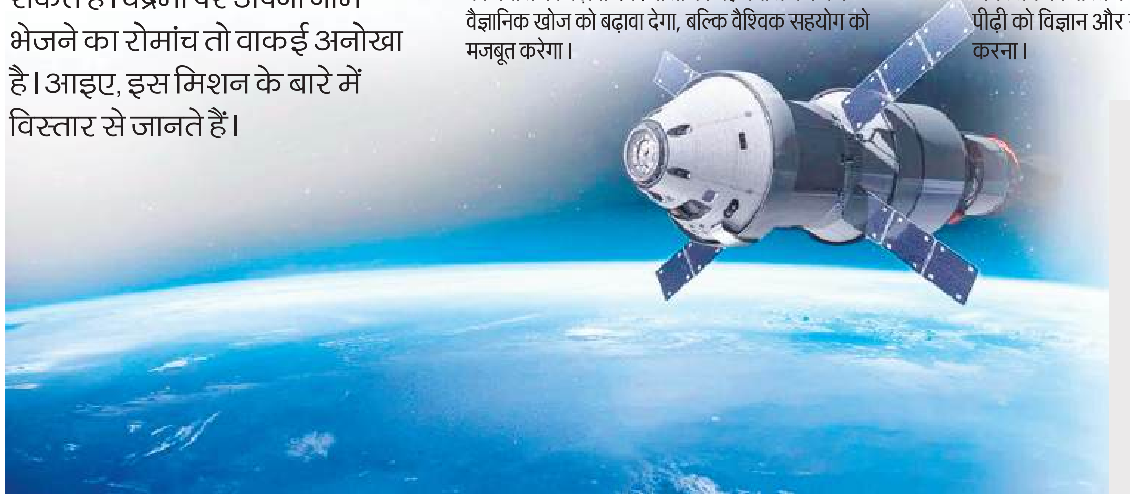

कब और कैसे

मिशन की लॉन्च तिथि अप्रैल 2026 निर्धारित है, हालांकि कुछ स्रोतों में 2026 की शुरुआत का उल्लेख है। यह फ्लोरिडा के नासा केनेडी स्पेस सेंटर से ब्लॉक 1 कॉन्फ़िगरेशन के एसएलएस रॉकेट पर उड़ान भरेगा। सितंबर, 2025 तक रॉकेट और ओरियन यान की असेंबली चलती रही है। इससे पूर्व मार्च 2025 में रॉकेट को वर्टिकल पोजीशन में लाया गया था और अगस्त 2025 में ओरियन स्टेज एडाप्टर पहुंचा। मिशन से पहले, मीडिया को इसके हार्डवेयर देखने का अवसर मिला।

सिस्टम टेस्टिंग

ओरियन यान के जीवन समर्थन सिस्टम (जैसे ऑक्सीजन उत्पादन, कार्बन डाइऑक्साइड हटाना) को परीक्षण किया जाएगा, विशेष रूप से व्यायाम और नींद के दौरान।

गहन अंतरिक्ष अनुसंधान

चालक दल सात मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों पर काम करेंगे, जैसे नींद पैटर्न मॉनिटरिंग (रिस्टबैंड डिवाइस से), इम्यून सिस्टम प्रभाव (लार और रक्त नमूने से) और ऑर्गन–ऑन–ए–चिप तकनीक का उपयोग। यह डेटा भविष्य के चंद्रमा और मंगल मिशनों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय विकसित करने में मदद करेगा।

लूनर साइंस

चालक दल चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव क्षेत्र की तैयारी के लिए प्रभाव क्रेटर, ज्वालामुखी और बर्फ पर रीयल–टाइम डेटा विश्लेषण करेंगे। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में साइंस इवैल्यूएशन रूम से वैज्ञानिकों की टीम मार्गदर्शन देगी।

क्यूबसैट्स

मिशन पर पांच अंतर्राष्ट्रीय क्यूबसैट्स (छोटे उपग्रह) उड़ेंगे, जो पृथ्वी कक्षा में विज्ञान प्रयोग और तकनीकी प्रदर्शन करेंगे। ये ओरियन से अलग होकर लॉन्च होंगे।

नासा का महत्वाकांक्षी मिशन

आर्टेमिस–द्वितीय मिशन नासा का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जो चंद्रमा पर मानवों को वापस लाने और अंततः मंगल ग्रह पर मिशनों की तैयारी करने का लक्ष्य रखता है। यह मिशन लगभग 10 दिनों का होगा, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर एक फ्री–रिटर्न ट्रैजेक्टरी पर यात्रा करेंगे। यह 1972 में अपोलो 17 के बाद से पहला मानवयुक्त मिशन होगा, जो कम पृथ्वी कक्षा से परे जाएगा। मिशन का मुख्य उद्देश्य ओरियन यान के सभी सिस्टम्स को चालक दल के साथ गहन अंतरिक्ष वातावरण में सत्यापित करना है, जिसमें जीवन समर्थन प्रणाली, नेविगेशन और संचार शामिल हैं। आर्टेमिस–द्वितीय का चालक दल चार अंतरिक्ष यात्रियों से मिलकर बनेगा, जो विविधता का प्रतीक है। पहले कमांडर, जो नासा के रीड विसमैन हैं। यहीं से पायलट विक्टर ग्लोवर हैं, चंद्रमा यात्रा करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति होंगे। मिशन स्पेशलिस्ट नासा के ही क्रिस्टीना कोच होंगे, जो चंद्रमा यात्रा करने वाली पहली महिला होंगी। मिशन स्पेशलिस्ट कैनेडियन स्पेस एजेंसी की जेरेमी हैंसेन होंगे, जो चंद्रमा यात्रा करने वाले पहले गैर–अमेरिकी नागरिक होंगे। बैकअप क्रू में जेनी गिब्बन्स (कैनेडा) और एंड्रे डगलस (नासा) शामिल हैं। यह चयन 2020 के अमेरिका–कनाडा संधि के तहत किया गया है।

इस तरह भेजें अपना नाम

इस मिशन में आप अंतिम तिथि 21 जनवरी, 2026 तक नि:शुल्क भाग लेकर चंद्रमा पर अपना नाम भेज सकते हैं। इसके लिए नासा की आधिकारिक वेबसाइट https://www3.nasa.gov/send-yourname-with-artemis पर क्लिक करें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें, जिसमें अपना प्रथम और द्वितीय नाम, पिनकोड डालकर सबमिट बटन पर क्लिक करें। नाम स्वीकृत होने पर आपको एक डाउनलोडेबल 'बोर्डिंग पास' मिलेगा। यह एक सर्टिफिकेट जैसा है, जिसमें आपका नाम मिशन के साथ दिखाया जाएगा, जिस पर क्लिक करके आप इसे डाउनलोड कर सकते हो। लॉन्च के समय आप इसकी लाइव स्ट्रीमिंग भी देख सकते हो। भविष्य का वादारू कल्पना कीजिए चांद पर कॉलोनी, हीलियम–3 से अनलिमिटेड एनर्जी या स्पेस टूरिज्म जहां आप वीकेंड पर चंद्रमा घूम आएं। स्पेसएक्स जैसे प्राइवेट प्लेयर्स (एलन मस्क की टीम) स्टारशिप से इसे रियलिटी बना रहे हैं। भारत का अगला चंद्रयान–4 भी सैंपल रिटर्न पर फोकस करेगा। ये सिर्फ साइंस नहीं, बल्कि ग्लोबल कोऑपरेशन का उदाहरण है–अमेरिका, यूरोप, जापान, भारत सब साथ में आर्टेमिस एकोड्स पर साइन कर चुके हैं।

खोज

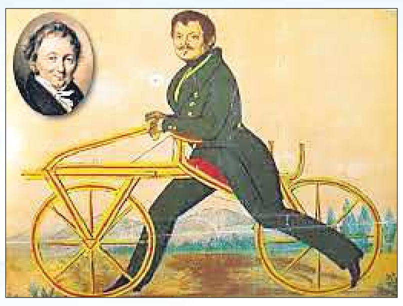

कार्ल ड्राइस- साइकिल के जनक

साइकिल मानव इतिहास का एक महत्वपूर्ण और उपयोगी आविष्कार है, जिसने परिवहन की दुनिया में क्रांति ला दी। साइकिल का प्रारंभिक आविष्कार जर्मनी के कार्ल ड्राइस ने वर्ष 1817 में किया था। उनकी बनाई गई साइकिल को ड्राइसिन या रनिंग मशीन कहा जाता था। इसमें पैडल नहीं होते थे और इसे पैरों से जमीन पर धक्का देकर चलाया जाता था। यह सरल साधन होने के बावजूद अपने समय में एक बड़ी उपलब्धि थी।

समय के साथ साइकिल में कई सुधार हुए। उन्नीसवीं सदी के मध्य में फ्रांस के आविष्कारकों ने इसमें पैडल जोड़े, जिससे इसे चलाना अधिक आसान और तेज हो गया। इसके बाद पहियों के आकार, संतुलन और सीट की बनावट में बदलाव किए गए। 1885 में जॉन केम्प स्टार्ले ने आधुनिक साइकिल जैसी संरचना विकसित की, जिसमें समान आकार के पहिए और चेन ड्राइव प्रणाली शामिल थी।

आज साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और खेल का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। यह प्रदूषण रहित, सस्ती और सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी है। साइकिल का आविष्कार मानव की रचनात्मक सोच और सतत विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

वैज्ञानिक परिचय

कार्ल ड्राइस का पूरा नाम कार्ल फ्रेडरिक क्रिश्चियन लुडविग ड्राइस था। वे एक जर्मन आविष्कारक, इंजीनियर और बैरन थे, जिन्हें विश्व में साइकिल का जनक माना जाता है। उनका जन्म 29 अप्रैल 1785 को जर्मनी के कार्लजूए शहर में हुआ और उनका निधन 10 दिसंबर 1851 को हुआ।

कार्ल ड्राइस मूल रूप से वानिकी विभाग से जुड़े थे, लेकिन उनकी गहरी रुचि यांत्रिक आविष्कारों में थी। वर्ष 1817 में उन्होंने दो पहियों वाला एक नया वाहन बनाया, जिसे "ड्राइसिन" या "रनिंग मशीन" कहा गया। यह बिना पैडल की साइकिल थी, जिसे चलाने के लिए व्यक्ति पैरों से जमीन पर धक्का देता था। यह उस समय का एक क्रांतिकारी आविष्कार था, क्योंकि इससे घोड़ों पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ा।

माउंट एवरेस्ट जितना एक चम्मच न्यूट्रॉन स्टार का भार

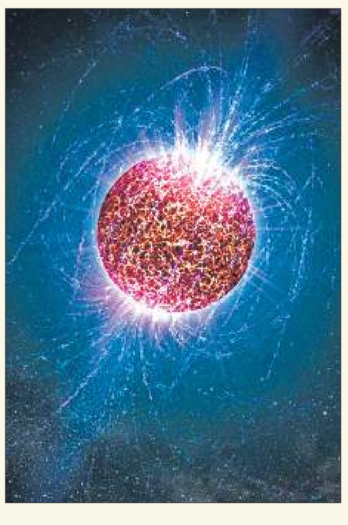

वैज्ञानिक फैक्ट

न्यूट्रॉन तारों के बारे में आपने शायद सुना हो और अगर नहीं सुना, तो जानना और भी दिलचस्प है। न्यूट्रॉन तारा किसी अत्यंत विशाल तारे के सुपरनोवा (महाविस्फोट) के बाद उसके गुरुत्वीय पतन से बनने वाला अवशेष होता है। यह ब्रह्मांड की सबसे रहस्यमयी और घनी वस्तुओं में से एक है। न्यूट्रॉन तारे लगभग पूरी तरह न्यूट्रॉन कणों से बने होते हैं। इनका आकार अपेक्षाकृत बहुत छोटा लगभग एक शहर जितना होता है, लेकिन इनका द्रव्यमान सूर्य से भी अधिक हो सकता है। यही कारण है कि इनकी घनता कल्पना से परे होती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, न्यूट्रॉन तारे के पदार्थ का केवल एक चम्मच वजन लगभग 6 अरब टन (6 बिलियन टन) हो सकता है। इसे समझने के लिए एक उदाहरण लें– इतना भार लगभग पृथ्वी के सबसे ऊंचे पर्वत, माउंट एवरेस्ट के बराबर माना जाता है। इतनी अत्यधिक घनता के कारण न्यूट्रॉन तारों पर गुरुत्वाकर्षण असाधारण रूप से शक्तिशाली होता है। वहां भौतिकी के नियम भी हमारी पृथ्वी से बिल्कुल अलग तरह से काम करते हैं। यही वजह है कि न्यूट्रॉन तारे आज भी खगोल वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के लिए शोध और जिज्ञासा का बड़ा विषय बने हुए हैं।

रोचक किस्सा

एमके-अल्ट्रा की छाया में एक वैज्ञानिक

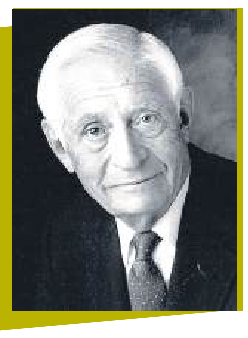

जोस डेलगाडो की तरह ही रॉबर्ट जी. हीथ भी मानव मन के नियंत्रण और प्रभाव के क्षेत्र में सक्रिय थे, हालांकि उनका दृष्टिकोण अलग था। जहां डेलगाडो पर प्रभुत्व और नियंत्रण को लेकर जुनून का आरोप लगाया जाता है, वहीं हीथ का ध्यान मुख्यतः आनंद और पीड़ा से जुड़े मस्तिष्कीय रिसेप्टर्स पर केंद्रित था। न्यू ऑरलियन्स स्थित तुलाने विश्वविद्यालय में कार्य करते हुए, हीथ ने यह पाया कि मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित कर वे लोगों में तीव्र आनंद की अनुभूति उत्पन्न कर सकते हैं। कुछ प्रयोगों में उन्होंने इलेक्ट्रोड के साथ एक पतली नली के माध्यम से एसिटाइलकोलाइन नामक रसायन सीधे मस्तिष्क में प्रवाहित किया। इसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों ने अत्यंत प्रबल सुखानुभूति की सूचना दी, जो कभी-कभी लंबे समय तक बनी रहती थी। इसके विपरीत, जब मस्तिष्क के दर्द से जुड़े केंद्रों को सक्रिय किया गया, तो कुछ व्यक्तियों को तीव्र पीड़ा का अनुभव हुआ। एक प्रतिभागी के शब्दों में-"यह मुझे पूरी तरह जकड़ लेता है, मैं असहनीय बेचैनी महसूस करता हूं।" हीथ के कार्यों को लेकर वर्षों से विवाद रहा है। कुछ शोधकर्ताओं और इतिहासकारों का मानना है कि उनका संबंध अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के कुख्यात 'एमके-अल्ट्रा' परियोजना से हो सकता है। यद्यपि इस संबंध को लेकर ठोस प्रमाण सीमित हैं, लेकिन उपलब्ध परिस्थितियों को देखते हुए इस धारणा को पूरी तरह नकारना भी आसान नहीं माना जाता। रॉबर्ट जी. हीथ का कार्य आज भी न्यूरोसाइंस के इतिहास में एक जटिल और विवादास्पद अध्याय के रूप में देखा जाता है, जहां वैज्ञानिक जिज्ञासा, नैतिकता और सत्ता की सीमाएं आपस में टकराती दिखाई देती हैं।

सौर ऊर्जा से प्रदूषण को काबू करना संभव

सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत है और यह ऊर्जा का एक प्राकृतिक स्त्रोत भी है। सच तो यह है कि सौर ऊर्जा (अक्षय ऊर्जा) सूर्य से प्राप्त होने वाली प्राकृतिक तथा जिसका कभी क्षय नहीं होता और असीम ऊर्जा है। यह ऊर्जा न केवल हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी के ही अनुकूल है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने का सबसे विश्वसनीय साधन भी है। अक्षय ऊर्जा (रिनिवेबल एनर्जी) वे ऊर्जा स्रोत हैं, जो हमें प्रकृति से निरंतर रूप से प्राप्त होते हैं और कभी भी समाप्त नहीं होते हैं। इन्हें बार–बार इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से पुन: उत्पन्न हो जाती हैं। भौगोलिक दृष्टि से भारत दक्षिण एशिया या यूं कहें कि भारत मुख्यत: उत्तरी उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) कटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है। यही कारण है कि हमारे देश में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में औसतन 300 से अधिक दिन सूर्य की रोशनी रहती है, जिससे बड़े पैमाने पर सौर बिजली उत्पादन संभव है।

सुनील कुमार महला
लेखक

भारत में सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई सौर योजनाएं (सोलर स्कीम्स) चलाई जा रही हैं। इनका उद्देश्य अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देना, बिजली की कमी को दूर करना और प्रदूषण कम करना है। पिछले कुछ समय से सरकार ने 'राष्ट्रीय सौर मिशन' (2010) और 'कुसुम योजना' (2019), सौर छत योजना (ग्रिड कनेक्टेड रूफटोप सोलर स्कीम), सोलर पार्क योजना, सौर स्ट्रीट लाइट योजना, देशभर में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को आसान बनाने के लिए 'सरल पोर्टल' जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से किसानों और आम नागरिकों को सौर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। आज सौर ऊर्जा से न केवल घरों और उद्योगों को बिजली मिल रही है, बल्कि गांवों में सिंचाई और रोशनी की व्यवस्था भी हो रही है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की पहल पर 2015 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर एलायंस) यानी कि आईएस का भी गठन किया गया है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है और हमारे देश की यह उपलब्धि भारत की अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती प्रगति का प्रतीक है।

आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता लगभग 82 गीगावॉट से भी कहीं ज्यादा तक पहुंच चुकी है, जबकि 2014 में यह केवल 2.6 गीगावॉट थी। अन्य आंकड़े भारत की सौर

ऊर्जा क्षमता 125 गीगावॉट तक बताते हैं। इस तेज वृद्धि के साथ भारत अब चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर है। दरअसल सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक कुल विद्युत उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा अक्षय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त किया जाए। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी हैं। भारत की यह उपलब्धि न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने की वैश्विक प्रतिबद्धता को भी मजबूत बनाती है। यह उपलब्धि ऐसे दौर में हासिल हुई है, जब दुनियाभर में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कुल ऊर्जा में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी भी बढ़कर 8.8 फीसदी पहुंच गई है।

सोलर एनर्जी के फायदे

सोलर एनर्जी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि इससे देश को विदेशी ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है और देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होता है। इतना ही नहीं, सोलर एनर्जी दूरदराज इलाकों में बिजली पहुंचाने का सस्ता और सरल तरीका है तथा इससे ग्रामीण विकास में मदद मिलती है। सोलर एनर्जी से जहां एक ओर रोजगार के अवसर पैदा होते हैं, वहीं दूसरी ओर बंजर जमीन पर सोलर प्लांट लगाकर उसे उपयोगी बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, सोलर एनर्जी में दीर्घकालिक निवेश (लॉन्ग टाइम इन्वेस्टमेंट) लाभ भी मिलता है। हालांकि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अभी भी हमारे देश को ग्रिड स्थिरता, भंडारण एकीकरण और वित्तीय व्यवहार्यता में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह है कि वर्ष 2018 की सौर ऊर्जा क्षमता 21.6 गीगावॉट से बढ़कर जून 2023 तक 70.10 गीगावॉट हो गई और भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 280 गीगावॉट सौर क्षमता प्राप्त करना है, जो उसके 500 गीगावॉट नवीकरणीय लक्ष्य का आधार होगा।

कार्बन उत्सर्जन एक बड़ी समस्या

आज कार्बन उत्सर्जन एक बहुत बड़ी समस्या बनती चली जा रही है। ऐसे में कार्बन उत्सर्जन के संकट पर काबू पाने के लिए दुनियाभर में गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है और इस दिशा में हमारे देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। गौरतलब है कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत सदैव नायाब पहलें करता रहा है और केंद्र सरकार की ओर से शुरू किए गए विभिन्न अभियानों ने इन प्रयासों को गति दी है, लेकिन इन तमाम प्रयासों के बावजूद देश की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता में करीब–करीब आधी क्षमता की कोयला और गैस आधारित विद्युत परियोजनाएं हैं। कोयला और गैस आधारित परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन का मुख्य स्रोत हैं। इनसे भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित होती हैं। वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग में इनका योगदान अत्यधिक होता है। वास्तव में, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर भी इनके नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा (सौर ऊर्जा) की ओर संक्रमण इन्हें कम करने का समाधान है। हालांकि आज भी सौर ऊर्जा क्षेत्र में अनेक चुनौतियां विद्यमान हैं। मसलन, सौर पैनलों की उच्च प्रारंभिक लागत निवेशकों के लिए बाधा बनती है। मौसम और जलवायु पर निर्भरता उत्पादन को अस्थिर बना देती है। पर्याप्त भूमि की कमी, खासकर शहरी क्षेत्रों में, विस्तार में रुकावट डालती है। सौर पैनलों का जीवनकाल और कार्यक्षमता धीरे–धीरे घटती है। ऊर्जा भंडारण (बैटरी) की लागत और क्षमता सीमित है। ग्रिड से कनेक्टिविटी और तकनीकी इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी समस्या पैदा करती है। उत्पादन और अपशिष्ट प्रबंधन में पर्यावरणीय चुनौतियां होती हैं। इतना ही नहीं, नीति और वित्तीय प्रोत्साहनों में असंगति निवेश को प्रभावित करती है। इन सभी के बीच आज जरूरत इस बात की है कि आवासीय प्रयोजन से सौर ऊर्जा के अधिकाधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जाए तथा घरों में रूफटॉप सोलर का अपेक्षा के अनुरूप विस्तार पर बल दिया जाए।

जंगल की दुनिया

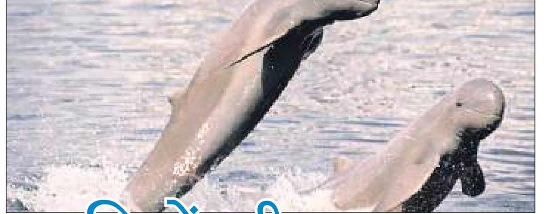

नदियों की मुस्कान इरावदी डॉल्फिन

इरावदी डॉल्फिन एक अत्यंत सुंदर और दुर्लभ जलीय स्तनपायी जीव है। यह मछली नहीं, बल्कि डॉल्फिन परिवार की सदस्य है और इसमें आंखें होती हैं, हालांकि इसकी आंखें अपेक्षाकृत छोटी होती हैं। यह प्रजाति वर्तमान में अति संकटापन्न (Endangered) श्रेणी में आती है। इरावदी डॉल्फिन की मुख्य रूप से दो प्रजातियां मानी जाती हैं– इरावदी डॉल्फिन और स्नब–फिन डॉल्फिन इस प्रजाति का नाम म्यांमार की प्रसिद्ध इरावदी नदी के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह नदी इनका प्रमुख प्राकृतिक आवास है। इरावदी नदी में ये डॉल्फिन बड़ी संख्या में पाई जाती हैं।

विश्व स्तर पर इरावदी डॉल्फिनों की कुल संख्या 7,500 से भी कम आंकी गई है। इनमें से लगभग 6,400 इरावदी डॉल्फिन बांग्लादेश में पाई जाती हैं, जो इस प्रजाति का सबसे बड़ा आवास क्षेत्र माना जाता है। पर्यटन और स्थानीय रोजगार से जुड़ी होने के कारण कंबोडिया में इरावदी डॉल्फिन को एक पवित्र जीव के रूप में भी सम्मान दिया जाता है। डॉल्फिन सामान्यत: दुनिया के सभी समुद्रों में पाई जाती हैं और भूमध्यसागर में इनकी संख्या सर्वाधिक मानी जाती है। पूरे विश्व में डॉल्फिन की लगभग 40 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से मीठे पानी की डॉल्फिन की चार प्रमुख प्रजातियां हैं।

भारत में मीठे पानी की डॉल्फिन को वर्ष 2009 में 'राष्ट्रीय जलीय जीव' घोषित किया गया। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानीय भाषा में इन्हें 'सूसु' या 'सूस' कहा जाता है। यह प्रजाति नदियों के पारिस्थितिक संतुलन की सेहत का महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	85,188.60	26,146.55
गिरावट/बढ़त	32	16.95
प्रतिशत में	0.04	0.06

सोना 1,38,340 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,37,4000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

इरेडा का ऋण वितरण 44 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान ऋण वितरण 44% बढ़कर 24,903 करोड़ रुपये रहा। इरेडा ने अप्रैल-दिसंबर 2024 में 17,236 करोड़ का ऋण वितरित किया था। कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में स्वीकृत ऋण राशि 40,100 करोड़ रही जो एक वर्ष पहले के 31,087 करोड़ की तुलना में 29% की वृद्धि दर्शाती है। ऋण पुस्तिका 31 दिसंबर 2025 तक 87,975 करोड़ रही जो 31 दिसंबर 2024 के 68,960 करोड़ की तुलना में 28% अधिक है। इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप दास ने इसकी पुष्टि की।

बिजली खपत 7% बढ़कर 138.39 अरब यूनिट

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड से हीटर और गीजर जैसे उपकरणों के इस्तेमाल में बढ़ोतरी से दिसंबर में बिजली की खपत 7% बढ़कर 138.39 अरब यूनिट हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 129.39 अरब यूनिट थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में पूरी की गई अधिकतम बिजली मांग या अधिकतम आपूर्ति भी बढ़कर 241.20 गीगावाट हो गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 224.23 गीगावाट थी। बिजली की अधिकतम मांग मई 2024 में अब तक के उच्चतम स्तर 250 गीगावाट तक पहुंच गई थी। इससे पहले सितंबर 2023 में अधिकतम मांग का पिछला रिकॉर्ड 243.27 गीगावाट दर्ज किया गया था।

गेहूं की बुवाई पूरी, फसल की स्थिति बेहतर: आयुक्त

नई दिल्ली। कृषि आयुक्त पीके सिंह ने गुरुवार को कहा कि देश में मौजूदा रबी सत्र के लिए गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है और फसल की स्थिति बेहतर नजर आ रही है। चालू वर्ष 2025-26 की रबी (शीतकालीन) मौसम में 29 दिसंबर तक 3.23 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की गई। कृषि आयुक्त ने कहा कि बिहार के कुछ हिस्सों को छोड़कर बाकी जगह गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है। कुल रकबा पिछले साल के स्तर तक पहुंच सकता है। बोए गए 73% से अधिक क्षेत्र में जलवायु-प्रतिरोधी और जैव-संरक्षित बीज की बुवाई की गई है जो मौसम की किसी भी गड़बड़ी का सामना करने में सहायक होंगी। समय पर और जल्दी बुवाई के कारण गेहूं की फसल की संभावनाएं उज्ज्वल हैं और वर्तमान में यह उत्कृष्ट स्थिति में है।

एक फरवरी से तंबाकू उत्पाद हो जाएंगे महंगे

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर

नई दिल्ली, एजेंसी

- तंबाकू उत्पादों पर 40 और बीड़ी पर 18 प्रतिशत लगेगा जीएसटी
- गुटखा पर 91, तंबाकू व जर्दा पर 82 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

- सिगरेट की प्रति 1,000 स्टिक पर 2,050 से लेकर 8,500 रुपये तक लगेगा कर

तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क व पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 1 फरवरी से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय की ओर से 31 दिसंबर 2025 को जारी अधिसूचनाओं के अनुसार, तंबाकू और पान मसाले पर लगने वाले नए कर, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त होंगे। ये उस क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे जो वर्तमान में हानिकारक उत्पादों पर लगाया जा रहा है।

अधिसूचना के अनुसार, 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट, तंबाकू और इस तरह के उत्पादों पर 40% जीएसटी लगेगा जबकि बीड़ी पर 18% जीएसटी है। पान मसाला पर स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगाया जाएगा जबकि तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। तंबाकू उत्पादों (तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा सुगंधित तंबाकू, गुटखा) के लिए एक नई एमआरपी-आधारित मूल्यांकन प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर जीएसटी तय किया जाएगा। गुटखा पर 91%, चबाने वाले तंबाकू और जर्दा सुगंधित तंबाकू पर 82% अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा। सिगरेट की लंबाई व फिल्टर के आधार पर प्रति 1,000 स्टिक पर 2,050 रुपये से लेकर 8,500 रुपये तक का कर लगेगा। उत्पाद शुल्क से प्राप्त धनराशि का पुनर्वितरण वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों के बीच किया जाएगा।

केंद्र सरकार का कर राजस्व, विभाज्य निधि का हिस्सा है जिसका 41% राज्यों से साझा किया जाता है। पान मसाला उत्पादन इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर स्वास्थ्य उपकर लगाया जाएगा। इससे प्राप्त राजस्व का एक हिस्सा स्वास्थ्य जागरूकता या अन्य स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के माध्यम से राज्यों से साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने संसद में कहा था कि इस स्वास्थ्य उपकर का उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व के दो क्षेत्रों, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समर्पित एवं अनुमानित संसाधन प्रवाह बनाना है।

पान मसाला, सिगरेट, चबाने वाला तंबाकू, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू सहित सभी तंबाकू उत्पादों पर वर्तमान में 28 प्रतिशत जीएसटी और अलग-अलग दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। एक फरवरी से जीएसटी की दर बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाएगी। साथ ही उत्पाद शुल्क एवं क्षतिपूर्ति उपकर भी लागू होगा। वित्त मंत्रालय ने चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू व गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 को भी बुधवार को अधिसूचित किए। संसद ने पान मसाला पर उपकर और तंबाकू पर उत्पाद शुल्क लगाने की पिछले महीने मंजूरी दे दी थी।

विनिर्माताओं को सीसीटीवी लगवाना और फुटेज दो साल तक रखना अनिवार्य

तंबाकू, जर्दा, सुगंधित तंबाकू और गुटखा बनाने वाली कंपनियों को 1 फरवरी से सभी पैकिंग मशीनों पर सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और उसकी फुटेज को दो साल तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित तंबाकू (चबाने वाला), जर्दा, सुगंधित तंबाकू और गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता तय और शुल्क संग्रह) नियम के तहत यह प्रावधान किया गया है। यह नियम उन विनिर्माताओं पर लागू होंगे जो इन उत्पादों को पाउच में पैक करते हैं। हालांकि टिन के डिब्बों में इन उत्पादों की बिक्री करने वाली कंपनियों को आकलन मूल्य पर लागू शुल्क देना होगा। यदि कोई पैकिंग मशीन लगातार 15 दिनों तक बंद रहती है, तो विनिर्माता उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकता है।

पान मसाला पर उपकर से रुकेगी कर चोरी

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माण पर जीएसटी के साथ मशीन एवं क्षमता पर आधारित उपकर लगने से एक व्यापक कर ढांचा तैयार होगा, जिससे कर चोरी की पहचान होने के साथ राजस्व की सुरक्षा भी हो सकेगी। एक फरवरी से व्यवस्था में बदलाव करते हुए जीएसटी को पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के आधार पर लगाया जाएगा जबकि उपकर को विनिर्माता की स्थापित उत्पादन क्षमता के आधार पर वसूला जाएगा। जीएसटी और उपकर के जरिये मूल्य और क्षमता से जुड़े दो अलग-अलग डेटा समूह उपलब्ध होंगे। इन दोनों डेटा समूह का मिलान पान मसाला और धुआंरहित तंबाकू जैसे उच्च क्षेत्रों में कर चोरी की गुंजाइश को काफी हद तक कम करेगा।

पीएफआरडीए ने बैंकों को एनपीएस प्रबंधन के लिए पेंशन कोष बनाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। पेंशन नियामक पीएफआरडीए ने गुरुवार को बैंकों को प्रमुख पेंशन योजना एनपीएस के लिए पेंशन कोष स्थापित करने की अनुमति दे दी। यह कदम प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और ग्राहक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। मौजूदा नियमों के तहत बैंकों की पेंशन कोष के प्रायोजन में भागीदारी सीमित है। पेंशन कोष वह मध्यस्थ होता है जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के सदस्य से योगदान प्राप्त करता है, उसका संचय करता है और नियमों के अनुरूप भुगतान करता है।

- मौजूदा नियमों के तहत बैंकों की पेंशन कोष के प्रायोजन में भागीदारी सीमित

पीएफआरडीए ने कहा कि निदेशक मंडल ने अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को स्वतंत्र रूप से पेंशन कोष स्थापित करने की रूपरेखा को सैद्धांतिक मंजूरी दी है ताकि पेंशन परिवेश मजबूत हो, प्रतिस्पर्धा बढ़े एवं ग्राहकों के हित सुरक्षित हों। नई रूपरेखा में बैंकों के लिए शुद्ध संपत्ति, बाजार पूंजीकरण और वित्तीय सुदृढ़ता एवं सुरक्षित प्रबंधन जैसे स्पष्ट पात्रता मानदंड शामिल हैं ताकि मजबूत वित्तीय स्थिति वाले और प्रणालीगत दृष्टि से सक्षम बैंक ही पेंशन कोष प्रायोजित कर सकें। पीएफआरडीए ने कहा कि पात्रता मानदंड की विस्तृत जानकारी अलग से जारी की जाएगी और यह नए एवं मौजूदा पेंशन कोष दोनों पर लागू होगी।

बीएसएनएल ने देश के सभी सर्कलों में शुरू की वाई-फाई कॉलिंग सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी

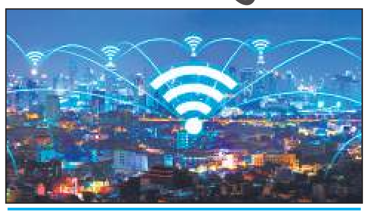

- सुविधा के लिए किसी दूसरे एप के इस्तेमाल की जरूरत नहीं

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने नव वर्ष पर पूरे देश में वॉयस ओवर वाई-फाई (वीओ वाई-फाई) सेवा शुरू करने की घोषणा की है और इसके लिए किसी दूसरे एप के इस्तेमाल की जरूरत नहीं होगी। संचार मंत्रालय के अनुसार, देश की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता सरकारी कंपनी बीएसएनएल की यह वाई-फाई कॉलिंग सुविधा देश के प्रत्येक दूरसंचार सर्कल में सभी बीएसएनएल ग्राहकों के लिए उपलब्ध हो गयी है।

बयान में कहा गया कि चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी यह लोगों को निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली संपर्क सुविधा सुनिश्चित करती है। वीओ वाई-फाई ग्राहकों को वाई-फाई नेटवर्क पर वॉयस कॉल और संदेश भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देता है, जिससे घरों, कार्यालयों, बेसमेंट और दूरदराज के स्थानों जैसे कमजोर मोबाइल सिग्नल वाले क्षेत्रों में स्पष्ट और विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। वीओ वाई-फाई आईएमएस-आधारित एक सेवा है जो वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच निर्बाध हस्तांतरण का समर्थन करती है। इसमें कॉल ग्राहक के वर्तमान मोबाइल नंबर और फोन डायलर का उपयोग करके किए जाते हैं जिसके लिए तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। मंत्रालय का कहना है कि यह सेवा ग्रामीण और दूरदराज के उन क्षेत्रों में विशेष रूप से लाभप्रद है जहां मोबाइल कवरेज सीमित होती है बशर्ते बीएसएनएल भारत फाइबर या किसी अन्य ब्रॉडबैंड सेवा जैसी एक स्थिर वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। वीओ वाई-फाई अधिकांश आधुनिक स्मार्टफ़ोन पर समर्थित है। ग्राहकों को अपने हैंडसेट की सेटिंग्स में वाई-फाई कॉलिंग को सक्षम (इनेबल) करना होगा। इस सुविधा के संबंध में कंपनी ने हेल्पलाइन नंबर- 18001503 की एक सुविधा भी प्रदान की है।

गेल गैस ने सीएनजी, घरेलू पीएनजी की कीमतें घटाईं

नई दिल्ली, एजेंसी

- गेल से पहले आईजीएल व थिंक गैस ने की है कीमतों में कटौती

गेल गैस लिमिटेड ने गुरुवार को घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) और सीएनजी की कीमतों में क्रमशः एक रुपये प्रति मानक घन मीटर और एक रुपये प्रति किलो की कटौती करने की घोषणा की। गैस कीमतों में कटौती का यह कदम पाइपलाइन शुल्क में हाल ही में किए गए समायोजन के बाद उठाया गया है।

एक दिन पहले ही शहरी गैस वितरक कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली और एनसीआर में घरेलू पीएनजी की कीमतों में 0.70 रुपये प्रति घन मीटर की कटौती की थी। थिंक गैस ने भी सीएनजी में 2.50 रुपये प्रति किलो और पीएनजी में पांच रुपये प्रति घन मीटर तक की कटौती की की थी। गेल इंडिया के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी गेल गैस लिमिटेड ने कहा कि गैस की नई कीमतें गुरुवार से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा में लागू हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय और नियामक पीएनजीआरबी लगातार प्रगतिशील नीतिगत उपाय लागू कर रहे हैं, जो सीएनजी और घरेलू पीएनजी बाजार के विकास के लिए अनुकूल और वित्तीय रूप से स्थायी माहौल तैयार कर रहे हैं। पीएनजीआरबी ने पाइपलाइन के लिए युक्तिसंगत शुल्क संरचना की घोषणा की थी। 1 जनवरी से इसके प्रभावी होने से परिवहन सस्ता हो जाएगा।

वीआईएल पर 638 करोड़ का लगा जीएसटी जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- दूरसंचार कंपनी आदेश से असहमत, लेगी कानूनी मदद

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) को अहमदाबाद के केंद्रीय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यालय से 638 करोड़ रुपये के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इस आदेश से असहमत है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। यह सूचना उस समय आई है जब कर्ज में डूबी कंपनी को बुधवार को अपने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर बड़ी राहत मिली है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वीआईएल के बकाया को रोकने, भुगतान से पांच साल की मोहलत देने और सीमित एजीआर बकाया की पुनः समीक्षा करने का निर्णय लिया। बीएसई में दी गई सूचना में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत आदेश जारी किया गया है, जिसमें 6,37,90,68,254 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसमें कर और ब्याज भी शामिल है। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि यह आदेश अहमदाबाद के केंद्रीय कार्यालय के सहायक आयुक्त द्वारा जारी किया गया और कंपनी को बुधवार को यह प्राप्त हुआ।

स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स

निश्चित रिटर्न रहेगा बरकरार

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। सरकारी आदेश के मुताबिक, 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक पोस्ट ऑफिस की सभी छोटी बचत योजनाओं पर वही ब्याज दरें लागू रहेंगी, जो पिछली यानी तीसरी तिमाही में थीं। ऐसे समय में जब आरबीआई रेपो रेट में बड़ी कटौती कर चुका है और बैंक एफडी समेत कई निवेश विकल्पों पर ब्याज घटा है, सरकार का यह फैसला निवेशकों के लिए राहत भरा माना जा रहा है। खासकर वे लोग जो सुरक्षित और निश्चित रिटर्न वाली योजनाओं पर निर्भर रहते हैं, उनके लिए यह फैसला काफी अहम है।

निवेशकर्ताओं को बड़ी राहत

केंद्र सरकार ने स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में निवेश करने वालों को बड़ी राहत देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में ब्याज दरों को यथावत रखने का निर्णय लिया है। सरकार की ओर से जारी किए गए आदेश के अनुसार, 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होगा और इस पर तीसरी तिमाही की दरें ही लागू रहेंगी।

स्कीम्स की दरों में कोई बदलाव नहीं

इससे पहले बाजार में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि सरकार कुछ छोटी बचत की योजनाओं की ब्याज दरों में कटौती कर सकती है। इसकी वजह यह थी कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साल 2025 में रेपो रेट में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। रेपो रेट घटने के बाद सभी बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट समेत कई जमा योजनाओं की ब्याज दरों को कम कर दिया हैं। ऐसे माहौल में स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की दरों में कोई बदलाव न करने के सरकार के लिए फैसले ने निवेशकों को बड़ी राहत दी है।

अनिश्चितता के बीच ब्याज दरों में स्थिरता

सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब महंगाई और ब्याज दरों को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। ब्याज दरों में स्थिरता से उन निवेशकों को खास फायदा होगा, जो जोखिम से बचकर सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं। विशेष रूप से सीनियर सिटीजन, रिटायर्ड कर्मचारी और छोटे निवेशक, जो अपनी नियमित आय और बचत के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स पर निर्भर रहते हैं। सरकारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि लगातार दूसरी तिमाही में इन योजनाओं की दरों को स्थिर रखा गया है। यह कदम सरकार की उस नीति को दर्शाता है, जिसके तहत छोटी बचत योजनाओं को बाजार की अत्यधिक अस्थिरता से बचाकर निवेशकों को भरोसेमंद रिटर्न देने की कोशिश की जाती है।

रेपो रेट से छोटी बचत का कोई संबंध नहीं

डाक खाने की छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें सीधे तौर पर आरबीआई के रेपो रेट से नहीं जुड़ी हुई होतीं। सरकार इन योजनाओं के दरों को तय करने के लिए 10 साल के सरकारी बॉण्ड की यील्ड, महंगाई दर और अन्य मैक्रो-इकॉनॉमिक फैक्टर्स को ध्यान में रखती है। यही कारण है कि रेपो रेट में कटौती के बावजूद स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की दरों को स्थिर रखा गया है। इसलिए रेपो रेट और छोटी बचत योजनाओं से कोई सीधा संबंध नहीं होता है।

चौथी तिमाही में भी मिलेगा तीसरी तिमाही वाला ब्याज

सरकार के इस फैसले का असर पोस्ट ऑफिस की सभी प्रमुख योजनाओं पर पड़ेगा। इनमें पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी), किसान विकास पत्र (केवीपी), सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट शामिल हैं। इन सभी योजनाओं पर चौथी तिमाही में भी वही ब्याज मिलेगा, जो तीसरी तिमाही में मिल रहा था।

बीमा कंपनियों की उच्च लागत वाली वितरण रणनीति से प्रीमियम बढ़ा : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बीमा क्षेत्र में संरचनात्मक दबावों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बीमा प्रीमियम में वृद्धि अब संचालन दक्षता के बजाय कंपनियों की उच्च-लागत वितरण-प्रेरित रणनीतियों से संचालित हो रही है। आरबीआई की नवीनतम वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल में देखने में आया है कि सतही स्थिरता के बावजूद मध्यम अवधि में निरंतरता और कवरेज विस्तार पर दबाव बन सकता है।

- केंद्रीय बैंक की नवीनतम वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में किया गया खुलासा

मुख्य दबाव उच्च व्यय संरचना, खासकर अधिग्रहण लागत की लगातार उच्च दर के रूप में दिखाई देता है। प्रीमियम वृद्धि अब अधिकतर उच्च-लागत वितरण रणनीतियों के कारण है, परिचालन दक्षता के कारण नहीं। जीवन बीमा क्षेत्र में अग्रिम अधिग्रहण लागत ने यह सुनिश्चित नहीं होने दिया कि पैमाना बढ़ने पर लाभ सीधे पॉलिसीधारक तक पहुंचे। डिजिटलीकरण से होने वाले संभावित लाभ भी अब तक पूरी तरह से हासिल नहीं हुए हैं। यह रिपोर्ट चेतावनी भरे अंदाज में कहती है कि बीमा कंपनियों के लगातार उच्च व्यय लाभांश को कमजोर कर सकते हैं और चक्रीय उतार-चढ़ाव को बढ़ा सकते हैं।

दो लाख करोड़ की उर्वरक सब्सिडी के लिए डिजिटल प्रणाली शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को एकीकृत ई-बिल प्रणाली शुरू की। इससे सरकार दो लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान कर सकेगी। सरकारी बयान के अनुसार, यह प्रणाली मानव संचालित, कागज आधारित लेनदेन से पूरी तरह डिजिटल कामकाज की ओर बदलाव को दिखाता है, जिससे बिलों के आदान प्रदान को खत्म किया जा सकेगा। नड्डा ने पेशकश के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह ऑनलाइन प्रणाली पारदर्शी, प्रभावी और प्रौद्योगिकी संचालित प्रशासन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उर्वरक सचिव, रजत कुमार मिश्रा ने इस पेशकश को विभाग के वित्तीय परिचालन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह पहल उर्वरक विभाग के एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) और वित्त मंत्रालय के महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के बीच एक प्रौद्योगिकीय साझेदारी का नतीजा है। यह प्रणाली खर्चों पर वास्तविक समय पर निगरानी और मजबूत वित्तीय नियंत्रण देता है, जिसमें सभी भुगतानों को केन्द्रीय स्तर पर देखा और रिपोर्ट किया जा सकता है। ई-बिल मंच उर्वरक कंपनियों को ऑनलाइन दावा पेश करने और वास्तविक समय में भुगतान स्थिति का पता लगाने की सुविधा देता है।

कोल इंडिया का उत्पादन 4.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। कोल इंडिया का उत्पादन दिसंबर में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि आपूर्ति में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई। खनन कंपनी ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर दिसंबर 2025 में 7.57 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो वर्ष 2024 के इसी महीने के 7.24 करोड़ टन से अधिक है। हालांकि, इस महीने में उठाव यानी आपूर्ति 6.49 करोड़ टन था, जो दिसंबर 2024 के 6.85 करोड़ टन से कम है। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-दिसंबर) में कोल इंडिया का कुल उत्पादन 2.6 प्रतिशत घटकर 52.92 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्तवर्ष 2024-25 के नौ महीने में 54.34 करोड़ टन था।

सफल परीक्षण किए जाने के बाद जनवरी माह के अंत तक शुरू होगी भारत टैक्सी

नई दिल्ली। देश की सहकारी संस्थाओं के समर्थन वाली ऑनलाइन कैब बुकिंग की सेवा देने वाली भारत टैक्सी जनवरी माह के अंत तक दिल्ली और अन्य शहरों में शुरू की जाएगी। सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित यह डिजिटल मंच दिल्ली में दो दिसंबर, 2024 को प्रायोगिक आधार पर शुरू किया गया था।

- सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ने कहा- परीक्षण चरण के दौरान लोगों से मिला समर्थन

सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज बंसल ने कहा कि परीक्षण चरण के दौरान भारत टैक्सी सेवा को लोगों से अच्छा समर्थन मिला है और इसकी आधिकारिक शुरुआत महीने के अंत तक की जाएगी। इस सेवा के जरिए रोजाना औसतन 5,500 यात्राएं हो रही हैं, जिनमें 4,000 यात्राएं हवाई अड्डे से और 1,500 यात्राएं अन्य स्थानों से हो रही हैं। ये सेवाएं टैक्सी, ऑटो और बाइक श्रेणियों में दी जा रही हैं। अब तक 1.4 लाख से अधिक चालक इस एप पर पंजीकरण करा चुके हैं। सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड को आठ प्रमुख सहकारी संगठनों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें अमूल, इफको, कृभको, नैफेड, एनडीडीबी, एनसीईएल, एनसीडीसी और नाबार्ड शामिल हैं। इसके निदेशक मंडल में दो चुने हुए चालक प्रतिनिधि भी हैं।

उपलब्धि — महिंद्रा, टाटा, टोयोटा और स्कोडा की रिकॉर्ड बिक्री ने तेजी में निभाई अहम भूमिका

यात्री वाहनों की बिक्री ने भरा फर्राटा, रिकॉर्ड 45 .5 लाख वाहन बिके

नई दिल्ली, एजेंसी

- मारुति सुजुकी शीर्ष पर, महिंद्रा और टाटा ने लंबे समय तक दूसरे स्थान पर काबिज रही हुंदै मोटर को पीछे छोड़ क्रमश: दूसरा व तीसरा स्थान पाया

देशभर में पिछले साल कुल 45.5 लाख यात्री वाहनों की थोक बिक्री हुई जो एक साल पहले के 43.05 लाख वाहनों से 6% अधिक है। 2025 की दूसरी छमाही में जीएसटी दरों में कटौती से वाहनों की बिक्री में तेजी आई। बिक्री में आई तेजी की अगुवाई मारुति सुजुकी इंडिया ने की, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और स्कोडा ऑटो इंडिया की रिकॉर्ड बिक्री ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। महिंद्रा और टाटा ने लंबे समय तक दूसरे स्थान पर काबिज रही हुंदै मोटर इंडिया को पीछे छोड़ते हुए क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

उद्योग जगत के मुताबिक, कुछ वर्षों की तरह 2025 में भी स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की मांग मजबूत बनी रही। 2024 में एसयूवी की यात्री वाहन बाजार में हिस्सेदारी 53.8% थी, लेकिन यह पिछले साल बढ़कर 55.8% हो गई। इसके साथ छोटी कारों के खंड में भी जीएसटी दरें कम होने के बाद सुधार के संकेत दिखाई दिए। गुरुवार को जारी बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने 2025 में रिकॉर्ड 18.44 लाख इकाइयों की थोक बिक्री की, जो 2024 के 17.90 लाख वाहनों के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा कि जीएसटी कटौती, 12 लाख रुपये तक आय पर कर राहत और रेपो दर में बड़ी कटौती ने उद्योग के प्रदर्शन को मजबूती दी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्रा ने कहा कि टाटा मोटर्स ने इस दौरान 5,87,218 इकाइयों की बिक्री की, जिसमें 81,125 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) भी शामिल हैं। महिंद्रा के सीईओ नलिनिकांत गोलागुंटा ने बताया कि 2025 में कंपनी ने एसयूवी और 3.5 टन से अधिक हल्के वाणिज्यिक वाहन खंड में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है।

हुंदै मोटर इंडिया ने दिसंबर में 58,702 वाहनों की बिक्री की, जिसमें घरेलू बिक्री 42,416 और निर्यात 16,286 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 3,88,801 वाहनों की बिक्री कर उच्चतम वार्षिक रिकॉर्ड बनाया। स्कोडा ऑटो इंडिया ने पिछले साल 72,665 वाहनों की बिक्री के साथ रिकॉर्ड बनाया जबकि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 70,554 इकाई के साथ 19 प्रतिशत वृद्धि दिखाई। होंडा कार्स इंडिया की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत बढ़कर 5,807 इकाई रही। 2,352 वाहनों का निर्यात भी किया।

छोटी कारों की कीमतें बढ़ाने पर फैसला लेगी : मारुति

नई दिल्ली। अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया अपनी छोटी कारों की कीमतें बढ़ाने की संभावना पर जल्द ही कोई फैसला करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मारुति ने सितंबर में छोटी कारों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती के बाद अपने स्तर पर भी इन वाहनों की कीमतों में कटौती की थी। इसकी वजह से पिछले कुछ महीनों में कंपनी की छोटी कारों की बिक्री बढ़ी है। कंपनी ने एस-प्रेसो मॉडल की कीमतों में 1,29,600 रुपये तक, ऑल्टो के10 मॉडल की कीमतों में 1,07,600 रुपये तक, सेलेरियो मॉडल की कीमतों में 94,100 रुपये तक और वैगन-आर मॉडल की कीमतों में 79,600 रुपये तक की कटौती की थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

एयर मार्शल नागेश कपूर बने वायुसेना उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल नागेश कपूर ने बृहस्पतिवार को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। इस नियुक्ति से पहले उन्होंने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के वायु अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया था। वह एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी का स्थान लेंगे जो चार दशकों तक राष्ट्र की सेवा करने के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हुए। भारतीय वायु सेना ने ' 'एक्स' ' पर एक पोस्ट में कहा, एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक जनवरी 2026 को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। दिसंबर 1986 में भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग ब्रांच में कमीशन प्राप्त करने वाले एयर मार्शल कपूर के पास भारतीय वायु सेना के विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षण विमानों को उड़ाने का व्यापक अनुभव है।

भारत-पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

नई दिल्ली। तीन दशक से अधिक समय से जारी सिलसिले को बरकरार रखते हुए भारत और पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान ऐसे समय हुआ है जब पिछले साल मई में चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने वाले एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ। नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच राजनयिक माध्यम से सूची का आदान-प्रदान एक साथ किया गया। मंत्रालय ने कहा, भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यम से नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया।

नीदरलैंड का मशहूर चर्च वोंडेलकर्क भीषण आग से नष्ट

हेग। नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में स्थित प्रतिष्ठित 'वोंडेलकर्क' चर्च गुरुवार तड़के लगी आग में लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया। नीदरलैंड के सार्वजनिक प्रसारक नीदरलैंड्से ओमरोप स्टिख्टिंग (एनओएस) की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:00 बजे वोंडेलपार्क में स्थित चर्च के टॉवर में आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के दर्जनों घरों को खाली करा लिया गया क्योंकि हवा के कारण जलता हुआ मलबा आसपास की सड़कों पर गिर रहा था। खाली कराए गए निवासियों को अस्थायी रूप से पास के एक योग स्टूडियो में ठहराया गया।

बुल्गारिया की आधिकारिक मुद्रा बना यूरो, अभी लेव भी चलेगी

सोफिया (बुल्गारिया), एजेंसी

बुल्गारिया ने आधिकारिक तौर पर 2026 के पहले दिन से यूरो मुद्रा को अपना लिया है और इसके साथ ही यह यूरो क्षेत्र का 21वां सदस्य बन गया है। यूरोपीय संघ में शामिल होने के ठीक 19 साल बाद देश ने यह मुद्रा अपनाई है।

आधिकारिक घोषणा के मुताबिक जनवरी के अंत तक यूरो के साथ स्थानीय मुद्रा लेव भी भुगतान के वैध माध्यम बनी रहेगी। एक फरवरी से यूरो एकमात्र आधिकारिक मुद्रा बन जाएगा। आठ अगस्त, 2026 तक कीमतें यूरो और लेव दोनों में प्रदर्शित होती रहेंगी। जनवरी 2026 के महीने में, बुल्गारिया में लोग खुदरा दुकानों पर भुगतान के लिए लेव और यूरो दोनों मुद्राओं का उपयोग कर सकेंगे। दुकानदारों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे ग्राहकों को बची हुई राशि केवल एक ही मुद्रा यूरो में वापस करेंगे। यदि यूरो उपलब्ध न हों तभी तो लेव में भुगतान होगा। वर्ष 2026 में नागरिक बुल्गारियाई डाक विभाग की शाखाओं में भी लेव का विनिमय कर सकेंगे, जबकि बुल्गारियाई राष्ट्रीय बैंक लेव को यूरो में निःशुल्क परिवर्तित करने की सुविधा देगा।

और सख्त कदम उठाने की जरूरत

देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की क्रूर हत्या ताजा घटना है जो भारत में नस्लीय हिंसा की गंभीर होती समस्या की ओर से इशारा करती है। पूर्वोत्तर भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा की घटनाएं पहले भी होती रही हैं। इनमें शारीरिक हमले, मौखिक दुर्व्यवहार और सामाजिक बहिष्कार जैसी घटनाएं शामिल हैं। यह एक ऐसा जटिल मुद्दा है जो सांस्कृतिक अंतर और पूर्वाग्रहों से उपजा है। पूर्वोत्तर के लोगों की संस्कृति और शारीरिक बनावट से जुड़े पूर्वाग्रह, ऐतिहासिक अलगाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा इसमें शामिल हैं। भारत सरकार की ओर से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने के साथ कई और कदम उठाए गए हैं लेकिन इनका बहुत ज्यादा प्रभाव फिलहाल देखने में नहीं आ रहा है। एजेंल चकमा की हत्या ने साफ इशारा किया है कि इन घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को और सख्ती दिखानी पड़ेगी।

भारत में नस्लीय हिंसा

हाल-फिलहाल हुई प्रमुख घटनाएं

- अमरावती के रेट्याखेड़ा गांव में 30 दिसंबर 2024 को 77 वर्षीय आदिवासी महिला के साथ अमानवीय हिंसा की गई। काला जादू का आरोप लगाकर पीटा, गर्म सलाखों से दागा और चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमाया।
- मणिपुर में मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा 2025 तक जारी रही। इसमें सैकड़ों लोग मारे गए और 60,000 से अधिक विस्थापित हुए। यह हिंसा भारत की सबसे गंभीर घटना है।
- देहरादून में त्रिपुरा के 24 वर्षीय छात्र एंजेल चकमा और उनके भाई को अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया। विरोध करने पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे पूर्वोत्तर भारत में गुस्से की लहर है।

आधिकारिक रिकॉर्ड

- सरकार ने राज्यसभा में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो मॉब लिंचिंग जैसे मामलों का अलग विशिष्ट डेटा नहीं रखता है।
- नागरिक अधिकार संगठनों के अनुसार जून 2024 से जून 2025 तक भारत में 947 घृणा संबंधी घटनाएं हुईं, सामुदायिक पहचान इनका कारण थी।

भारत सरकार ने उठाए कदम

देश में नस्लीय हिंसा रोकने के लिए कड़े कानून बनाने के साथ विशेष पुलिस सेल भी स्थापित की गई है।

जागरूकता बढ़ाने को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में पूर्वोत्तर के इतिहास और संस्कृति को शामिल किया गया है।

हालांकि इन प्रयासों के बाद भी जमीनी स्तर पर प्रभाव कम रहा है और घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

नस्लीय घटनाओं के जोखिम

नस्लीय हिंसा की घटनाएं राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती हैं, दूसरे देशों को लाभ उठाने का मौका मिलता है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाता है और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

नस्लीय हिंसा के पीड़ितों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और नफरत भी बढ़ती है।

भारत से ज्यादा घटनाएं अमेरिका में

- आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2021 में करीब 700 ऐसी घटनाएं हुईं, अमेरिका में ऐसे 9000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए।
- भारत में वर्ष 2022 में भी 600 से ज्यादा नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई जबकि अमेरिका में इनकी संख्या 10,000 के पार निकल गई।
- वर्ष 2023 में भारत में इस तरह का कोई सरकारी आंकड़ा जारी नहीं किया गया, अमेरिका के रिकॉर्ड में 11,000 घटनाएं दर्ज हुईं।

कच्चा तेल: रूस के बाद वेनेजुएला पर भी ट्रंप सख्त, भारत की बढ़ेगी मुश्किल

वेनेजुएला के 'शैडो फ्लीट' पर अमेरिकी प्रतिबंधों से खरीदना पड़ सकता है महंगा तेल

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी वित्त विभाग की ओर से बुधवार को वेनेजुएला में निकोलस मादुरो की सरकार के 'शैडो फ्लीट' से जुड़ी चार शिपिंग कंपनियों और चार तेल टैंकरों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की गई जिसके बाद निजी क्षेत्र की भारतीय रिफाइनरियां आपूर्ति श्रृंखला में फिर से आए व्यवधान से निपटने की तैयारी कर रही हैं। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि ट्रंप प्रशासन की ओर से रूस और वेनेजुएला दोनों पर कड़ा रुख अपनाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को मध्य पूर्वी उत्पादकों की ओर रुख करना होगा या फिर ज्यादा प्रीमियम पर अमेरिकी शेल तेल की खपत बढ़ानी होगी

शैडो फ्लीट, जिसे डार्क फ्लीट के नाम से भी जाना जाता है, टैंकरों और सहायक जहाजों के एक समूह को दर्शाता है जो प्रतिबंधित या उच्च जोखिम वाली वस्तुओं को स्थानांतरित करने के लिए भ्रामक शिपिंग विधियों का इस्तेमाल कर वास्तविक मूल, स्वामित्व या गंतव्य को छिपाते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे अधिकतम दबाव अभियान के तहत इस कदम का उद्देश्य वेनेजुएला सरकार की वित्तीय आपूर्ति को अवरुद्ध करना है। कहा जा रहा है कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत के लिए यह निर्णय पहले से ही नाजुक ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य को और अधिक जटिल बना सकता है।

दरअसल, ये प्रतिबंध उन जहाजों को निशाना बनाते हैं जिन पर वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल के परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार करने का आरोप है। हालांकि भारत हाल के वर्षों में अपने तेल भंडार में काफी विविधता लाया है फिर भी वेनेजुएला का कच्चा तेल रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी निजी क्षेत्र की भारतीय रिफाइनरियों के लिए एक मुनाफा देने वाला कच्चा माल बना हुआ है। ये रिफाइनरी विशेष रूप से सस्ते और भारी ग्रेड के तेल को संसाधित करने के लिए डिजाइन की गई हैं। उद्योग विश्लेषकों का मानना है कि इन विशिष्ट टैंकरों को अवरुद्ध संपत्ति की सूची में शामिल करने से उपमहाद्वीप के लिए सभी निर्धारित माल परिवहन तत्काल रोक दिया जाएगा।

जहाजरानी आंकड़ों के अनुसार, प्रतिबंधित जहाजों में से कम से कम एक को उन मार्गों पर देखा गया था जिनका उपयोग अक्सर भारत और चीन सहित एशियाई बाजारों को आपूर्ति करने के लिए किया जाता है। भारत के लिए अमेरिका की ओर से लगाए गए इन प्रतिबंधों का समय विशेष रूप से संवेदनशील है।

भारत की ओर से अभी आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं

विदेश मंत्रालय ने हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है लेकिन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि भारत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देना जारी रखेगा। राजधानी दिल्ली स्थित एक ऊर्जा थिंक टैंक के एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, भारत ने हमेशा ऊर्जा सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना है। ट्रंप प्रशासन की ओर से रूस और वेनेजुएला दोनों पर कड़ा रुख अपनाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को मध्य पूर्वी उत्पादकों की ओर रुख करना होगा या संभवत: अधिक प्रीमियम पर अमेरिकी शेल तेल की खपत बढ़ानी होगी।

भारत के लिए सीमित हुए आयात विकल्प

वेनेजुएला को पहले रूसी तेल की कमी को पूरा करने वाले संभावित स्रोत के रूप में देखा जा रहा था, ऐसे में इस नवीनतम कार्रवाई से भारतीय कंपनियों के विकल्प सीमित हो गए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, वित्तीय विभाग मादुरो शासन पर दबाव बनाने के अभियान को जारी रखेगा। हम मादुरो सरकार को अवैध तेल निर्यात से लाभ कमाने की अनुमति नहीं देंगे, जबकि वह अमेरिका में नशीले पदार्थों की भारी खेप भेज रहा है। हाल ही में अमेरिका की ओर से रोसनेफ्ट और लुकोइल जैसे प्रमुख रूसी उत्पादकों पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरी पहले ही रूसी तेल का आयात कम कर रही हैं।

नए साल का स्वागत

नए साल का दुनिया भर में बेहद जोशखरोश के साथ स्वागत किया गया। सिडनी में नववर्ष के समारोह के दौरान आधी रात को हार्बर ब्रिज के ऊपर आकर्षक आतिशबाजी की गई, इसे देखने के लिए यहां हजारों लोग पहुंचे थे।

अफगानिस्तान में बाढ़ से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में कई इलाकों में भारी बारिश से अचानक आई बाढ़ में 17 लोग मारे गए और 11 घायल हो गए।

हालांकि, मौसम की पहली भारी बारिश और हिमपात से लंबे समय से चले आ रहे सूखे का अंत हो गया है। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि भीषण मौसम ने मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में भी दैनिक जीवन को बाधित कर दिया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ ने प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है व मवेशी भी मारे गए हैं।

ईरान में आर्थिक संकट पर विरोध तेज रिवोल्यूशनरी गार्ड' के सदस्य की मौत

दुबई, एजेंसी

- राजधानी तेहरान के बाद राज्यों में भी फैल रहे हैं प्रदर्शन

ईरान के पश्चिमी प्रांत में खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ भड़के विरोध-प्रदर्शन और तेज होने लगे हैं। इस दौरान 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक स्वयंसेवक सदस्य की मौत हो गई। प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों में यह पहली मौत बताई जा रही है।

बुधवार रात 'बासिज फोर्स' के 21 वर्षीय स्वयंसेवक की मौत को लेकर आशंका जताई जा रही है कि इससे प्रदर्शनों के खिलाफ ईरान की सरकार की कार्रवाई और सख्त हो सकती है। इस बीच राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़े हों, लेकिन अन्य प्रांतों में फैल रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के सदस्य की मौत की पुष्टि की। बासिज के करीबी माने जाने वाले 'स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क' ने लोरेस्तान प्रांत के डिप्टी गर्वनर सईद पौराली के हवाले से कहा कि प्रदर्शकारी इस मौत के जिम्मेदार हैं। पौराली के अनुसार, इस शहर में लोक-व्यवस्था की रक्षा के दौरान गार्ड का सदस्य शहीद हो गया।

ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर ली न्यूयॉर्क के महापौर के रूप में शपथ

न्यूयार्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी ने बुधवार आधी रात के बाद मैनहट्टन के एक बंद पड़े मेट्रो स्टेशन की मेहराबदार छत के ठीक सामने सीढ़ियों पर खड़े होकर न्यूयॉर्क शहर के महापौर के रूप में शपथ ली। डेमोक्रेट पार्टी के सदस्य ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली और अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर बने।

ममदानी ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, यह सचमुच मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। विदेशी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह समारोह शहर के मूल मेट्रो स्टेशनों में से एक प्रतिष्ठित सिटी हॉल स्टेशन पर आयोजित किया गया। महापौर के रूप में अपने पहले भाषण में ममदानी ने कहा कि पुराना मेट्रो स्टेशन हमारे शहर की जीवंतता, स्वास्थ्य और विरासत के लिए सार्वजनिक परिवहन के महत्व का प्रमाण है। वह न केवल शहर के पहले मुस्लिम महापौर हैं, बल्कि दक्षिण एशियाई मूल के पहले और अफ्रीका में जन्मे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने न्यूयार्क के महापौर का पद भार संभाला है। मात्र 34 वर्ष की आयु में महापौर बने ममदानी पीढ़ियों में शहर के सबसे युवा महापौर हैं। समारोह के अंत में उन्होंने लोगों को मुस्कुरा कर कहा आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद, अब आपसे बाद में मिलते हैं।

- शहर के पहले मुस्लिम मेयर बने कहा- यह मेरे जीवन का सौभाग्य

रूस के कब्जे वाले खेरसॉन में ड्रोन हमले, 24 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

- आधी रात किए गए हमले के बाद एक कैफे और होटल में लगी आग

यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले एक गांव में यूक्रेनी ड्रोन हमले में 24 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रूस के अधिकारियों के मुताबिक काला सागर तट पर स्थित रिसॉर्ट कस्बे खोरली में एक कैफे और होटल को निशाना बनाते हुए तीन ड्रोन हमले किए गए। एक ड्रोन में ज्वलनशील मिश्रण था, जिससे आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने अभी इस हमले के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

यह घटना ऐसे समय हुई जब दोनों देशों के बीच शांति वार्ता को लेकर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन तनाव लगातार बढ़ रहा है। इस घटना की कई रूसी अधिकारियों ने निंदा की। रूस की संसद के उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल की अध्यक्ष वैलेन्तीना मत्विएन्को ने कहा कि इस हमले ने यूक्रेन पर रूस के लगभग चार साल पुराने आक्रमण में अपने लक्ष्यों को शीघ्र हासिल करने के संकल्प को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, यह हमला एक बार फिर हमारी शुरुआती मांगों की वैधता को दर्शाता है।

बैकफुट पर लोकपाल, सात बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद का विवादित टेंडर रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- भ्रष्टाचार विरोधी संगठनों के साथ विपक्ष ने भी की थी महंगी कारें खरीदने की कड़ी आलोचना

भ्रष्टाचार-रोधी संस्था लोकपाल ने सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए जारी की गई अपनी विवादास्पद निविदा को रद्द कर दिया है। इस निविदा को जारी होने के लगभग दो महीने बाद ही रद्द कर दिया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विपक्षी दलों और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने लोकपाल की ओर से महंगे और उच्च श्रेणी की कारों की खरीद के फैसले की कड़ी आलोचना की थी।

अधिकारियों ने बताया कि खरीद प्रस्ताव को रद्द करने का निर्णय लोकपाल की पूर्ण पीठ के एक प्रस्ताव के बाद लिया गया। लोकपाल ने 16 अक्टूबर, 2025 को लगभग पांच करोड़ रुपये में सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330ली कारों की आपूर्ति के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से निविदाएं आमंत्रित करने के वास्ते प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया था। संस्था में अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएम खानविलकर (सेवानिवृत्त) और छह अन्य सदस्य शामिल हैं।

निविदा में सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330एलआई लंबे व्हीलबेस और सफेद रंग के एम स्पोर्ट मॉडल की खरीद का उल्लेख था। नई दिल्ली में प्रस्तावित कारों की कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था। लोकपाल के इस फैसले की विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस संस्था को शौक पाल करार दिया था, जबकि नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने मांग की थी कि लोकपाल निविदा रद्द करे और भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 18 .53 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

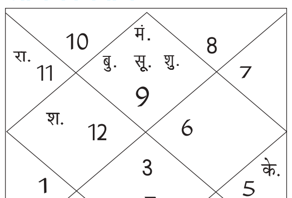

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 20 .04 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष - आज व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। घर का वातावरण काफी अच्छा रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा। कारोबार को लेकर की गई यात्राओं से काफी अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपने खर्चों पर नियंत्रण पाने में सफलता मिलेगी।

वृष - आज परिवार की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वाह करें। धनाभाव के कारण जो काम रुके थे वो शुरू हो सकते हैं। रचनामत्क कार्यों में आप काफी सक्रिय रहेंगे। कानूनी विवादों का समाधान निकल सकता है।

मिथुन - आज संतान के व्यवहार से आप आनंद महसूस करेंगे। आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी। आकस्मिक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। व्यावसायिक परेशानियों का निपटारा होगा। साझेदारी में आप काम शुरू कर सकते हैं।

कर्क - आज समाज में सम्मानित लोगों को कुछ परेशानी का अनुभव होगा। आलस्य के कारण आपके प्रदर्शन में कमी आएगी। आपको जल्दबाजी में आपको निर्णय लेने से बचना चाहिए। गूढ़ विषयों को लेकर नए अनुभव प्राप्त होंगे।

सिंह - आज कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। आपको कुछ शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। अपने विचारों में स्पष्टता रखें। व्यापार में नए साझेदार जुड़ सकते हैं।

कन्या - आज नया निवेश करने से पहले आपको सभी पहलुओं पर विचार कर लेना चाहिए। व्यवसाय में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। आपको जिम्मेदारी वाला पद मिल सकता है। धन के लेन-देन को लेकर समझदारी रखें।

तुला - आज अपेक्षा से अधिक अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। समाज के उच्च वर्ग के लोगों से आपका मेल-मिलाप बढ़ेगा। आपकी दिनचर्या संयमित रहेगी। आपको लोगों से सहायता लेनी पड़ सकती है। बौद्धिक चर्चाओं में आप भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक - आज असंतुलित खानपान के कारण कब्जियत हो सकती है। सबके प्रति सामान्य व्यवहार ही रखें। किसी की भावनाओं का तिरस्कार न करें। स्वार्थवश काम करने के कारण आपकी आलोचना हो सकती है। मित्रों के साथ मनमुटाव हो सकता है।

धनु - आज दोपहर के बाद कहीं घूमने-फिरने की योजना बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपके अनुकूल रहेंगे। अजनबी लोगों पर ज्यादा विश्वास करना हानिकर हो सकता है। लड़कियों के विवाह को लेकर आ रही अड़चनें दूर होंगी।

मकर - आज आप अपने प्रेमी को प्रपोज करने का विचार कर सकते हैं। दूसरों के उलझे मामलों को आपको सुलझाना पड़ेगा। घरेलू खर्चों को लेकर थोड़ा तनाव उभर सकता है। योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ - आज शेयर मार्केट से काफी अच्छा धन लाभ हो सकता है। नई योजनाओं के विषय में मित्रों से चर्चा करेंगे। व्यवसाय में लाभ की स्थितियां बढ़ेंगी। आलस्य और प्रमाद से आपको बचना चाहिए। किसी भी चलते कार्य को अधूरा छोडने की प्रवृत्ति से बचें।

मीन - आज पैतृक संपत्ति के विवादों को लेकर शांत रहना ज्यादा हितकर है। लोग आपकी समस्याओं को हल्के में लेंगे, जिससे आपको बुरा लग सकता है। व्यवसाय में अपेक्षानुकूल परिणाम न मिलने से मन थोड़ा निराश रहेगा।

सुडोकू-20

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	9			3			4	
2	8				5		6	7
		6	4			1		
	6	9	2		3		5	8
8		5			6	4		
	3		5				1	
6					2	9		1
9		3	7				8	
	5			6	9			4

सुडोकू - 19 का हल

6	7	1	2	8	9	4	3	5
3	9	2	5	7	4	6	1	8
4	5	8	1	3	6	9	7	2
2	4	9	8	1	3	5	6	7
7	1	6	4	2	5	3	8	9
5	8	3	6	9	7	2	4	1
8	3	7	9	6	2	1	5	4
9	6	5	7	4	1	8	2	3
1	2	4	3	5	8	7	9	6

“नई शुरुआत और सभी के लिए 2026 खुशहाल हो। जब दिन मुश्किल हो, तो आप पीछे नहीं हटते, आप उठते हैं और इसे फिर से करते हैं। वह उन पलों, लोगों और अनुभवों के लिए शुक्रगुजार हैं जिन्होंने बीते साल को बनाया।
–युवराज सिंह

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार ,2 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

डोप टेस्ट में फेल मिलीं रीतिका टॉप्स से बाहर

नई दिल्ली। डोप कलंकित पहलवान रीतिका हुड्डा को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से बाहर कर दिया गया है, जबकि कंपाउंड तीरंदाज परनीत कौर और अभिषेक वर्मा को कोर समूह में जगह मिल गई है और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर को डेवलपमेंटल सूची में शामिल किया गया है। पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 चक्र के बाद टॉप्स सूची 179 से घटाकर 94 कर दी गई थी। पिछले एक साल के प्रदर्शन को देखते हुए इसमें कुछ और बदलाव किए गए हैं। कोर ग्रुप के खिलाड़ियों की संख्या अब 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा एथलीट हैं। हुड्डा पिछले साल जुलाई में चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट में नाकाम रही थी। वह पिछले साल फरवरी में जारी टॉप्स कोर समूह का हिस्सा थी।

महिला टीम ने किए महाकालेश्वर के दर्शन

उज्जैन। नव वर्ष के अवसर पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख खिलाड़ियों ने गुरुवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर में प्रात:कालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। श्री महाकाल पवन समिति द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी स्मृति मंधाना, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, राधा यादव, शेफाली वर्मा एवं रेणुका सिंह ठाकुर ने भस्म आरती में सहभागिता कर ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के उपरांत मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

स्ट्रेंथ एंव कंडीशनिंग कोच बनेंगे निकोलस

नई दिल्ली। इंग्लैंड के निकोलस ली वुमैन्स प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के समापन के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नए 'स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग' कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे। पांच टीमों वाली डब्ल्यूपीएल का आयोजन नौ जनवरी से पांच फरवरी तक नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाना है। एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को पीटीआई से बातचीत में कहा डब्ल्यूपीएल के बाद निकोलस ली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच का कार्यभार संभालेंगे। डब्ल्यूपीएल के बाद भारतीय महिला टीम 15 फरवरी से नौ मार्च तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जिसमें वह कई प्रारूप की सीरीज खेलेगी।

एशेज के पांचवें टेस्ट में स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम के लिए स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर चार जनवरी से शुरु होने वाले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में, सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। कमिंस, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेल पाए।

यूथ सेलिंग चैंपियनशिप 4 से 10 जनवरी तक

चेन्नई। एसडीएटी 11वीं इंडिया इंटरनेशनल यूथ सेलिंग चैंपियनशिप (आईआईआर) 2026, भारत की सबसे लंबे समय तक चलने वाली और सबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय यूथ सेलिंग रेगाटा, आज चेन्नई में एक हाई-प्रोफाइल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आधिकारिक तौर पर लॉन्च की गई। यह चैंपियनशिप, तमिलनाडु सेलिंग एसोसिएशन (टीएनएसए) की एक इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी है, जो 4 से 10 जनवरी 2026 तक चेन्नई पोर्ट पर होगी, जिसमें 13 देशों के 117 रजिस्टर्ड नाविक पाँच एलीट यूथ क्लास – 420, 29ईआर (लड़के और लड़कियों की स्किफ़),आईएलसीए 4 (लड़के और लड़कियों की डिंगी), ऑप्टिमिस्ट (लड़के और लड़कियाँ), और यूथ विंडसर्फिंग (लड़के और लड़कियाँ) में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व कप 2027 के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हूं : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर संशय जताते हुए कहा कि तेजी से बढ़ती टी20 लीग और आईसीसी द्वारा हर साल किसी बडे टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के कारण अत्यधिक क्रिकेट की वजह से यह प्रारूप अपनी जगह खो चुका है। अश्विन का मानना है कि टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखने के चलते वनडे क्रिकेट लगभग गैर जरूरी सा हो गया है।

अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' में कहा, 2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट का भविष्य क्या होगा, इसको लेकर मैं निश्चित नहीं हूं। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन जिस तरह मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। उन्होंने कहा हमें यह भी समझना होगा कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है, लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है।

सभी प्रारुपों में 765 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का कहना है कि किसी खेल को दर्शकों से जोड़ने के लिए स्टार खिलाड़ियों की जरूरत होती है और इसके लिए उन्होंने हाल में रोहित शर्मा और विराट कोहली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में खेलने से उमड़ी दर्शकों की भीड़ का उदाहरण दिया। इन दोनों खिलाड़ियों के नाम मिलाकर 86 वनडे शतक हैं।

उन्होंने कहा देखिए, रोहित और विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इन खिलाड़ियों (रोहित और विराट) की वापसी की जरूरत होती है। अश्विन ने कहा,

- बड़े स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा क्रिकेट को अलविदा कह देंगे
- टी-20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अहमियत के चलते वनडे प्रारूप के लिए जगह हो रही कम

विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा?

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार प्रारूप हुआ करता था जिससे महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए जो पारी को संभालना जानते थे। उन्होंने कहा वनडे क्रिकेट कभी एक बेहतरीन प्रारूप था जिसने धोनी जैसा खिलाड़ी दिया जो 10-15 ओवर तक सिर्फ एक एक रन लेकर पारी को संभालता था और अंत में विस्फोटक बल्लेबाजी करता था। अब ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं और अब वैसी बल्लेबाजी की जरूरत भी नहीं है क्योंकि अब दो नई गेंदें होती हैं और सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षक रहते हैं।

अश्विन ने साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से व्यावसायिक हितों से प्रभावित हुए बिना अपने कैलेंडर पर पुनर्विचार करने की अपील की क्योंकि उन्हें लगता है कि काफी ज्यादा विश्व कप हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब लगभग हर साल आईसीसी टूर्नामेंट होने का मुख्य कारण राजस्व बढ़ाना है जबकि 2025 के कैलेंडर में पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी और महिलाओं का वनडे विश्व कप शामिल था और 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों का टी20 विश्व कप होगा। उन्होंने कहा वनडे प्रारूप अब गैरजरूरी सा हो गया है और आईसीसी जिस तरह से विश्व कप आयोजित कर रहा है, उसे इस पर भी ध्यान देने की दरकार है।

हर साल राजस्व के लिए कोई आईसीसी टूर्नामेंट कराया जाता है। फीफा को देखिए। वहां अलग लीग होती हैं और विश्व कप चार साल में एक बार होता है। इसलिए विश्व कप का अपना अलग महत्व है। अश्विन के कहा बहुत ज्यादा द्विपक्षीय शृंखलाएं, बहुत ज्यादा प्रारूप और बहुत ज्यादा विश्व कप, यह सब मिलकर अत्यधिक हो गया है।

ऋषभ पंत।

क्या पंत को खेलने का मौका दिए बिना बाहर करेंगे चयनकर्ता ?

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऋषभ पंत विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में भले ही एक अर्धशतक जमा सके हों, लेकिन पिछले 18 महीने में एक भी वनडे खेलने का मौका दिए बिना अगर उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज से बाहर किया गया तो अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की यह ज्यादती होगी। भारतीय चयनकर्ता न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा करेंगे और इसे लेकर काफी अटकलें हैं कि पंत टीम में रहेंगे या नहीं।

यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय टीम प्रबंधन में कम से कम एक सदस्य को तो पंत का 'अधिक जोखम से अधिक फायदा' वाला रवैया पसंद नहीं है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजी में पंत पारंपरिक रवैया अपनाए। लेकिन दूसरा मौका

2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं ऋषभ पंत ने

2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला

70 रन ही बना सके विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में खेलकर

अजित अगरकर।

दिए बिना पंत को बाहर करने से कई सवाल खड़े होंगे। पंत ने 2025 में एक भी वनडे नहीं खेला हालांकि वह चैम्पियंस ट्रॉफी टीम और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले महीने वनडे टीम का हिस्सा थे। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर आजमाया गया और तीनों मैचों में पंत बाहर रहे।

पंत ने 2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं। उन्होंने 30 जून 2019 से 14 जनवरी 2020 के बीच में 11 वनडे खेले। फिर कोविड के बाद उन्होंने 26 मार्च 2021 से 30 नवंबर 2022 तक 15 वनडे खेले और एक शतक, दो बार 75 से अधिक रन और एक 85 रन की पारी खेली। इसके बाद वह भयावह कार दुर्घटना का शिकार हो गए। फिर 2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला। विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में वह एक ही मैच में 70 रन बना सके।

वहीं ईशान किशन ने झारखंड के लिये कर्नाटक के खिलाफ पहले ही मैच में 14 छक्के लगाए। ध्रुव जुरेल ने भी उत्तर प्रदेश के लिए शतक जमाया और वह पिछली वनडे सीरीज में भारतीय टीम में थे।

15 सदस्यीय टीम में तीन विकेटकीपर तो नहीं हो सकते और बल्लेबाज विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल ही हैं। अब देखना यह होगा कि क्या पंत या जुरेल की जगह ईशान टीम में आते हैं। देवदत्त पडिक्कल के नाम पर भी विचार होगा जिन्होंने 37 मैचों में 92 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। पर कप्तान शुभमन गिल की वापसी और दूसरे छोर पर रोहित शर्मा की मौजूदगी के अलावा पिछले वनडे में शतक जमाने वाले यशस्वी जायसवाल के रहते हुए पडिक्कल को जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। गेंदबाजी में टी20 विश्व कप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह और हरफनमौला हार्दिक पंड्या को वनडे से आराम दिया जाना तय है। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है। मोहम्मद शमी की वापसी की भी अटकलें हैं।

मुझे लगा था कि मैं फिर कभी नहीं खेल पाऊंगा : चेतन

बेंगलुरु। चेतन सकारिया को तीन साल पहले तक भारत के उभरते हुए तेज गेंदबाजों में से एक गिना जाता था, लेकिन चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद उन्हें लगने लगा था कि वह फिर से कभी नहीं खेल पाएंगे। सकारिया ने मौजूदा घरेलू सत्र में सौराष्ट्र की तरफ से विजय हजारे ट्रॉफी में एक मैच खेला जो फरवरी 2024 के बाद उनका पहला मैच है।

सकारिया ने पीटीआई से कहा जब मुझे चोट लगी थी तो मुझे लगा था कि मैं कभी वापसी नहीं कर पाऊंगा। अब इस घरेलू सत्र में खेलकर मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। सौराष्ट्र के लिए गेंदबाजी करने के बाद बहुत अच्छा लग रहा है। इस तेज गेंदबाज के बाएं हाथ की कलाई में 2024 के शुरू में चोट लगी थी जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लग गया। सकारिया ने कहा कि यह मानसिक रूप से थका देने वाला दौर था। उन्होंने कहा यह मेरे लिए मानसिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण था। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं दोबारा क्रिकेट खेल पाऊंगा। कुछ डॉक्टरों ने मुझसे कहा कि शायद मैं दोबारा गेंद को ठीक से पकड़ भी न पाऊं।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप के लिए स्पिनरों पर जताया भरोसा

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम में स्पिन गेंदबाजों को प्राथमिकता दी है।

टी20 विश्व कप 2021 के विजेता आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यहां 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। उसने टी20 से संन्यास ले चुके मिशेल स्टार्क की अनुपस्थिति में किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को टीम में शामिल न करने का फैसला किया। कूपर कॉनोली को टीम में शामिल किया गया है जबकि

टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से किसी में भी नहीं खेले हैं। स्टार्क ने पिछले छह टी20 विश्व कप में से केवल एक में भाग नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पिछले साल के अंत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद वह 13 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से भिड़ेगा और फिर 16 फरवरी को कैंडी में श्रीलंका और 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच खेलेगा। इस महीने के अंत में पैट कमिंस की पीठ का स्कैन होने पर यह तय होगा कि वह टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं। जोश हेजलवुड और टिम डेविड दोनों हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के अनुसार कोई भी टीम 31 जनवरी तक अपनी टीम में बदलाव कर सकती है।

आईएसएल शुरू करने के लिए क्लबों ने लगाईं शर्तें

नई दिल्ली : इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 14 में से 13 क्लबों ने बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को बताया कि वे विलंबित 2025-26 सत्र में भाग लेने के लिए तैयार और इच्छुक हो सकते हैं, बशर्ते कि क्लबों से कोई भागीदारी शुल्क नहीं लिया जाए और प्रतियोगिता के आयोजन व संचालन से जुड़ी पूरी वित्तीय जिम्मेदारी एआईएफएफ उठाए।

आईएसएल में अपनी भागीदारी को लेकर शर्तें रखते हुए क्लबों ने एआईएफएफ से यह भी अनुरोध किया कि वह दीर्घकालिक योजना के क्रियान्वयन के लिए एक स्पष्ट और समयबद्ध रोडमैप प्रस्तुत करे।

बंगाल टाइगर्स ने पाइपर्स को हराया

रांची, एजेंसी

श्राची बंगाल टाइगर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग के रोमांचक मैच में अपना संयम बनाए रखा और नियमित समय में 3-3 की बराबरी के बाद शूटआउट में एसजी पाइपर्स को हरा दिया। शूटआउट में लालरेमसियामी के गोल ने टीम के लिए बोनस अंक पक्का कर दिया।

नियमित समय में टाइगर्स के लिए ऑगस्टिना गोरजेलानी (6वें, 18वें मिनट) और लालरेमसियामी (11वें मिनट) ने गोल किए। वहीं एसजी पाइपर्स के लिए लोला रीरा (10वें, 60वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (59वें मिनट) ने गोल किए। शूट आउट में पाइपर्स दो बार गोल करने में नाकाम रही वहीं लालरेमसियामी ने संयम बनाए रखा ।

संघर्ष करतीं एसजी पाइपर्स व श्राची बंगाल टाइगर्स (ऑरेंज ड्रेस) की खिलाड़ी। एजेंसी

रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे चोटिल

पेरिस, एजेंसी

स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे के बाएं घुटने में चोट लगी है और उनका तीन सप्ताह तक खेलना संदिग्ध है। रियल मैड्रिड ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि फ्रांस के सुपरस्टार के पांव में मोच आई है, लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया है कि वह कब तक पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

फ्रांस के खेल समाचार पत्र एलइक्विप ने किसी सूत्र का हवाला दिए बिना कहा कि एमबाप्पे कम से कम तीन सप्ताह तक अनुपलब्ध रहेंगे। एलइक्विप के अनुसार एमबाप्पे पिछले कुछ सप्ताह से अपने घुटने के पिछले हिस्से में लिगामेंट की समस्या से जूझ रहे थे और बुधवार सुबह किए गए एमआरआई में घाव का पता चला

- तीन सप्ताह तक फुटबॉल से रह सकते हैं दूर

जिसके लिए उपचार और आराम की आवश्यकता है। यह स्ट्राइकर शानदार फॉर्म में हैं। इस महीने की शुरुआत में एमबाप्पे ने 2025 में रियाल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल किया, जिससे उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब की तरफ से एक साल में सर्वाधिक गोल करने की रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

अस्पताल में ठीक हो रहे हैं ब्राज़ील के लीजेंड कार्लोस

रियो डी जेनेरो। ब्राजील और रियल मैड्रिड के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। एक मेडिकल प्रोसीजर के बाद, जिसे उन्होंने एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर बताया। 52 साल के पूर्व लेफ्ट-बैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज के जरिए फैंस को अपनी हालत के बारे में बताया, जिसमें अस्पताल के बिस्तर पर मुस्कुराते हुए उनकी एक तस्वीर भी थी।

उन्होंने उन अफवाहों का भी खंडन किया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने लिखा मैं हाल ही में चल रही जानकारी को साफ करना चाहता हूं। मैंने हाल ही में एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर करवाया, जिसकी योजना मेरी मेडिकल टीम के साथ पहले से बनाई गई थी। प्रोसीजर सफल रहा, और मैं ठीक हूं। मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा। मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं।

नए साल में टेनिस

आज से शुरू होगा यूनाइटेड कप, दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी लेंगे भाग

ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में धमाल मचाने को तैयार टेनिस

ब्रिस्बेन, एजेंसी

नया साल शुरू होते ही टेनिस हमेशा की तरह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में धमाल मचाने के लिए तैयार है जिसका मुख्य आकर्षण 18 जनवरी से शुरू होने वाला ऑस्ट्रेलियाई ओपन होगा। एटीपी और डब्ल्यूटीए के 2025 फाइनल्स के छह सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद पुरुष और महिला टूर के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहुंच रहे हैं, जहां वे मेलबर्न में वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से पहले दो सप्ताह तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण यूनाइटेड कप है जो मिश्रित टीम टूर्नामेंट है और शुक्रवार से शुरू होकर 11 जनवरी को समाप्त होगा। यह टूर्नामेंट पर्थ और सिडनी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों में से चार-

02 से 11 जनवरी तक चलेगा यूनाइटेड कप

18 जनवरी से मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन

चार खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें कोको गॉफ, टेलर फ्रिट्ज, एलेक्स डी मिनौर, इगा स्वियातेक, अलेक्जेंडर ज़्वेरेव, जैस्मीन पाओलिनी और फेलिक्स ऑगर एलियासिमे शामिल हैं। इसके अलावा 2026 के पहले सप्ताह के दौरान ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में मौजूदा चैंपियन एरिना सबलेंका मुख्य आकर्षण होंगी, जो दुबई में निक किर्गियोस के खिलाफ 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' प्रदर्शनी मैच खेलकर आ रही हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले होने वाले टूर्नामेंटों में पुरुष टेनिस के दो सबसे बड़े नाम विश्व रैंकिंग में पहले नंबर पर काबिज कार्लोस अल्काराज और दूसरे नंबर के यानिक सिनर नहीं खेलेंगे। अल्काराज़ और सिनर ने पिछले 10 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों में से नौ जीते हैं। उन्होंने 10 जनवरी को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक प्रदर्शनी मैच खेलने का फैसला किया है। इसके बाद उम्मीद है कि वे मेलबर्न पार्क में अपनी तैयारियां शुरू करने के लिए ऑस्ट्रेलिया आएंगे। अल्काराज़ सात साल बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट लंबे समय तक अपने कोच रहे जुआन कार्लोस फेरेरो के बिना खेलेंगे।

यूनान व जापान के बीच मुकाबला आज

यूनाइटेड कप की शुरुआत शुक्रवार को पर्थ में यूनान और जापान के बीच होने वाले मैच से होगी। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में सबालेंका के अलावा अमांडा अनिसिमोवा, डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियन एलेना रायबाकिना, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज़, जेसिका पेगुला और मीरा एंड्रीवा भी भाग लेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अभ्यास के तौर पर होने वाला एक अन्य टूर्नामेंट एटीपी-डब्ल्यूटीए एडिलेड इंटरनेशनल 12 से 17 जनवरी तक खेला जाएगा जिसका मुख्य आकर्षण 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच होंगे। ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में भी एक डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।